परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
1	**क –सचिवालय सामाजिक सेवा'**	मंत्रालय के दक्ष कार्यकरण हेतु स्थान का आधुनिकीकरण करना तथा सूचना प्रौद्योगिकी सहायता भी उपलब्ध कराना। कार्यालय उपकरणों का रख–रखाव तथा लेखन–सामग्री का प्रापण।	**15.00**	**1.00**	मंत्रालय में पुराने और अप्रयुक्त कम्प्यूटरों को बदलना। कोलाहल मुक्त कार्य वातावरण बनाने के लिए अनुभागों/इकाईयों में पड़े पुराने रिकार्डों का डिजिटीकरण। कार्यालय स्थान का आधुनिकीकरण। 7 कमरों का नवीकरण (पीएंडबी, एसएंडएफ, लेखा सेल, अभिलेख कक्ष आदि)	37 कम्प्यूटर, आवश्यकताअनुसार अन्य कार्यालय उपकरण भी खरीदे गए। 11 बहु कार्यमूलक प्रिंटर और 9 फोटोकॉपीयर खरीदे गए।	**17.32**	**1.27**	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है। नए कम्प्यूटर खरीदने का प्रस्ताव प्रारंभिक अवस्था में है।

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	ख – केन्द्रीय सचिवालय ग्रंथागार (सी एस एल)	शिक्षाविदों, अनुसंधान अध्येताओं तथा नीति आयोजकों को सूचना तथा अनुसंधान सेवाएं उपलब्ध कराना। सभी प्रयोजन हेतु यह प्रमुख ग्रंथागार है।	**1.95**	**2.40**	पुराने सर्वर को बदलना, नए उच्च गुणवत्ता वाले सर्वर संस्थापित किए जाने हैं। 'बार कोडेड टैगों के माध्यम से स्वचालित परिचालन 'शुरू किया जाना है, नए प्रौद्योगिकीय विकासों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं, पुस्तकों, सेल्फों और ट्रांलियों की खरीद, आरके पुरम शाखा पुस्तकालय का बुनियादी सुधार और सौंदर्यीकरण, भारत सरकार गजट/अधिसूचनाओं का डिजिटीकरण कार्य किया जाना है।	सम्मेलन कक्ष में माइक सिस्टम लगाने का कार्य पूरा हो चुका है, सीएसएल द्वितीय तल हाल और आरके पुरम शाखा पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/नवीकरण कार्य पूरा है। 6000 पुस्तकें और अन्य दस्तावेज खरीदे गए। एनआरएलसी में दुर्लभ पुस्तकों का परिरक्षण कार्य चल रहा है। एसी प्लांट का रख–रखाव, कंप्यूटर और अन्य * की एएमसी।	**0.94**	**1.57**	सामान्यतया, योजनेतर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक व स्थापना व्ययों के लिए किया जाता है। पेरिफल साफ्टवेयर का रख–रखाव आदि। संदर्भ पुस्तकों को अर्जन, और पुस्तकों का संसाधन जारी रहा।
2	**क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र***	लक्ष्य मूल संस्कृति और सांस्कृतिक बंधुता को बढ़ावा देना है, जो क्षेत्रीय सीमाओं के पार हो तथा स्थानीय संस्कृति को बढ़ाना और उसके प्रति जागरूकता पैदा करना	––	**14.00**	विभिन्न स्कीमों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों आदि के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों को सुदृढ़, संवर्धन और प्रदर्शित करना।	**0.00**	**23.45**	

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		और उसे बढ़ाना।							
(i)	राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु देश के भीतर विभिन्न क्षेत्रों में कलाकारों, संगीतकारों, कला प्रदर्शकों तथा मूर्तिकारों आदि का आदान–प्रदान।			लगभग 520 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनसे बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित होंगे।	510 कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे देशभर में सांस्कृतिक विविधता को प्रसारित करने के लिए मेलों, समारोहों, सांस्कृतिक आयोजनों में बड़ी संख्या में तैनात किए गए कलाकारों को लाभ मिला।			
(ii)	प्रलेखन	विशेष रूप से लुप्त हो रहे कलारूपों के समुचित परिरक्षण हेतु विभिन्न लोक एवं जनजातीय कलारूपों का प्रलेखन।			कार्यक्रम समिति के परामर्श के अनुसार सदस्य राज्यों के विभिन्न लोक तथा जनजातीय कलारूपों, उत्कृष्ट कलाकारों की कृतियों का प्रलेखन किया जाएगा और प्रकाशनार्थ अनुसंधानोन्मुखी परियोजनाओं का कार्य शुरू किया जाएगा।	वर्ष 2010–11 के दौरान 135 से अधिक प्रलेखन कार्य किए गए।			
(iii)	लोक तरंग, लोक नृत्य उत्सव	यह उत्सव प्रत्येक वर्ष जनवरी के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आयोजित किया जाता है जिसका उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा राष्ट्रीय अखंडता का संवर्धन करना है।			यह उत्सव राष्ट्रीय स्तर पर देश के विभिन्न हिस्सों के लोक कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शन का विशिष्ट अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भाग लेते हैं।	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने 2010–11 की गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया।			
(iv)	कुरूक्षेत्र उत्सव	महाभारत से संबंधित एक			भारतीय कला व संस्कृति के	उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पावन स्थल, कुरुक्षेत्र में गीता जयंती समारोह के अवसर पर मनाया जाता है।			संवर्धन हेतु बहुत ही उपयुक्त अवसर है। शास्त्रीय और लोक कलाकार कला प्रदर्शन करते हैं जिससे काफी लोग लाभान्वित होते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में शिल्पकलाकारों को अपने उत्पादों का प्रदर्शन और उनकी बिक्री करने का अवसर मिलता है।	द्वारा कुरुक्षेत्र उत्सव–गीता जयंती समारोह–2011, महारासलीला दर्शन का आयोजन दिसंबर, 2011 के दौरान किया गया।			
(v)	गुरु शिष्य परंपरा	हमारे तेजी से लुप्त हो रहे कलारूपों का संवर्धन एवं परिरक्षण करना।			इससे न केवल गुरुओं बल्कि शिष्यों को भी लाभ पहुँचाने का प्रस्ताव है। वर्ष के दौरान लगभग 100 गुरुओं और 1560 शिष्यों को लाभान्वित किए जाने का प्रस्ताव है।	स्कीम के तहत विभिन्न कलारूपों के लगभग 100 गुरु अपने 1550 शिष्यों के साथ लाभान्वित हुए।			
(vi)	रंगमंच सुदृढ़ीकरण	रंगमंच कलाकारों को नाटकों तथा अन्य रंगमंच कार्यकलापों के मंचन का अवसर प्रदान करना। साथ ही संयुक्त मंच पर एक दूसरे के साथ मेलजोल करना।			लगभग 135 रंगमंच समूहों को अपने नाटक प्रस्तुत करने का प्रस्ताव था और रंगमंच के संवर्धन में बड़ी संख्या में लोगों को लाभान्वित किए जाने का प्रस्ताव है	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि नाटक प्रस्तुतियों, नाटक उत्सवों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस स्कीम के अंतर्गत 88 से अधिक नाटक भी मंचित किए गए।			
(vii)	प्रतिभावान युवा कलाकार स्कीम	विभिन्न लोक कलारूपों में प्रतिभावान युवा कलाकारों को पहचानना तथा उन्हें			लगभग 100 लोक कलाकारों को चुनें जाने तथा पर्याप्त संख्या में उभरते कलाकारों	इस स्कीम के तहत बड़ी संख्या में कलाकार लाभान्वित हुए।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रोत्साहित करना।			तथा लोगों को शामिल करते हुए प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी।				
(viii)	शिल्पग्राम	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों द्वारा स्थापित शिल्पग्राम भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन एवं परिरक्षण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और प्रतिभावान दस्तकारों को मंच प्रदान कर रहे हैं। मुख्य उद्देश्य शिल्पग्राम/कलाग्राम में कार्यकलापों को बढ़ावा देना है।			बड़ी संख्या में कलाकार और दस्तकार लाभान्वित होते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी दी जाती है।	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों ने बड़ी संख्या में दस्तकार और शिल्पी को शामिल करते हुए अपने संबंधित शिल्पग्रामों में शिल्पग्राम उत्सव और अन्य सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया।			
(ix)	पूर्वोत्तर उत्सव – आक्टेव	पूर्वोत्तर के प्रस्तावित उत्सव का उद्देश्य सामान्यतः लोगों को और विशेषतः पूर्वोत्तर के कलाकारों को देश के शेष भाग से घनिष्ठ मेलजोल बढ़ाने में सहायता पहुँचाना है। यह पूर्वोत्तर और मुख्य भूमि के बीच तथाकथित दूरी का कम करना है।			लोक कलाकारों, संगीतकारों, शिल्पकारों आदि सहित पूर्वोत्तर से लगभग 1200 कलाकार, आयोजित किए जाने वाले श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों में कला प्रस्तुत करेंगे।	पूर्वोत्तर उत्सव मार्च, 2011 के दौरान सोलन हिमाचल प्रदेश में आयोजित किया गया।			
3.	**संगीत नाटक**	अकादमी भारतीय संगीत,	**7.10**	**11.50**	संवर्धन और वृद्धि के लिए	अकादेमी भारत की मंच	**7.70**	**35.95**	सामान्यता,

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अकादेमी, नई दिल्ली	नृत्य और नाटक के संवर्धन और वृद्धि के लिए मंचकलाओं में प्रशिक्षण मानक के अनुरक्षण; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित समितियों के जीर्णोद्धार, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार के लिए तथा विशिष्ट कलाकारों की पहचान के लिए कार्य करती है।			मंचकलाओं में प्रशिक्षण मानक के अनुरक्षण; संगीत, नृत्य और नाटक के विभिन्न रूपों से संबंधित समितियों के जीर्णोद्धार, परिरक्षण, प्रलेखन और प्रसार के लिए तथा विशिष्ट कलाकारों की पहचान के लिए कार्य करती है।	कलाओं को आगे बढ़ाने के प्रति समर्पित है और प्रख्यात वयोवद्ध कलाकारों तथा नई पीढ़ी के प्रतिभावान कलाकारों की कला प्रस्तुतियों की व्यवस्था करके प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से तथा छात्रवृत्तियां प्रदान करके प्रलेखनों द्वारा इस उद्देश्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है।			प्रशासनिक तथा स्थापना खर्चो के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	सर्वेक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन तथा प्रसार व प्रकाशन और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत कार्यान्वयन परियोजना पर यूनेस्को सम्मेलन	मंच कलाओं की दुर्लभ परंपराओं की रिकार्डिंग का संरक्षण व संग्रहण, मंच कलाओं के सैद्धांतिक व अकादेमिक ज्ञान का विकास तथा मंच कलाओं पर साहित्य का प्रकाशन।			200 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो रिकार्डिंग, 10 ऑडियो सी डी, 10 वीडियो सी डी, तथा 2200 फोटोग्राफों, 60 घंटे की ऑडियो तथा वीडियो डबिंग जारी किया जाना है। 3000 फोटो जोड़ा जाना है। 4 राज्यों में मानचित्रण परियोजना। एक राष्ट्रीय सम्मेलन, दो क्षेत्रीय सम्मेलन प्रस्तावित है। 6 पुस्तकें, 4 जर्नल और 12 नई बुलेटिने और एक वार्षिक रिपोर्ट। विश्वकोष के लिए 5 विद्वानों	444 घंटे की वीडियो तथा 52 घंटों की ऑडियो रिकार्डिंग, 11031 श्याम–श्वेत मार्च, 2011 में 3 जर्नल और हिंदी जर्नल–संगना प्रकाशित किया गया। अकादमी ने 31–3–2011 को पेरिस में यूनेस्को को 9 नामांकन डॉजियर (एसएनए द्वारा कव्वाली; डब्ल्यूजेडसीसी द्वारा पगड़ी बांधना; आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कलमकारी चित्रकला; एनजेडसीसी द्वारा			प्रतिनिधि सूची के लिए अकादमी की उम्मेदवारी हेतु उन पर 10 फिल्मों सहित 5 घटकों का डॉजियर तैयार करना। पेरिस स्थित

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					को लगाया गया है। 5 राज्यों में सांस्कृतिक मैपिंग के लिए सर्वेक्षण।	जंगम गायन; केरल सरकार द्वारा चेत्तिकुलंगारा कुभ भारती केट्टूकझाचा; गोवा सरकार द्वारा रनमाले; आईजीएनसीए द्वारा गद्दी जाट्र; राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता द्वारा दुर्गा पूजा; एनएसडी द्वारा नौटंकी) प्रस्तुत किया।			यूनेस्को के आईसीएच उत्सव में भारतीय प्रस्तुतियों का आयोजन। वास्तविक उपलब्धि एसएनए द्वारा दी गई उचित प्राथमिकता पर आधारित है।
					एक राष्ट्रीय सेमिनार, दो क्षेत्रीय सेमिनार तथा 6 पुस्तकें 4 जर्नल एवं 12 न्यूज बुलेटिन तथा 1 वार्षिक रिपोर्ट। विश्वकोश के लिए 5 विद्वानों को नियुक्त किया जाएगा। 5 राज्यों में सांस्कृतिक मानचित्रण के लिए सर्वेक्षण*	वाराणसी में सेमिनार आयोजित किया गया, कला और संस्कृति पर 6 पुस्तकें, 3 जर्नल, 4 न्यूज बुलेटिन, 1 वार्षिक रिपोर्ट तथा 700 पुस्तकों अर्जित की गईं।			
(ii)	राष्ट्रीय मंच कला संग्रहालय				3 सूचीपत्र तैयार करना, 110 वस्तुओं का अर्जन, 3	एनएमपीए के लिए डीडीए द्वारा दिल्ली में 5 एकड़ भूमि			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	भूमि की खरीद और भवन का निर्माण	अलग भवन और परिसर के अधिगहण द्वारा अकादेमी के विद्यमान संग्रहालय वाद्ययंत्रों, कठपुतलियों, मुखौटों व अन्य कला वस्तुओं को रंगमंच कलाओं के राष्ट्रीय स्तर के एक संग्रहालय में विकसित करना।			कार्यशाला का आयोजन, यंत्र और मुखौटा निर्माण में प्रशिक्षण कार्यक्रम। अनुक्रमणिका, सूचीपत्र और डिजिटीकरण।	वर्ष 2010–11 के दौरान आबंटित की जाएगी। कोलकाता और मेरठ में यंत्र निर्माण प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ हो गया है। पूर्वी क्षेत्र के लिए दुर्लभ संगीत यंत्र के लिए अर्जन केंद्र स्थापित किया गया है। अभी तक प्राप्त किया गया है–संगीत यंत्र। अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (18 मई, 2010); सीडब्ल्यूजी, 2010 के दौरान आईजीएनसीए, दिल्ली में एक कठपुतली प्रदर्शनी; कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में			
	रंगमंच कला अभिलेखागार और पुस्तकालय एवं अभिलेखागार	अकादेमी के स्वयं के मौजूदा अभिलेखागार के अलावा देशभर में बिखरे पड़े दुर्लभ संग्रहों को प्राप्त करके दक्षिण भारत का एक समानांतर अभिलेखागार सहित भारत की मंच कलाओं के ऑडियो, वाडियो तथा फोटोग्राफों के दस्तावेजों का एक विशिष्ट अभिलेखागार विकसित करना।			22000 कतरनों, 2200 मोनोग्राम रिकार्ड, 5500 फोटो का डिजिटीकरण।	कठपुतली प्रदर्शनी; अनवरत अभिलेखीय परियोजना। कतरनों और फोटो का डिजिटीकरण पूरा किया गया।			
	रंगमंच कलाओं पर विशेषीकृत पुस्तकालय	रंगमंच कलाओं पर अकादेमी के मौजूदा विशेषीकृत पुस्तकालय का							

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		विस्तार करना और इसके समग्र सामिग्रियों का डिजिटीकरण करना और इसे ऑनलाइन उपलब्ध करना।							
(iii)	भारत के विशेषीकृत क्षेत्रों/रूपों के लिए अकादमी के राष्ट्रीय संस्थान व केंद्रः कथक केंद्र, नई दिल्ली, कुटियट्टम केंद्र, केरल, छाऊ केंद्र, बारिपदा/जमशेद पुर, अन्य राष्ट्रीय परियोजनाएं, जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इंफाल तथा सत्रीय केंद्र,	अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के माध्यम से व्यावसायिक स्तर के कथक डांसरों को तैयार करना, कुटियट्टम के लिए अकादमी की परियोजना सहायता को अपग्रेड करना व विकसित करना, पूर्वी क्षेत्र के छाऊ नृत्यों के लिए चल रही परियोजना सहायता का अपग्रेडेशन व विकास, अकादमी के परंपरागत लोक रंगमंच रूपों, यथा – कर्नाटक का यक्षगान, तमिलनाडु का भगवत्मेला के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकास, अच्छे विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के जरिए			कथक में 3–4 नए नृत्य सेमिनार का प्रोडक्शन, 200 कलाकारों के लिए मंच प्रदान करना। कुटियट्टम की जारी परियोजना जिसमें प्रशिक्षण, प्रोडक्शन, अनुसंधान व प्रदर्शन की कई परियोजनाएं शामिल हैं और जिससे संस्थान, 200 कलाकार व अध्येता प्रत्यक्ष तौर पर लाभान्वित होते हैं। छाऊ नृत्यों की जारी परियोजना जिसमें प्रशिक्षण, प्रोडक्शन, अनुसंधान व प्रदर्शन की कई परियोजनाएं शामिल हैं और जिससे शहरी व अर्धशहरी इलाकों के तकरीबन 300 कलाकार व अध्येता सीधे तौर पर लाभान्वित होते हैं। संगीत केंद्र, ग्वालियर,	रिपर्टरी द्वारा 3 नए निर्माण किए गए। 316 छात्रों के कथक का प्रशिक्षण किया गया। यह अनवरत कार्यक्रम है। संपूर्ण केरल में वित्तीय सहायता से 'कुटीयट्टम' से प्राचीन कला रूप का संवर्धन। इस 58 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। केरल के भीतर और बाहर आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किया। छउ नृत्य, संगीत और मुखौटा निर्माण में बारीपदा, रायरंगपुर में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली में कठपुतली केंद्र शुरू किया गया। प्राप्त किया जाना			अर्ध–शहरी क्षेत्रों में लगभग 300 कलाकारों और विद्वानों को लाभ होगा। कर्नाटक जनपदा अकादमी के सहयोग से चामद्याच एक बाहुल्य (24 व 25 जुलाई, 2010) टेलू बोमालट्टा (29 व 30 दिसंबर,

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	गुवाहाटी	व्यावसायिक स्तर के मणिपुरी नर्तकों को तैयार करना, सत्रीय नृत्य व संबद्ध संगीत व नाटक परंपराओं के लिए अकादमी परियोजना सहायता का विकास।			कठपुतली केन्द्र, नई दिल्ली, ओडिसी नृत्य एवं संगीत केंद्र, भुवनेश्वर और परंपरागत रंगमंच, वाराणसी पर परियोजनाओं की स्थापना/विकास। प्रशिक्षण और निष्पादन का नियमित प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। संगीत केंद्र स्थापित करना, पारंपरिक लोक रंगमंच रूप, तमिलनाडु के भागवत मेला को सहायता, कर्नाटक के यक्षगण को सहायता वर्ष में नृत्य नाटक के 3–4 नए निर्माण, 200 कलाकारों को मंच और देश में मणिपुरी नृत्य के लिए नए दर्शक जुटाना।*	है : फरवरी, 2011 में कर्नाटक का पारंपरिक कठपुतली उत्सव; पुतुल यात्रा, गुवाहाटी (22 अप्रैल से–1 मई, 2011) किया गया–नया निर्माण। अनवरत प्रशिक्षण कार्यक्रम। अगस्त, 2008 में गुवाहाटी में सत्तरिया केंद्र शुरू हुआ। सत्तरिया नृत्य और संगीत को प्रशिक्षण सहायता जारी है।			2010) निर्माणोन्मुख कठपुतली कार्यशाला–जन–अप्रैल, 2010; पुलुल उत्सव, दिल्ली (19–27 नवंबर, 2010) पुलुल परंपरा, बेंगलुरू (01–05) दिसंबर, 2010
(iv)	उत्सव, कार्यशालाएँ तथा राष्ट्रीय प्रदर्शनियाँ 1.संगीत नाटक अकादमी	क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तरों पर जीवंत शैली वाली प्रदर्शन कला परंपराओं को संरक्षित करना, प्रोत्साहित करना तथा उनका विकास करना एवं विचारों,			विभिन्न शहरों में 20 उत्सव एवं कार्यशालाएं। मंच कलाओं के क्षेत्र में राज्य सरकार/अकादेमिकों तथा केंद्रीय संगठनों और सांस्कृतिक संस्थानों के सहयोग से 50	राज्य सरकार/अकादमियों/केंद्रीय संगठनों/प्रमुख सांस्कृतिक संस्थानों के सहयोग से नृत्य संगम, कोच्चि नाट्य परंपरा, कांचीपुरम, संगीत संगम,			टैगोर की 150वीं जयंती का समारोह –रवीन्द्र प्राडेति

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उत्सव, कार्यशालाएँ व प्रदर्शनियाँ 2. राज्य अकादमियाँ, संगठनों, केंद्र सरकार के संगठनों तथा बड़े सांस्कृतिक संस्थानों तथा प्रायोजित कार्यक्रम (नई स्कीम) 3. मेघदूत थियेटर परिसर में नियमित कार्यक्रम	परिकल्पनाओं एवं तकनीकों का देशव्यापी स्तर पर आदान–प्रदान करना।			कार्यकलाप।	गुवाहाटी आदि अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अप्पण, डलहौजी, देश पर्व (भारतीय मंच कला उत्सव), कुलवर्णिका, भारतीय संगीत पाठ, देशज, नाट्य दर्शन, नृत्य रूप–भारतीय नृत्य दिल्ली।*			दिल्ली, ऐनके सेरंग,परब धीरभुम पश्चिम बंगार, नृत्य नाट्य शांति निकेतन, कोलकाता, नाट्य उत्सव रायपुर।
(v)	अवार्ड, सम्मान तथा पुरस्कार : संगीत नाटक अकादेमी फेलोशिप तथा अवार्ड (अकादेमी रत्न सदस्यता तथा पुरस्कार),	प्रदर्शन कलाओं में उत्कृष्टता तथा निरंतर अवदान को मान्यता देना तथा प्रख्यात वृद्ध कलाकारों को सहायता। अकादेमी अवार्ड फेलोशिप तथा अकादेमी अवार्ड (फेलोशिप 30 जीवित व्यक्तियों हेतु सीमित है।)			33 अकादमी पुरस्कार, 5 फेलोशिप	भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा वार्षिक फेलोशिप और पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार वितरण के बाद दिल्ली में सप्ताह भर का संगीत, नृत्य व नाटक समारोह आयोजित किया गया।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बिस्मिल्लाह खां–युवा पुरस्कार, युवा पुरस्कार	35 वर्ष से कम आयु के युवा कलाकारों के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खां पुरस्कार प्रारम्भ किया गया। पुरस्कार में 25,000 रू0 की राशि दी जाती है।			युवा कलाकारों को युवा पुरस्कार	(28.9.10; 15–21–10–2010) दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह और पुरस्कार विजेता कलाकारों का समारोह व उत्सव आयोजित किया गया। (10–17 अगस्त, 2010);			
(vi)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 1.अंतर–राज्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम 2. भारत–एशियाई सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम	सांस्कृतिक आदान–प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण			30 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मिलाकर 20 आदान–प्रदान विदेश से 6 सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम।	2 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को मिलाकर 1 आदान–प्रदान आयोजित किया गया। भारत महोत्सव अंतर्राष्ट्रीय कला* को अंतिम रूप देने के लिए दिसंबर, 2009 में ब्राजील का प्रारंभिक दौरा।			*सीमापार फोरम द्वारा दिल्ली में समारोह प्रायोजित/आयोजित किया गया।
(vii)	प्रशिक्षण और मंच सहायता – पारंपरिक, लोक और जनजातीय मंच कलाओं का				विभिन्न मंचकला रूपों में 50 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। उत्तर, दक्षिण, पूर्व व पश्चिम और मध्य क्षेत्र में युवा संगीतकारों/नर्तकों के 5 समारोह।	20 अनवरत प्रशिक्षण कार्यक्रम, नागेश्वरम, पल्लवी पखावज, सुंदरी, ध्रुपद, सोपान, संगीतमय, शहनाई, सारंगी, मयूर वीणा, नक्करा, पोराट्टूनाटकम, नट्टूवंगम,			@प्रकाशन अनुदान के अंतर्गत। मुक्त रंगमंच परिसर के नवीकरण के

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रशिक्षण, युवा कलाकारों का संवर्धन और सहायता। कठपुतली का परिरक्षण, बाल थिएटर को सहायता।				विभिन्न राज्यों में युवा निर्देशकों के 4 समारोह, 2 रंगमंच कार्यशालाएं, निर्माण आर्थिक सहायता।	फिरिक्कल नृत्य, प्रहृलाद नाटक संगीत प्रतिभा, उदयपुर, रंग प्रतिभा और नृत्य सरंचना फरवरी, 2011 के दौरान आयोजित किए गए। रामलीला वैदिक मंत्रोच्चार और कुटीयट्टम में 33 संस्थानों/व्यवसायियों को सहायता दी गई। 470 सांस्कृतिक संस्थानों के लिए वित्तीय सहायता की सिफारिश की गई और पूर्वोत्तर के लिए 152 आवेदन प्राप्त हुए। 2 शोध कार्यों को सहायता अनुदान दी गई। 2 निजी परियोजनाओं को सहायता दी गई। 30 पत्रिकाओं/जर्नलों को सहायता अनुदान दिया गया।			लिए बुनियादी विकासात्मक कार्यकलाप और मेघदूत थिएटर परिसर के लिए प्रदर्शनी दीर्घा। रबीन्द्र रंगशाला, नया परिसर कथक केंद्र के लिए कार्य, रबीन्द्र भवन के विकास का कार्य चल रहा है।
4.	**ललित कला अकादमी**	दृश्य तथा प्लास्टिक कलाओं का संवर्धन	**6.15**	**7.00**	सामान्यतः गैर–योजनागत अनुदान प्रशासनिक एवं स्थापना खर्चों के लिए प्रयोग किया जाता है।		**6.69**	**10.14**	
(i)	दृश्य तथा प्लास्टिक कला के क्षेत्र में	अकादेमी के मुख्य उद्देश्य विशेषतः समकालीन कला के क्षेत्र में देश के कला,			राष्ट्रीय प्रदर्शनी – 1 सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत शिष्टमंडल	**प्रदर्शनी** राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता प्रदर्शनी–1 महिला प्रदर्शनी–2,			**पूर्वोत्तर कार्यक्रम** राष्ट्रीय कला

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप। सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम, आग्र प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी, कला संचार और प्रसार, अभिलेख और स्लाइट व्यय, व्याख्यान और सेमिनार, शिविर और कार्यशालाएं, एस.ए और कला संगठनों को एच.क्यू. अनुदान, मुख्यालय कला दीर्घा और ए. सी. व्यय, बहिर्गामी प्रदर्शनी, विशेष	कार्यकलापों के विकास हेतु कलाकार समुदाय को बुनियादी ढांचागत सुविधाएं प्रदान करना है।			आदान–प्रदान कार्यक्रम – 5 बहिर्गामी प्रदर्शनी – 5 आगत प्रदर्शनी – 4 चल प्रदर्शनी – 3 कैंप व वर्कशाप – 10 व्याख्यान और सेमिनार – 9 एलकेए गैलरी में प्रदर्शनी – 250 कला संगठनों को सहायता अनुदान – 25 कलाकृतियों का संरक्षण और जीर्णोद्धार – 150 12वां त्रैवार्षिक भारत – 1 XIXवां राष्ट्रमंडल खेल कार्यक्रम और बुनियादी सुविधाएं, सार्क देशों की प्रदर्शनी – 1 सूची पत्र – 1 'कृदा' पर पुस्तक – 1 रबीन्द्र नाथ टैगोर की 150वीं जयंती के कार्यक्रम – 1 टैगोर की कृतियों की प्रदर्शनी – 1 टैगोर के निबंधों का प्रकाशन –1	चल प्रदर्शनी– 2, संग्रहित प्रदर्शनी – 2, शिविर और कार्यशाला – 5, रेजीडेंसी में कलाकार–4, राष्ट्रीय कला सप्ताह – 1, वीडियो कला सप्ताह – 1, व्याख्यान, सेमिनार, फिल्म शो,वृत्तचित्र, अन्य कला – 32, रामकुमार रिकार्ड प्रबंधन पर सेमिनार, कुमारस्वामी स्मारक व्याख्यान –1, एलकेए दीर्घा में प्रदर्शनी–102 कला संगठनों को अनुदान–6, **पुस्तकालय** पुस्तक खरीद–88,नई पत्रिकाएं–10 **अभिलेखागार** सीडी/डीवीडी की खरीद–22,कलाकृत्तियों का संरक्षण जीर्णोद्धार –430 **19वें राष्ट्रमंडल खेल कार्यक्रम** प्रदर्शनी – 3 **रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती–कार्यक्रम** सेमिनार रबीन्द्र प्रणेती –1			उत्सव–1, राष्ट्रीय कला कानक्लेव–1, चल प्रदर्शनी–5, सेमिनार–2 ऑक्टेव–1, पूर्वोत्तर कला उत्सव–1, पूर्वोत्तर कला शिविर –4, क्षेत्रीय कला मेला–1, क्षेत्रीय शिविर–1, रबीन्द्र भवन बाहरी क्षेत्र का जीर्णोद्धार; कार्य चल रहा है और 2–3 महीनों मे पूरा होगा।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रदर्शनी, लोक जनजातीय और पारंपरिक कला का सर्वेक्षण, संरक्षण और जीर्णोद्धार, पूर्वोत्तर के अलावा कला उत्सव, XIX राष्ट्रमंडल खेल, कार्यक्रम और बुनियादी सुविधाएं, रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती कार्यक्रम, अध्येतावृत्ति और शिक्षावृत्ति, प्रकाशन और प्रलेखन, क्षेत्रीय केंद्र, पूर्वोत्तर कार्यक्रम, कोलकाता, गढ़ी में नए क्षेत्रीय केंद्रों की					छात्रवृत्तियां–40 पुस्तक प्रकाशन –7 पुनर्निमार्ण – 5 क्षेत्रीय कार्यक्रम – 34 व्याख्यान/फिल्मशो–25			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	स्थापना।								
5.	**साहित्य अकादेमी**	24 भारतीय भाषाओं में प्रकाशन तथा संवर्धन कार्य शुरू करना।	**6.30**	**10.50**	सामान्यतया, प्रशासनिक तथा स्थापना व्ययों के लिए योजनोतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**6.28**	**13.87**	
(i)	पुस्तकालयों तथा सूचना सेवाओं का उन्नयन।	पाठकों/प्रबुद्ध व्यक्तियों को पुस्तकों की समग्र श्रृंखला प्रदान करना और एक ही स्थान पर भारत में लेखकों तथा साहित्यिक कार्यकलापों के बारे में मूल सूचना को अद्यतन करना, दृश्यों की आधुनिक अभिलेखागार यूनिट के साथ साहित्य के क्षेत्र में प्रख्यात लेखकों तथा विद्वानों पर वृत्तचित्र/टेलीफिल्म बनाना।			विदेशी प्रकाशन सहित 24 भारतीय भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रहेगी। विभिन्न भाषा अनुभागों के संबंध में गंथ सूची डाटा का रेट्रोकन्वर्सन का प्रस्ताव है। अकादमी की अंग्रेजी वेब साइट का उन्नयन और हिंदी वेबसाईट का शुभारंभ किया जाएगा।आधुनिक उपस्करों को खरीदकर अभिलेखागारीय इकाइ का विकास जारी रहेगा। लेखकों पर दस वृत्तचित्र बनाया जाएगा। विभिन्न* आडियो टेपों के सूचीपत्रण का प्रारंभिक कार्य।	विदेशी प्रकाशनों सहित 24 भाषाओं में पुस्तकों की खरीद जारी रही। विभिन्न बिबिलियोग्राफिक डाटा का रेट्रो–कन्वर्जन उनकी प्राथमिकता के अनुरूप शुरू किया गया। अधिक से अधिक सूचीपत्र तैयार करने के प्रयास किए जा रहे है। पहले से तैयार सूचीपत्रों को अकादमी की हिंदी और अंग्रेजी वेबसाइट में डाला जा रहा है और डिजिटीकरण किया जाएगा। 10 वृत्तचित्र पहले ही शुरू किए गए है।			कार्यक्रम/सेमिनार प्रक्रियाधीन है। 10 वृत्तचित्र तैयार किए जाएंगे। भारतीय लेखकों के 'कौन क्या है' के संशोधित कार्य पहले ही शुरू किया गया है।
(ii)	प्रकाशन स्कीम	इस स्कीम का उद्देश्य अकादेमी के बुनियादी कार्य भारतीय साहित्य का प्रसार करना और बहुभाषी समाज को अन्य भाषा से			अकादमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भाषाओं में लगभग 300 पुस्तकों का प्रकाशन का प्रस्ताव है। द्विमासिक पत्रिका 'समकालीन भारतीय साहित्य'	अकादेमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित की गईं, 'समकालीन भारतीय साहित्य' (हिन्दी) तथा 'भारतीय साहित्य' (अंग्रेजी)			*शेष भाषाओं में प्रविष्टिया इस वित्तीय वर्ष के अंत

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भारतीय साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों को उनकी भाषाओं में उपलब्ध कराना, साहित्य का इतिहास, भारतीय लेखकों पर विनिबंधों, महत्वपूर्ण भारतीय तथा विदेशी क्लासिक ग्रंथों का अनुवाद, काव्य, लघु कथाओं, एकांकी नाटकों, साहित्यिक निबंधों आदि का संग्रह करना है।			(हिन्दी) तथा 'भारतीय साहित्य' (अंग्रेजी) तथा छमाही पत्रिका 'संस्कृत प्रतिभा' (संस्कृत) का प्रकाशन जारी रखना है। भारतीय साहित्य के विश्वकोश के संशोधित संशकरण का प्रकाशन, भारतीय साहित्य के राष्ट्रीय ग्रंथसूची की नई श्रृंखला–1954–2000 का प्रकाशन पूरा करना है। प्रकाशन स्कीम के अंतर्गत अन्य कार्यक्रम जारी रहेंगे। के छह खंडों के संशोधित संस्करणों का प्रकाशन 10 भाषा साहित्य में भारतीय साहित्य के इतिहासों के अद्यतन रूप, भारतीय साहित्य की वार्षिकी और समकालीन भारतीय साहित्य का प्रकाशन	तथा छमाही पत्रिका 'संस्कृत प्रतिभा' (संस्कृत) का प्रकाशन जारी रहा है। भारतीय साहित्य के इन्साक्लोपेडिया के संस्करणों से संशोधन का कार्य और भारतीय साहित्य के राष्ट्रीय बिबलियोग्राफी की नई श्रृंखला 1954–2000 जारी रही और पहला दो खंड शीघ्र प्रकाशित होने की आशा है।			तक पूरी होने की आशा है। मुद्रण कार्य 4 चरणों में शुरू किए जाने का प्रस्ताव है। वास्तविक पुस्तक विक्रय के आधार लेखकों को रायल्टी दी जाती है।
(iii)	साहित्यिक समारोह तथा कार्यक्रम	महान लेखकों की जयंतियाँ मनाना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, लेखक शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ आदि आयोजित करना, लेखक भेंट, व्यक्ति,			अकादेमी पिछले वर्ष की भाँति विभिनन क्षेत्रों में साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करेगी। कार्यक्रमों में शामिल होगा : लेखक कार्यशालाएं, शताब्दी आयोजन, परिगोष्ठी, स्मारक भेंट, सेमिनार आदि। अकादेमी	अकादमी ने साहित्यिक फोरम, अस्मिता, काव्य संध्या, महत्वपूर्ण लेखकों का शताब्दी समारोह आयोजित किया। क्षेत्रीय, राष्ट्रीय ओर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों का आयोजन, राष्ट्रीय और			अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ अकादमी का पूर्ण कंप्यूटीकरण, विशेषतः

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रशासनिक कार्यों का आधुनिकीकरण और सुधार	पुस्तकें आदि के आयोजन द्वारा लेखकों को उनकी आवधिक भेंट के लिए मंच प्रदान करना।			पूरे देश में उपर्युकम श्रेणियों में 400 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी।	अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेखक शिविर और कार्यशालाएं आयोजित की गई।* बैठकें, व्यक्ति और पुस्तकें, कथा संधि, कवि संधि, आविष्कार, लेखक से भेंट, लो माय विंडो, अस्मिता, मुलाकात, संवाद, पुस्तक विमोचन समारोह और सुर साहित्य आदि, जो छोटे शहरों सहित पूरे देश में होगा। अकादमी में कम्प्यूटरीकरण को उन्ननत किया गया है, प्रशिक्षण कार्यक्रमें, बार्यशालाएं आदि अकादेमी के अधिकारियों के ज्ञान के लिए समय वूची के अनुसार आयोजित की गईं।			पुस्तकालय सेवाएं, डाटाबेस ग्रंथसूची, सूचीपत्रण अनुक्रमणिका और सुगम्यता।
(iv)	लेखकों को पुरस्कार, रबींद्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती	भारतीय भाषा के युवा और उम्रदराज लेखकों को अपने क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की यात्रा करने के लिए सहायता देना, सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत भारतीय			अपने क्षेत्र के अलावा देश के अन्य भागों की यात्रा के लिए अकादेमी स्कीम के अंतर्गत युवा लेखकों को यात्रा अनुदान दिया जाएगा। अकादमी भारत सरकार के निर्णय के अनुसार और पारस्परिक आधार पर	इस स्कीम के अंतर्गत 100 युवा लेखकों को देश के विभिन्न भागों में अपने समकक्षों के पास जाने के लिए अनुदान प्रदान किया जाता है। विदेशी लेखकों/ शिष्टमंडलों का सांस्कृतिक			* 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक साहित्यिक अकादमी पुरस्कार

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लेखकों को भेजना और विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल की मेजबानी करना, अकादेमी द्वारा मान्यता प्राप्त सभी 24 भारतीय भाषाओं में उन साहित्यिक कार्यों को पुरस्कार देना जिनकी सराहना किए जाने तथा प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता है। प्रख्यात लेखकों को भारतीय साहित्य में उनके अवदान के लिए मानद फेलोशिप प्रदान करना।			विभिन्न सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेगी। अकादमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भारतीय भाषाओं में वार्षिक साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया जाएगा। लेखकों/कॉपीराईट धारकों को रॉयल्टी और पारिश्रमिक का भुगतान किया जाएगा। आवासी लेखकों के लिए स्कीम के अंतर्गत अनुदान जारी रहेगा। इस स्कीम के अंतर्गत जीवित अध्येताओं, प्रख्यात लेखकों आदि को वित्तीय सहायता दी जाएगी।	आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत स्वागत किया जाएगा जिनके साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध हैं। भारतीय लेखक/शिष्टमंडल भी पारस्परिक आधार पर विदेशों के दौरे करेंगे। लगभग 4 विदेशी लेखकों के शिष्टमंडल के आने तथा 4 भारतीय लेखकों के शिष्टमंडल के विदेश दौरे की आशा है। अकादमी विभिन्न देशों में अनेक भारतीय उत्सवों, सहयोग एवं पुस्तक मेलों में सक्रिय रूप से भी भाग लेगी।*			जारी रहेगा। अकादमी का अन्य साहित्यिक संस्थानों एवं राज्य अकादमियों को सहायता देना। अकादमी के कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों के आधार पर जारी रहेगा। इसने गुरू रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150 जयंती के भाग के रूप में सेमिनार, प्रदर्शनी आदि सहित विभिन्न

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया।
(v)	अकादेमी के प्रकाशनों का संवर्धन/ पुस्तक प्रदर्शनियाँ।	साहित्यिक जर्नलों के माध्यम से अकादेमी के प्रकाशनों का विज्ञापन करना, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना और उनमें भाग लेना।			3.00 करोड़ रू. के विक्रय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अकादमी, राष्ट्रीय/ क्षेत्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लेगी। पुस्तक प्रदर्शनी के दौरान अकादेमी के विभिन्न प्रकाशनों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा, यह प्राविधिक शहर/कस्बा पुस्तक प्रदर्शनियों में भी भाग लेगी। साहित्यिक समारोहों के दौरान पुस्तक प्रदर्शनी आयोजित करना।	अकादमी ने जिला/शहर/कस्बा स्तर पर पुस्तक प्रदर्शनियों, पुस्तक मेले में भाग लिया। पुस्तक प्रदर्शनियां अकादमी द्वारा आयोजित शताब्दी समारोहों/सेमिनारों/साहित्यिक समारोहों के भाग हैं। अकादमी ने विभिन्न स्तरों पर लगभग 90 पुस्तक प्रदर्शनियों में भाग लिया। *			*अकादमी अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले में भी भाग लेने वाली है, भारत एक मानद अतिथि देश है।
(vi)	अनुवाद स्कीमें, क्षेत्रीय साहित्य, अध्ययप परियोजनाएं	अकादेमी की मुख्य गतिविधि है। अनुवाद केंद्र 'शब्दना' को अनुवादकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था करके तथा कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा कार्यरत अनुवादकों को प्रशिक्षित करके सुदृढ़ बनाना।			अकादेमी द्वारा मान्यताप्राप्त 24 भाषाओं में अनुवाद पुरस्कार जारी रहेगा। केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा शुरू की गई ''कथा भारती'' स्कीम संबंधी कार्य जारी रहेगा। सीआईआईएल, हैदराबाद को	अकादमी द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं में 24 अनुवाद पुरस्कार दिए गए। बंगलौर तथा कोलकाता स्थित अनुवाद केंद्रों ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में महत्वपूर्ण पुस्तकों का एक से दूसरी एक भारतीय भाषा में अनुवाद			*लगभग 30 पुस्तकों का अनुवाद और प्रकाशन किए जाने का अनुमान है। एक

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अंतरभाषिक अनुसंधान तथा अनुवाद करना, अनुवादकों का रजिस्टर तैयार करना, अनुवाद के लिए शीर्षक अभिनिर्धारित करना तथा उनका अन्य भारतीय भाषाओं व विदेशी भाषाओं में प्रकाशन करना।			उनकी वेबसाइट पर डालने के लिए और अधिक डाटा प्रदान किए जाएंगे। केंद्र मान्यताप्राप्त भाषाओं और गैर–मान्यताप्राप्त भाषाओं में, अनुवाद कार्यशालाओं को आयोजन करेगा। पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों में नए अनुवाद केंद्र शुरु किए जाएंगे	कार्य करना जारी रखा। अकादेमी की पुरस्कार प्राप्त पुस्तकों का एक भारतीय भाषा से दूसरी में अनुवाद का काय्र चरणबद्ध रूप से जारी रहा। बच्चों के साहित्य का दूसरी भाषाओं में अनुवाद जारी रहा।			भाषा को दूसरी भाषा के पाठकों को उपलब्ध कराने के लिए बाल साहित्य को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद कराना जारी रहेगा।
6.	**भारत महोत्सव**	बेहतर समझदारी और सहयोग प्राप्त करने के लिए चुनिंदा बाहरी देशों में प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करना।	**4.10**	––	कला/संग्रहालय प्रदर्शनियों, साहित्यिक सेमिनारों, रंगमंच/प्रदर्शन/सेमिनार/ कार्यशालाओं के आयोजन द्वारा।	सीईपी के तहत विदेशों में अच्छी संख्या में समारोहों/ 'भारतीय दिवस' आयोजित किए जाने और अपने देश में दूसरे देशों के उत्सव/दिन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है : i) कजाकिस्तान में भारत महोत्सव ii) भागीदार इतिहास उत्सव के संबंध में एसएनए को भुगतान।	**1.32**	**0.00**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
7.	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र(आई जी एन सी ए)**	आईजीएनसीए की स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में की गई थी। इसकी परिकल्पना कला के क्षेत्र में अनुसंधान, अकादेमिक अध्ययन तथा प्रसार के लिए की गई थी।	--	**25.00**			**0.00**	**24.55**	
(i)	विभिन्न कलाओं के मध्य बहुविषयक अनुसंधान तथा आलोचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना	आधारभूत पाठ्यों के अनुसंधान और प्रकाशन के अपने कार्यक्रमों को बढ़ाना, संदर्भ कार्यों, शब्दानुक्रमणियों, शब्दकोशों, विश्वकोशों आधारभूत शब्दावली का समानांतर कोश आंतर भाषा व अंतर्विषयी शब्दानुक्रमणियाँ व शब्दकोशों के कार्यक्रम को वृहत किया जाना, कला व विज्ञान के संबंध व उसके आयामों की छानबीन, भारत और विश्व की कलाओं के बीच संबंध की छानबीन, पूर्वोत्तर और इसके सांस्कृतिक आयामों			निम्नलिखित आयामों पर अध्ययन :– (क) अस्मिता के बहुस्तर तथा कलाओं में उसकी अभिव्यंजना (ख) भाषा तथा सांस्कृतिक विविधता (ग) विवेक परंपरा, इकोलॉजी, संसाधन प्रबंधन तथा सतत विकास (घ) धार्मिक पहचान, पारम्परिक एवं सामासिक संस्कृतियों का संगम (ड़) अंतर–सांस्कृतिक वार्ता (च) भारतीय कला तथा संस्कृति में महिलाओं का योगदान	(क) जनजातीय व लोक संस्कृति पर आधारभूत पाठ्यों, मोनोग्राफों के आलोचनात्मक संस्करणों का प्रकाशन, प्रख्यात विद्वानों के पाठ्यों का पुनः प्रकाशन (ख) अनुसंधान व क्षेत्र अध्ययन (ग) ऑडियो–वीडियो प्रलेखन (घ) सम्मेलन, सेमिनार तथा कार्यशालाएं (ड़) प्रदर्शनी तथा मल्टी–मीडिया इवेन्ट्स (च) फिल्मों, सीडी का निर्माण श्रव्य–दृश्य रिकार्डिंग			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पर विशेष फोकस।							
(ii)	संसाधन वृद्धि और आधुनिकीकरण	कला और संस्कृति के लिए राष्ट्रीय केंद्र के रूप में सेवा करने और अपने अन्य आंतरिक प्रभागों के अनुसंधान और प्रकाशन कार्यकलापों के समर्थन के लिए आईजीएनसीए के प्राथमिक स्रोत सामग्री – लिखित, मौखिक, श्रव्य, श्रवय–दृश्य और चित्रात्मक के रिपोजिटरी की वृद्धि, आधुनिक प्रबंधन और प्रौद्योगीकिया उपस्करों और प्रणालियों का उन्नयन और संस्थापन, विभिन्न भागों में स्रोत सामग्रियों के पुनःउत्वादन में वुद्धि, प्रौद्योगिी उन्नयन और प्रदर्शनी और प्रस्तुति के लिए स्थायी विधियों की स्थापना।			(क) निम्नलिखित की खरीद – (i) पुस्तकें (ii) जरनलें (iii) दुर्लभ पुस्तकें (iv) निजी संकलन (ख) आंतरिक डिजीटल फोटोग्रुाी के जरिए स्लाईडों का संकलन और स्लाईडों की खरीद (ग) पांडुलिपियों की माइक्रोफिल्मिंग (घ) सांस्कृतिक अभिलेखीय सामग्री का प्रापण (ड.) इनका आधुनिकीकरण (i) डिजीटल पुस्तकालय सूचना प्रणाली (ii) एन्नौनेटेड ग्रंथसूची इंडेक्स (iii) रिपोग्राफिक इकाई (iv) श्रव्य–दृश्य उपस्करें (च) सांस्कृतिक सूचनांकिकी (छ) वीथियों का सृजन	(i) पुस्तकालय में पुस्तकों, पत्रिकाओं और जरनलों की वृद्धि करना । (ii) पुस्तकालय सेवाओं का आधुनिकीकरण, रिप्रोग्राफी, कम्प्यूटर केंद्र और मीडिया निर्माण में अधुनातन उपकरण (iii) कला और शिल्पों के प्रदर्शन के लिए तीन वीथियों की स्थापना (iv) पांडुलिपि, आंतरिक रिपोजिटरी आदि का डिजिटीकरण (v) सांस्कृतिक क्षेत्रों में ई–अभिशासन का प्रचालन (vi) उत्तर–पूर्व से अभिलेखीय सामग्रियों का संकलन			
(iii)	आईजीएनसीए में सांस्कृतिक मानचित्रकारी	भारत के विभिन्न समुदायों के बीच मौजूद कला तथा हस्तकला परंपराओं के			(i)एक प्रकोष्ठ की स्थापना (ii)अनुसंधान तथा क्षेत्र अध्ययन	आधुनिक उपकरणों का संस्थापन, कार्य निपटान में वृद्धि और बेहतर कार्यकरण।			कार्यक्रम जारी है तथा 31 मार्च,

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	एवं उपकरणों का आधुनिकीकरण	विशिष्ट पहलुओं के साथ उनके पर्यावरणीय तथा सांस्कृतिक प्रोफायल का मानचित्रण।			(iii) एटलस का निर्माण फोटोकापियर्स, फैक्स मशीन, मेज, अलमारी, स्थापित कार्यस्थल का प्रापण और सूचना प्रौद्योगिकी तंत्र और उपकरण प्रदान करना।	i) प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण ii) प्रकाशन iii) सेमिनार, सम्मेलन तथा कार्यशालाएं			2011 से पहले पूरा कर लिया जाएगा।
8.	**राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली**	रंगमंच का संवर्धन और रंगमंच प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।	**6.80**	**13.00**	सामान्यतया, प्रशासनिक तथा संस्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का उपयोग किया जाता है।		**7.30**	**28.65**	
(i)	क्षेत्रों तथा स्थानीय स्तर पर रंगमंच कार्यशाला तथा अंशकालिक पाठ्यक्रम चलाना तथा संकाय तथा कर्मचारियों के लिए अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	विविध भाषाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में रंगमंच के उत्साही कलाकारों को लाभ देना तथा उनमें रंगमंच की जागरूकता पैदा करना।			सघन रंगमंच कार्यशालाएं– 2 सहयोगात्मक कार्यशालाएं – 40 रंगमंच कार्यशाला को सहायता – 10 अंशकालिक पाठ्यक्रम – 2 रिफ्रेशर पाठ्यक्रम – 2 अल्पकालिक कार्यशाला – 08 सघन रंगमंच कार्यशाला– 12*	84 रंगमंच कर्यशालाएं आयोजित की गई तथा दिल्ली और इससे बाहर बच्चों के लिए 10 कार्यशालाएं/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए।			अभिनय रंगमंच कार्यशाला – 2 तकनीकी रंगमंच – 2 रंगमंच संगीत कार्यशाला – 2 रंगमंच डिजाइन कार्यशाला – 2
(ii)	दिल्ली और दिल्ली से	बच्चों का व्यक्तित्व विकास करना तथा उनकी			दिल्ली/दिल्ली से बाहर बाल रंगमंच कार्यशालाएं – 42	दिल्ली तथा दिल्ली से बाहर 10 बाल रंगमंच कार्यशालाएं			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	बाहर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम/बाल रंगमंच का आयोजन करना।	अभिव्यक्तियों और विश्वास को उद्घाटित करना।			निर्माणोन्मुख बाल रंगमंच कार्यशाला – 36 अ. जा./अ. ज. जा. के बच्चों के साथ रंगमंच कार्यशाला – 2 अल्पावधि रंगमंच कार्यशाला – 4	आयोजित की गई।			
(iii)	गांवों में पारंपरिक समूह का सहयोगात्मक कार्यक्रम तथा रंगमंच उत्सव/प्रदर्शनी का आयोजन	3 वर्षीय उच्च नाट्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाना तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यमान रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना।			दूसरे वर्ष के छात्रों की प्रस्तुति – 4, तीसरे वर्ष के छात्रों की प्रस्तुति – 4, अंतिम वर्ष की प्रस्तुति – 5 पहले और दूसरे वर्ष के छात्रों का दृश्य कार्य ग्रीष्मकालीन सघन कार्यशाला – 1, शीतकालीन कार्यशाला – 1, प्रदर्श प्रदर्शनी कार्यशाला – 8, और रंगमंच प्रदर्शन – 64	दूसरे वर्ष के छात्रों की प्रस्तुति – 4, तीसरे वर्ष के छात्रों की प्रस्तुति – 4, अंतिम वर्ष डिप्लोमा प्रस्तुति – 6, पहले और दूसरे वर्ष के छात्रों का दृश्य काय – 5, ग्रीष्मकालीन सघन कार्यशाला, शीतकालीन सघन कार्यशाला, प्रदर्श प्रदर्शनी, विदेशी निर्माण।			
(iv)	लोक, जनजातीय कलाओं और शैक्षिक यात्राओं का संवर्धन	रंगमंचीय और संगीत रूपों से संबंधित विद्यमान लोक और जनजातीय कला से छात्रों को अवगत कराना,			परंपरागत समूह के साथ कार्यशाला – 01 और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों के साथ शैक्षिक यात्रा – 5	विद्यालय के विद्यार्थियों के लाभ के लिए आगरा, फतेहपुर सीकरी और औरंगाबाद के शैक्षिक दौरे का आयोजन किया गया। परंपरागत कलाकारों के साथ मथुरा में कार्यशाला का			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजन किया गया।			
(v)	बच्चों के लिए वयस्क प्रदर्शन के रिपर्टरी कंपनी का निर्माण	इसका लक्ष्य बच्चों के लिए रंगमंचीय निष्पादनों को बढ़ावा देना है।			बच्चों के लिए नए/पुराने नाटकों की प्रस्तुति – 2 ग्रीष्म थियेटर – 2 बाल कार्यशाला – 2 रविवार क्लब कार्यशाला निष्पादन – 2 स्कूलों में कार्यशाला और नाटक – 40 शिक्षक कार्यशाला – 2 अन्य उत्सव प्रदर्शनी –1	दिल्ली/एनसीआर में स्कूल शो–38; ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशाला–7; असम के 4 जिले और मेघालय के (1 जिला) में ग्रीष्मकालीन कार्यशाला ; बाल संडे क्लब (550) बच्चों ने भाग लिया ; नया निर्माण (अदल–बदल)–13 शो ; संडे क्लब उत्सव–12 शो।			
(vi)	रिपर्टरी कंपनी का विस्तार राष्ट्रीय थियेटर उत्सव और समानांतर थियेटर उत्सव	भारत में तथा देश के बाहर भारतीय नाटकों का प्रसार			दिल्ली में नाटकों का प्रदर्शन – 100 दिल्ली से बाहर – 50 नए निर्माण के शो – 24 ग्रीष्मकालीन उतसव में शो – 1 शीतकालीन उतसव में शो – 1, समूहों के साथ बीआरएम सहयोगात्मक प्रदर्शन में भागीदारी – 25	1. ग्रीष्मकालीन थिएटर उत्सव, 2010–8 नाटकों के शो–33 2. प्रायोजित कार्यक्रम (नाटक) के अंतर्गत दिल्ली में मंचित प्रदर्शन – 8 3. वीकेंड थिएटर कार्यक्रम –3 4. बीआरएम –2011 में भागीदारी–नाटक शो –3 5. नंदीकर थिएटर उत्सव, कोलकाता में भागीदारी (नाटक शो)–2 6. नए निर्मित नाटक–4			*इनमें से 23 मदें विदेशों से थी। इसके साथ एपीबी नाट्य विद्यालय उत्सव आयोजि किया गया। अभिव्यक्ति शीर्षक पर प्रदर्शनी और 'फूटबार्न

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						7. पुराने नाट्कों के शो–80 भारतीय और विदेशी रंगमंच समूहों के साथ राष्ट्रीय रंगमंच उत्सव बीआरएम–2010, जनवरी, 2011 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। 81 नाटकों का मंचन किया गया जिसमें से*			कंपनी' पर प्रदर्शनी आयोजित की गई।
9.	**राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एन जी एम ए)***	भारतीय लोगों में दृश्य और प्लास्टिक कलाओं के प्रति समझ और संवेदनशीलता पैदा करना तथा विशेष रूप से समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।	**3.85**	**7.00**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**3.50**	**11.52**	
(i)	संग्रहालय का उन्नयन, आधुनिकीकरण और अनुरक्षण	अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप समकालीन कला के विकास का संवर्धन करना।			नई दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप कलावस्तुओं की उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ आधुनिक कला के सुव्यवस्थित संग्रहालयों का अनुरक्षण।	नई दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में सुप्रदर्शित दीर्घा के अलावा, सांस्कृतिक आदान–प्रदान के अंतर्गत भारतीय समकालीन कलाकार तथा विदेशी कलाकारों द्वारा दिल्ली, मुबंई और बेंगलुरु में 16 विशेष प्रदर्शनियां			*नई दिल्ली में माह मई–जून, 2009 के दौरान आयोजित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजित की गई। बर्लिन न्यूयार्क, कोरिया और लंदन में 150वीं जयंती समारोह के संबंध में प्रदर्शनियां आयोजित की गई। लंदन के साप्ताहित समाचार, स्वतंत्र–दिसंबर, 2011 के प्रेस समाचार के अनुसार, प्रदर्शनी के 5* में से 4* दिए गए, जो दर्शाता है कि लंदन में टैगोर प्रदर्शनी को महत्व दिया गया। एनजीएनएमए में आम दर्शकों एवं छात्र समूहों के लिए कला पर 650 से अधिक फिल्म शो आयोजित किए गए। स्कूली बच्चों के लाभार्थ दिल्ली और इसके आसपास के 80 स्कूलों के लिए दौरे आयोजित किए गए। संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार को 150 बच्चों ने आर्ट स्कैच क्लब में भाग लिया।			283 बच्चों ने भाग लिया और उन्हें प्रमाण–पत्र दिया गया। विभिन्न प्रायोजित भारतीय एवं विदेशी शिष्टमंडल समूहों के लिए दौरे आयोजित किए गए। प्रेस सम्मेलन, प्रेस समीक्षा आयोजित की गई। चित्रकला, मूर्तिकला, रेखाचित्र आदि पर 23 हजार पुस्तकें

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									संग्रहित की गई। भारतीय एवं विदेशी भाषाओं की 32 महत्वपूर्ण पत्रिकाएं एवं जर्नलों का अंशदान किया गया।
10.	**एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता***	इसे राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। भाषा, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक–आर्थिक पहलुओं पर अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करना।	**7.70**	**8.00**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**9.22**	**5.13**	
(i)	पुस्तकालय प्रणाली का विकास	मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान के संवर्धन के लिए संस्थान को स्थापित करना, तैयार करना और उसका रख–रखाव करना।			पाठकों की पुस्तकों और संदर्भों को पूरा करने के लिए पुस्तकों, जरनलों आदि का प्रापण, इसका परिरक्षण और रख–रखाव। पुस्तक अर्जन – 2500 खंड सीरियलों को अंशदान – 300 शीर्षक	विभिन्न कार्यकलापों के लिए निर्धारित लक्ष्य जारी है। वर्ष के दौरान बड़ी संख्या पुस्तकें, जरनलें आदि का प्रापण किया गया तथा पाठकों की पुस्तकों और संदर्भों को पूरा करने के लिए पुस्तकों, जरनलों आदि का परिरक्षण और अनुरक्षण किया गया।			4000 पुस्तकों का एव 6000 जर्नलों का सूचीपत्रण एवं प्रलेखन, 2600 पुस्तकों एवं जर्नलों की

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						165 विदेशी पाठकों सहित 9955 पुरूषों एवं महिलाओं को पुस्तकालय सेवाएं प्रदान की गई।			जिल्दसाजी/ मरम्मत शुरू किया जाना है।
(ii)	संग्रहालय एवं प्रयोक्ता सुविधाओं का विकास	उन पाण्डुलिपियों को संरक्षित रखना जिनमें पुराने अभिलेख, सिक्का अभिलेख तथा अत्यन्त बहुमूल्य अश्मलेखों का समृद्ध संग्रह है।			एमएसएस की सूचीपत्रण – 4000 पुस्तकें एवं जर्नल, एमएसएस का अभिलेखीय सामग्री आदि का प्रलेखन – 6000 पुस्तकें और जर्नल।	544 भारतीय तथा 194 विदेशी आगंतुक/अनुसंधान अध्येता संग्रहालय आए।			पूर्वोत्तर के विकास के गहन अध्ययन के लिए सांस्कृतिक कार्यकलाप शुरू किए गए। पुस्तकों/एमएसएस कलावस्तुओं का सुदृढ़ीकरण और परिरक्षण किया गया।
(iii)	दुर्लभ पुस्तकों, एमएसएस एवं अन्य दस्तावेजों का संरक्षण एवं परिरक्षण	सोसाइटी संग्राहलय एंव पुस्तकालय में रखे भंगुर एवं जीर्ण पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों व अन्य प्राचीन वस्तुओं के परिरक्षण के लिए प्रभावी उपाय करना।			3,0000 शीटों का फिल्म, प्लेट आदि के रूप में जीर्णोद्धार तथा 2500 भाषाई प्रिंटों/शीटों का जीर्णोद्धार किया जाना है।	दुर्लभ पुस्तकों एमएसएस तथा चित्रों इत्यादि का परिरक्षण किया गया और दुर्लभ पुस्तकों/एमएसएस का प्रलेखन किया गया।			
(iv)	प्रकाशन कार्यक्रम	उच्च अकादमिक स्तर के प्रकाशन लाना जिसके लिए सोसाइटी अध्येताओं की दुनियाँ में जाना जाता है। बिबिलियोतेका इंडिका श्रृंखला के तहत पुस्तकों			वर्ष के दौरान 15 पुस्तकों, 10 जर्नलों, 10 एम. बुलेटिनें और 4 पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया जाना है।	वर्ष के दौरान 17 पुस्तकों, 7 पुस्तकों का पुनर्मुद्रण, 4 जर्नलों, 8 पुस्तिकाओं, 10 एम. बुलेटिनों का प्रकाशन किया गया।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के प्रकाशन पर विशेष बल।							
(v)	अनुसंधान में वृद्धि	विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनारों, लेक्चरों, कार्यशालाओं का आयोजन			विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य, प्रशिक्षण प्रदान करना, सेमिनारों, लेक्चरों, कार्यशालाओं का आयोजन परियोजनाएं – 50 सेमिनारें – 35 व्याख्यान – 5 प्रदर्शनी/कार्यशालाएं – 5	36 परियोजनाएं, विभिन्न विषयों पर बाह्य परियोजनाएं, 5 सेमिनार, 32 व्याख्यान और 3 प्रदर्शनी/कार्यशाला का आयोजन किया गया/शुरू किया गया।			पूर्वोत्तर पर 2 कार्यशालाएं आयोजित की गई।
11.	**सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली**	संस्कृति के साथ शिक्षा को जोड़ने के क्षेत्र में कार्यरत अकादमियों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य है।	**3.13**	**10.00**	सामान्यता, प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**3.42**	**15.99**	
(i)	स्कूली छात्रों में संस्कृति का प्रचार	स्कूली शिक्षकों, शिक्षक प्रशिक्षकों आदि के लिए देश के विभिन्न भागों में विभिन्न सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे–ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार, पुनश्चर्या			विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 4000 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना है। 4000 शिक्षकों को प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रशिक्षित किया है।	विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 3747 शिक्षकों/शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा 4160 शिक्षक प्रशिक्षित किए गये। 49603 विद्यार्थी प्रशिक्षित किए गए।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		पाठ्यक्रम आदि आयोजित करना। स्कूली छात्रों और सरकारी तथा गैर–सरकारी संगठनों से संबंधित छात्रों के लिए शैक्षणिक कार्यकलापों का आयोजन। पुर्नवास और बस्ती कालोनियों के बच्चों तथा शारीरिक विकलांग छात्रों के लिए कार्यशालाएं।			सामुदायिक विस्तार कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किए जाने वाले छात्र – 30000 देश के विभिन्न राज्यों में 200 सांस्कृतिक क्लबों की स्थापना की जानी है।*	देश के विभिन्न राज्यों में 40 सांस्कृतिक क्लब स्थापित किए गए। पुनः मुद्रण सहित 32 प्रकाशन प्रकाशित किए गए। 954 शैक्षिक किट तैयार किए गए।			
(ii)	सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम (सी टी एस एस)	10–14 वर्ष आयु वर्ग में उत्कृष्ट युवा बच्चों को निष्पादन और अन्य कलाओं के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करके उनको सुविधाएं प्रदान करने का लक्ष्य है।			सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान करना – 500 छात्रवृत्ति धारकों के लिए 4 सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किए जाने हैं।	पूर्वोत्तर सहित देश के सभी भागों से 500 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई हैं। छात्रवृत्ति धारकों के लिए 4 सांस्कृतिक समारोह आयोजित किए गए।			पुरस्कार विजेताओं का चयन, केंद्रीय चयन समिति और क्षेत्रीय चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।
12.	**विशिष्ट मंच कला परियोजनाओं (नृत्य, नाटक**	गुरू–शिष्य परंपरा का संवर्धन तथा मंच कलाओं के क्षेत्र में कार्यरत संगठनों/व्यक्तियों को	**1.55**	**25.00**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों की निर्धारित लक्ष्य नहीं है और उन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति और	करीब 775 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई। निर्माण अनुदान की अधिकतम सीमा 1 लाख रू. से बढ़ाकर 5	**0.73**	**30.16**	इसमें महिलाओं के लिए 30% प्रावधान

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	और रंगमंच मंडलियाँ) के लिए व्यावसायिक समूहों और व्यक्तियों को वित्तीय सहायता।	सहायता प्रदान करना।			विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	लाख रू. की गई।			किया गया है तथा 20% अनुसूचित जनजाति जनसंख्या को शामिल किया गया है।
13.	**गांधी शांति पुरस्कार**	भारत सरकार ने महात्मा गांधी की 125वीं जयंती के एक भाग के रूप में अहिंसा और अन्य गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय गांधी शांति पुरस्कार स्थापित किए जाने की घोषणा की।	**1.55**	**––**	इस पुरस्कार प्राप्तकर्त्ता का चयन निर्धारित प्रक्रिया कोड के अनुसार माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक जूरी द्वारा किया जाता है।	वर्ष के दौरान घोषणा के लिए नामांकन किया गया, लेकिन आखिरी चरण में किसी अभ्यर्थी का आवेदन नहीं किया जा सका। प्रत्येक नामिती की रूप रेखा तैयार की गई और पुस्तिका में संचयित की गई थी, जिसे बाद में पुरस्कार विजेता के चयन के लिए जरी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।	**0.01**	**0.00**	
14.	**राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एन सी एफ)**	एनसीएफ का उद्देश्य विरासत की सुरक्षा, संरक्षण और विकास के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी का विकास करना है।	––	**0.01**	मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत विभिन्न उत्सव समारोह, फिल्म निर्माण एवं अन्य श्रेणी समारोह के लिए विभिन्न संगठनों/व्यक्तियों के साथ भारत बाल प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, ओसीएन आर्ट	1. राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर रथ के चारों और प्लास्टिक केस को ओएनजीसी, एनएससी और राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा प्रायोजित मजबूत ग्लास प्रोजक्ट से बदलना।	0.00	**0.01**	*प्रतिष्ठान (कार्य चल रहा है) 8. ओएनजीसी एवं रीच फाउंडेशन

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					सोसायटी, मैसर्स दर्पण, प्रसिद्ध फाउंडेशन ओएनजीसी, इन्टैक आदि के माध्यम से वित्तीय सहायता लेने के लिए अनेक प्रस्ताव प्राप्त किए है।	2. नागरिक सेवा मंडल (अंबर नाथ) द्वारा प्राचीन शिव मंदिर (अंबर नाथ) का संरक्षण (कार्य चल रहा है) 3. एएसआई एवं ओएनजीसी द्वारा आहोम स्मारक का नवीकरण एवं रखरखाव (कार्य चल रहा है) 4. एएसआई एवं एसबीआई (कोलकाता) द्वारा हाजरदुराई महल का अंगीकरण। 5. ओएनजीसी एवं विदेश मंत्रालय द्वारा–श्री अमोल पालेकर द्वारा किशोरी अमोंकर शास्त्रीय गायक पर एक फिल्म–मैसर्स सार्थ के साथ परियोजना को पूरा किया जाएगा। 6. श्रीमती मृणालिनी साराभाई शास्त्रीय नृतक पर एक फिल्म–मैसर्स दर्पण द्वारा (अहमदाबाद)। 7. स्वतंत्रता अवधि के बाद के फोटो अभिलेखों का संरक्षण–मैसर्स भारत फोटो अभिलेख*			द्वारा विरासत उत्सव (देहरादून) का आयोजन करना। 9. शोर मंदिर (महाबलिपुरम) में प्रासाधन का निर्माण (कार्य चल रहा है) 10. श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर और एनसीएफ द्वारा श्री रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर (प्राचीन) (पुष्कर) पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									करना। इन परियोजना के अलावा कुछ आईसीएच परियोजनाएं प्रारंभिक अवस्था में हैं।
15.	**शताब्दी/वर्षगांठ समारोह**	महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवम् घटनाओं की शताब्दी/वर्षगांठ मनाना।							
15.1	**भगवान बुद्ध के महापरि–निर्वाण की 2550वीं वर्षगांठ मनाना***	बुद्ध सांस्कृतिक प्रतिष्ठान मठीय विद्यालय, तवांग, अरूणाचल प्रदेश द्वारा विद्यालय खंड का निर्माण	**0.45**	––	विद्यालय खंड भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया।	1.50 करोड़ रू. की कुल अनुमोदित राशि से अनुदान की 0.45 करोड़ रू. की दूसरी किस्त जारी की गई है।	**0.45**	**0.00**	
15.2	**लाल बहादुर शास्त्री की जन्म शताब्दी मनाना।**	लाल बहादुर शास्त्री के नाम पर 'रक्षा अध्ययन एवं मूल्यांकन संस्थान' में एक पीठ स्थापित करना।	**0.05**	2.00	इस अवधि के दौरान पुरूषों और महिलाओं के लिए अलग–अलग इंडोर और मांदा में नए तकनीकी संस्थान खोलने का कार्य शुरू किया जाएगा। एलबीएसएमटी को अनुरक्षण अनुदान।	उक्त उद्देश्य के लिए 2 करोड़ रू. की राशि जारी की गई थी। 2007–08 के दौरान पीठ की स्थापना की गई।	**0.05**	**2.00**	
15.3	**प्रथम स्वतंत्रता संग्राम,**	एनआईसी द्वारा अनुमोदित अवशेष कार्य करना।	**1.00**	10.00	पीठ की स्थापना के लिए एनआईसी द्वारा अनुमोदित	संबंधित विश्वविद्यालयों और पंजाब सरकार एवं आईटीडीसी	**0.97**	9.00	परियोजना का पूर्ण होना

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	1857 की 150वीं वर्षगांठ मनाना।				कार्य/कार्यक्रमों की अवशेष मद शुरू की जानी है।	द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को 5 स्मरणोत्सव पीठ की स्थापना के लिए निधियां जारी की गई हैं।			निधियों के उपलब्धता पर निर्भर करता है
15.4	**खालसा विरासत परियोजना के लिए वित्तीय सहायता।**	लोगों में, विशेषकर युवाओं में जोश भरने के लिए खालसा विरासत से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाओं के प्रमुख पहलुओं को उजागर करना।	--	**8.00**	खालसा विरासत परियोजना के लिए पंजाब सरकार को निधि केंद्र सरकार (योजना) के 1/3 शेयर के तहत जिसे तिमाही आधार पर परियोजना पर व्यय हुई राशि की प्रतिपूर्ति होनी है, दी जाती हैं।	केंद्रीय सरकार के शेयर के रूप में पंजाब सरकार को 3.53 करोड़ रू. की मैचिंग अनुदान जारी की गई है।	0.00	**3.53**	
15.5	**गुरू–ता–गद्दी की त्रिशताब्दी**	स्मरणोत्सव के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब तथा तंलवंडी साबो का आधारभूत विकास।	**0.01**	--	स्मरणोत्सव के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब तथा तंलवंडी साबो का आधारभूत विकास।	स्मरणोत्सव के भाग के रूप में आनंदपुर साहिब तथा तलवंडी साबो का अवसंरचनात्मक विकास शुरू किया जा रहा है।	**63.20**	0.00	पहली पूरक 2010 में 83.20 करोड़ रू. नकद राशि के रूप में अनुमोदित की गई है
16.	**अन्य स्कीमें/संस्थानें**								
क.	**केन्द्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान,**	तिब्बत और भारत के हिमालय की सीमा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से	**6.90**	**5.80**	सामान्यता योजनेतर अनुदान को प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक कार्यों के लिए प्रयुक्त किया जाता है।		**9.36**	**6.28**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सारनाथ*	स्थापित किया गया।							
(i)	पुस्तकालय का विकास	1. तिब्बती संस्कृति और परंपरा को परिरक्षित करना। 2. तिब्बती भाषाओं में परिरक्षित प्राचीन भारतीय विज्ञान और साहित्य का पुनर्स्थापन करना।			1500 पुस्तकें तथा कंप्यूटर/ उपकरणों की खरीद की जाएगी।	2446 पुस्तकें और जर्नल खरीदी गई, ई–दस्तावेज तथा कुछ उपकरण आदि भी खरीदे गए।			
(ii)	प्रकाशन और मुद्रण	विद्वानों एवं अन्य के प्रयोगार्थ तिब्बती संस्कृति पर मुद्रित सामग्री प्रदान करना।			12 पुस्तकें प्रकाशित की जानी हैं।	12 पुस्तकें व जर्नल, ई–दस्तावेज और कुछ उपकरण खरीदे गए, प्रकाशित किए गए।			
(iii)	दुर्लभ बौद्ध पाठों का अनुसंधान, पुनर्स्थापन और अनुवाद, बोद्धिक संपर्क का संवर्धन, सम्मेलन और सेमिनारें	भारतीय सीमा क्षेत्र के विद्यार्थियों, जिन्होंने तिब्बत में उच्चतर शिक्षा प्राप्त की है, को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना।			पहले और दूसरे छमाही जर्नल प्रकाशित किए जाएंगे तथा शोध के लिए दो स्थलों का दौरा किया जाना है। बौद्ध/तिब्बती भाषाओं और संस्कृति के संवर्धन के लिए लिए अनेक अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे।	एक वार्षिक जर्नल प्रकाशित किया गया तथा एक कार्यशाला आयोजित की गई। दुर्लभ बौद्ध पाठ के 26 अध्यायों का संपादन किया गया तथा पांडुलिपित का सर्वेक्षण किया गया। ग्रंथ के 1140 पृष्ठों का अनुवाद और जीर्णोद्धार किया गया। आयुर्वेद कोर्स – 5700 शब्दों की प्रविष्टि, नाम कोष–2500, विनय कोष– 3000 शब्द और अन्य संस्कृत तिब्बती			एमबीएसएस–टी दरभंगा संस्थान के री–इडीटिंग का काम चल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय सेमिनार/ संगोष्ठी आयोजित की गई।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						अथवा संस्कृत ज्योतिष शब्दों को विश्वकोष में जोड़ा गया।			
ख.	**केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह**	बौद्ध विचारों और साहित्य की समझदारी उनके मन में बैठा करके छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व का विकास करना तथा उन्हें आधुनिक विषयों से परिचित कराना ताकि वे दुर्लभ पांडुलिपियों के संग्रह, संरक्षण, अनुवाद, प्रकाशन तथा बौद्ध अध्ययन आदि से संबंधित अनुसंधान कार्यों से परिचित हो सकें।	4.20	8.50			5.21	7.30	सामान्यता प्रशासनिक एवं स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	भवन निर्माण	ऑडिटोरियम गेस्ट हाउस, 20 आवासीय क्वाटर्रों तथा डी पी एस जांस्कार के लिए भवन का निर्माण।			सीआईबीएस और डीपीएस जांस्कर के लिए वास्तविक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण।	सीआईबीएस और डीपीएस जांस्कार के लिए वास्तविक बुनियादी सुविधाओं का निर्माण का काम चल रहा है।			सीपीडब्ल्यूडी और राज्य पीडब्ल्यूडी के माध्यम से निर्माण कार्य चल रहा है।
(ii)	विद्यमान गोनपा/स्त्री मठ विद्यालय, दुर्लभ पुस्तकों/ पांडुलिपियों के	विद्यार्थियों के लिए शिक्षक नियुक्त करके और वजीफा देकर गोनपाओं के शैक्षिक कार्यकलापों को सहायता देना।			लद्दाख के विभिन्न विहारों तथा जांस्कार कारगिल की एक शाखा में 50 फीडर स्कूलों के लिए योजना कार्यकलाप तथा शिक्षा की	767 छात्रों को आधुनिक शिक्षा के साथ सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान की गई। 594 पुस्तकें और 55 प्रकार के जर्नल/पत्रिकाएं प्राप्त की गई			स्नात्तकोत्तर के समकक्ष आचार्य, स्नातक के समकक्ष

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन का प्रावधान। हिमालयी कला एवं संस्कृति के विश्वकोश का संग्रह।				मठीय प्रणाली का परिरक्षण और संवर्धन। वर्ष के दौरान ये कार्य शुरु किए जाएंगे।	तथा पुस्तकालय संग्रहालय में जोड़ी गई। इन फीडर स्कूलों के लिए योजना कार्यकलाप जारी रहे। सीआईबीएस को सम–विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। शोध विद्वानों को अध्येतावृत्तियां प्रदान की गई।			शास्त्री, 10+2 के समकक्ष मध्यमा, पीएचडी छः वर्षीय डिप्लोमा/डिग्री भोट चिकित्सा विज्ञान, पारंपरिक संस्कृति, पेंटिंग व काष्ठ नक्काशी।
ग.	**गांधी स्मृति और दर्शन समिति***	विभिन्न सामाजिक–शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करके महात्मा गांधी के जीवन, मिशन और विचारों का प्रचार करना।	**4.20**	**10.00**	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।		**3.82**	**8.85**	
	संवर्धनात्मक कार्यकलाप 1. शैक्षिक संस्थाओं के साथ नियमित कार्यक्रम	महात्मा गांधी के विचारों और उनके द्वारा चिह्नित राष्ट्रीय उद्देश्यों के संवर्धन के लिए कार्यकलापों की योजना तैयार करना और जारी			क) भारत और विदेश में 20,000 से अधिक विद्यार्थियों तक पहुँचने के लिए शैक्षिक संस्थाओं के साथ मिलकर बाल कार्यक्रम। ख) दिल्ली और अन्य राज्यों	निर्माण कार्य तथा महिला सशक्तिकरण व महिलाओं पर हिंसा से लड़ने सहित महात्मा गांधी के संदेश को आगे ले बढ़ाने के लिए देश के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के			पहुँच कार्यक्रमों में पूरे देश से 10 हजार युवाओं और 5 हजार

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	क) स्कूलों में गाँधी जी ख) गाँधी ग्रीष्म स्कूल 2. युवाओं के लिए कार्यक्रम 3. महिलाओं के लिए कार्यक्रम 4. स्मरणात्मक कार्यक्रम 5. जी एस डी एस में नियमित कार्यक्रम	रखना।			में और विपन्न बच्चों के लिए गाँधी ग्रीष्मकालीन स्कूल। 10,000 से अधिक युवाओं तक पहुँचने के लिए युवाओं के लिए कार्यक्रम। 10,000 से अधिक महिलाओं तक पहुँचने के लिए महिलाओं के लिए कार्यक्रम। 10,000 लोगों तक पहुँचने के लिए जागरूकता कार्यक्रम। लगभग 2000 विपन्न बच्चों को प्रशिक्षित किया जाएगा।	विभिन्न भागों में बच्चों सहित विद्यार्थियों/ युवाओं तथा महिलाओं के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। दो प्रकाशन अर्थात् वार्षिक रिपोर्ट और अनाशक्ति दर्शन प्रकाशित किए गए। महात्मा गांधी के संदेश एवं इसके सामाजिक विषयों का प्रकाशन।			महिलाओं ने भाग लिया। स्मरणोत्सव कार्यक्रमों के अंतर्गत 10 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों में 2 हजार अल्प सुविधा प्राप्त लोगों ने भाग लिया।
	पूर्वोत्तर में प्रसार, अवसंरचनात्मक कार्यक्रम	ऐसे कार्यकलाप शुरू करना जो महात्मा गांधी के जीवन, कार्य और विचारों की बेहतर समझ पैदा करे।			निम्नलिखित प्रकाशन निकाले जाएंगे – 1. वार्षिक रिपोर्ट 2. दी यमुना, जीएसडीएस बाल समाचार 3.गाँधी दर्पण 4. अनासक्ति दर्शन समिति की बुनियादी सुविधा सुदृढ़ करने के लिए नई				समिति ने महिला सशक्तिकरण प्रासंगिक प्रशिक्षण एवं निर्माण कार्य के संबंध में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में प्रसार

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					पुस्तकें, उपकरण प्राप्त किए जाने हैं।				किया।
घ.	**नव नालंदा महाविहार नालंदा, बिहार**	प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय की पूर्व ख्याति को पुनर्जीवित करना। पाली भाषा, साहित्य और बौद्धशास्त्र में स्नातकोत्तर अध्ययन और अनुसंधान करना।	1.58	3.20	सामान्यतया प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों में योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।		2.48	2.20	
(i)	पुस्तकालय सेवा का सुधार एवं विकास	पाली, बौद्ध दर्शन, प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं वास्तुकला, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत आदि विषयों पर नई पुस्तकों की खरीद करके पुस्तकालय का विकास करना।			1000 से अधिक पुस्तकें खरीदे जाने की आशा है।	पुस्तकालय संग्रह विकसित करने के लिए लगभग 1000 पुस्तकें खरीदी गईं।			
(ii)	युआन जंग स्मारक हॉल का विकास	युआन जंग स्मारक हॉल के अन्दर और बाहर रचनात्मक कार्य जैसे चित्रकला, भित्तिचित्र तथा भूपरिदृश्य आदि तैयार करना।			नियमित अनुरक्षण एवं विकास कार्य शुरू किया जाना है। इसके अतिरिक्त, युआन जंग स्मृति चिन्हों को रखने तथा परिरक्षित करने के लिए अलग से भवन निर्माण का प्रस्ताव है।	युआन जंग के जीवन से संबंधित विभिन्न चित्रकला एवं भित्तिचित्रों को स्मारक में जोड़ा गया।			
(iii)	सांस्कृतिक आदान–प्रदान	अंतर–संस्थान आदान–प्रदान आधार पर			कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि से संग्रहित शैक्षिक और	भाषा के अलावा समाज और दार्शनिक परिदृश्य में संबंधों			पूर्वोत्तर भारत में जीवन्त

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन	सेमिनारों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा बौद्ध विचारों का प्रवर्धन और प्रसार			सांस्कृतिक कक्ष मुद्रण किया गया है। यह विद्वानों और शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध है।	पर आधारित अनेक कार्यशालाओं और राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया गया।			बौद्ध धर्म की कार्यवाहियां की कार्यवाहियां 2010–11 में भी चलेगी।
(iv)	(i) वार्षिक स्थापना दिवस और समारोह तथा विशेष दीक्षांत समारोह (ii)महाविहार के मेधावी छात्रों का छावृत्ति प्रदान करना	प्रत्येक वर्ष 20 नवम्बर को एनएनएम की स्थापना दिवस और विशेष दीक्षांत समारोह का आयोजनं मेधावी छात्रों को सहायता करना।			स्थापना दिवस मनाना महाविहार की नियमित प्रक्रिया है। भारतीय और विदेशी छात्र लाभांवित होंगे।	अंतर–राज्य क्षेत्र से बहुश्रुत विद्वान, उच्च शासकीय पदाधिकारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाएंगे। भारतीय और विदेशी छात्र शीघ्र ही लाभांवित होंगे।			
(v)	पुराने और नए प्रकाशनों की छपाई और प्रलेखन प्रदर्शनी	मुख्य उद्देश्य पहले के सेमिनारों की कार्यवाही और अन्य अनुसंधानोन्मुख सामग्रियों की छपाई और पुनर्मुद्रण है और प्रदर्शनी के आयोजन और इसके			वार्षिक और लेखा परीक्षा रिपोर्ट, सेमिनार की कार्यवाही की छपाई और पुराने पुस्तकों का पुनर्मुद्रण। नालंदा और बौद्ध विषय पर एक प्रदर्शनी लागाई जाएगी।	पुराने और नए प्रकाशनों की छपाई का काम चल रहा है।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रलेखन द्वारा भगवान बुद्ध के उपदेशों का प्रसार करना है।							
(vi)	पाली हिंदी शब्दकोष परियोजना	इस स्कीम का उद्देश्य एकमात्र पाली–हिदी शब्दकोष की तैयारी है			पाली–हिंदी शब्दकोश का खंड–II वर्ष 2010–11 में प्रकाशित होने वाली है।	बीओएम के अनुमोदन नियत पारिश्रमिक पर तीन प्रसिद्ध विद्वानों को नियुक्त किया गया है। उनकी सहायता के लिए 3 और सहायकों की नियुक्ति की गई है।			
ङ	**मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता**	19वीं शताब्दी के मध्य से एशिया में सामाजिक, संस्कृति, राजनैतिक और आर्थिक आंदोलन के अध्ययन सहित मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन और कार्यों का अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करना।	**1.05**	**6.50**			**0.80**	**5.25**	सामान्यतया प्रशासनिक एवं स्थापनात्मक कार्यों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	पूर्वोत्तर सहित अनुसंधान परियोजना/ अध्येतावृत्ति और अन्य संवर्धनात्मक	अनुसंधान कार्यकलाप चलाना तथा भारत और अन्य देशों में राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों का प्रकटन।			24 फेलो ने उत्तर–पूर्व भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों पर अनुसंधान का कार्य शुरू किया। प्रारंभिक सेवाएं एमएकेएआईएएस के साल्ट परिसर में उपलब्ध थीं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर	24 फेलो से अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंशान पत्रों की नियमित प्रस्तुति। संस्थान का पुस्तकालय एमएकेएआईएएस संस्थान के साल्ट लेक परिसर से काम कर रहा है, जहां पर्याप्त			* संगोष्ठी प्रदर्शनी। संस्थान ने अन्य विश्वविद्यालयों /संस्थानों के सहयोग से

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यकलाप				विदेशी दौरे और सेमिनारों की व्यापक स्तर पर योजना है। नियमित कार्मिकों के 14 संस्थों ने इस संस्थान का स्थापना कार्य किया	जगह है। मौलाना आजाद पुस्तकालय विरासत संस्थान में स्थित है। 3 राष्ट्रीय निर्माण एवं 8 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन किया*।			राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/ सम्मेलनों का आयोजन किया।
(ii)	प्रकाशन/पुस्तकों का अधिग्रहण	विभिन्न विषयों में विद्वानों के अनुसंधान कार्यों का प्रकाशन			10 पुस्तकें और जर्नल का प्रकाशन। 1 जर्नल प्रेस में है।	संस्थान की क्षमता में अनुसंधान क्षेत्र के लिए अंशदान।			मौलाना आजाद लेक्चर का हिंदी, अंग्रेजी और बंगला में प्रकाशन
(iii)	मौलाना आजाद संग्रहालय कार्यालय भवन और छात्रावास का उन्नयन	संग्रहालय ने कोलकाता के लोगों पर प्रभाव डाला है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में मौलाना आजाद के योगदान के स्मृति चिह्नों का संग्रह दर्शकों के लिए प्रदर्शित किया गया है।			उप शीर्षकों सहित फोटो का रख–रखाव तथा उच्चतम राष्ट्रीय अवार्ड–भारत रत्न सहित लगभग 100 स्मरणों को प्रदर्शित किया गया। एलसीडी टी.वी. का रख–रखाव जिसके द्वारा मौलाना आजाद के फिल्म फुटेज दिखाया जाता है। मौलाना आजाद तथा उनकी कृतियों संबंधी फिल्मों एवं प्रलेखों का अर्जन। मौलाना आजाद के जीवनकाल से संबंधी दुर्लभ पुस्तकों का अर्जन।	मौलाना आजाद के जीवन कार्य भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं राष्ट्र निर्माण संबंधी ज्ञान के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। सेमिनार और सम्मेलनों में दृश्य–श्रव्य संस्थान पर दृश्य–श्रव्य तैयार करना और इसे सेमिनारों व सम्मेलनों में चलाकर तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों अन्य संस्थानों में प्रस्तुतिकरण द्वारा भारत के भीतर और विदेश में संस्थान का संवर्धन			* दृश्य मीडिया– दूरदर्शन द्वारा संग्रहालय और पुस्तकालय के बारे में और जागरूकता फैलाने।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					बेहतर कार्यकरण के लिए तीन मंजिला भवन का रख–रखाव।	करना।*			
च.	**कलाक्षेत्र प्रतिष्ठान, चेन्नई**	भारतीय कला, विशेषतया नृत्य और संग्रहालय के क्षेत्र में पारंपरिक मूल्यों के परिरक्षण के लिए स्थापित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति का एक सांस्कृतिक संस्थान	**4.10**	**3.00**			**4.10**	**4.46**	
(i)	**थिएटर उन्नयन और संग्रहालय**	भारतीय/अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप उन्नत आडियो एवं प्रकाश उपकरण प्रदान करना।			थिएटर उन्नयन एवं थिएटर ध्वनि उपकरण लगाने का काम फरवरी, 2011 तक पूरा किया जाना है तथा साउंड प्रूफिंग संबंधी कार्य शुरू किया जाएगा।	कुरूक्षेत्र परिसर में सिविल कार्यों के पर्यवेक्षण एवं अनुमोदन के लिए कार्य समिति गठित की गई।*			*नवीकरण कार्यक्रम एवं उन्नयन कार्यों की मानीटरिंग की जा रही है।
(ii)	उत्सव और शिल्प बाजार। 57वाँ वार्षिक कला उत्सव, कथकली उत्सव और शिल्प बाजार	भरतनाट्यम, सिरमौटिक संगीत कथकली में रंगमंच कला परंपराओं का संरक्षण, प्रवर्धन और विकास।			रिपर्टरी कंपनी द्वारा रूक्मिणी देवी के नृत्य–नाटक प्रदर्शन के साथ कलाक्षेत्र का 58वाँ वार्षिक कला उत्सव और 4 दिवसीय कथकली उत्सव का आयोजन किया जाना है।	डाटा कार्य हाट समिति, नई दिल्ली के सहयोग से दिसंबर, 2010 के शिल्प बाज़ार आयोजित किया। रिपर्टरी कंपनी द्वारा श्रीमती रूक्मणी देवी नृत्य नाटक प्रदर्शन आयोजित किया गया तथा चार दिवसीय कथककली उत्सव भी आयोजित किया			2010–11 के दौरान भरतनाट्यम, कर्नाटक संगीत एवं चित्रकला में विभाग में 48 नए विद्यार्थियों को

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						गया।			प्रवेश दिया गया।
(iii)	नृत्य नाटकों का प्रलेखन	अभिलेखीय उद्देश्य के लिए कृष्ण विषयक नृत्य नाटकों का प्रलेखन किया जाना।			रामायण सीरीज के शेष तीन खंडों को तैयार किया जा रहा है।	रामायण सीरीज के शेष तीन खंडों को पूरा किया गया है।			
(iv)	अनुसंधान एवं प्रलेखन	पारंपरिक कलारूप में कार्यकलापों को और आगे बढ़ाना तथा इस क्षेत्र में विकास के बारे में अवगत कराने के लिए युवा पीढ़ी को भी प्रशिक्षित करना।			श्रीमती रुक्मणी देवी, नृत्य, नाटक एवं समकालीन संगीत/ नृत्य कलारूपों पर शोध कार्यों के भाग के रूप में विभिन्न साधनों से दुर्लभ और कीमती पुस्तकों का संग्रह किया जाएगा। विद्यार्थियों का फील्ड दौरे सहित प्रशिक्षण सत्र।	कार्य चल रहा है। वर्तमान उचित प्रशासन पुस्तकालय और शोध कार्य के द्वारा अनुसंधान और विकास के अंतर्गत जारी रहेंगे।			
छ.	**नामग्याल तिब्बती शास्त्र संस्थान, सिक्किम***	उक्त संस्थान सिक्किम राज्य सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी संगठन है तथा इस मंत्रालय से नियमित सहायता अनुदान प्राप्त करता है। इस	**0.42**	––	संस्थान के पास ग्रंथागार में परिरक्षित बौद्ध शिक्षा से संबंधित पाठ के अनुवाद व प्रकाशन के जारी रहने वाले कार्यक्रम हैं।	संस्थान, के प्रकाशन, अनुरक्षण एवं मरम्मत कार्यों से संबंधित अनवरत कार्यक्रमों को जारी रखा, 21 नियमित कार्मिकों का वेतन भुगतान।	**0.42**	**0.00**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		संस्थान का मुख्य उद्देश्य 'छोज' (बुद्ध की शिक्षा) के ज्ञान को फैलाना है।							
ज.	**क) मंचकला, साहित्य और दृश्य कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को अध्येतावृत्ति***	इस स्कीम के अंतर्गत संगीत, नृत्य, रंगमंच, दृश्य कला, लोक और देशी कलाओं के साहित्य और पारंपरिक कलारूपों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।	**1.35**	**7.00**	125 कनिष्ठ और 125 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की जानी हैं।	125 कनिष्ठ और 125 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियाँ प्रदान की गई।	**1.78**	**7.16**	
	ख) युवाकार्मिकों को छात्रवृत्ति*	इस स्कीम के अन्तर्गत विशिष्ट युवा कलाकारों को भारत में उच्च प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।	**0.78**	**––**	400 छात्रवृत्तियां प्रदान की जानी हैं।	354 छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।			
झ. (i)	**विशिष्ट कलाकारों को वित्तीय सहायता***	उन कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, जिनका कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा हो	**2.20**	**4.50**	इस पेंशन स्कीम के तहत लगभग 2600 दीर्घायु कलाकारों को सहायता प्रदान की जाती है।	वर्ष 2010–11 की अवधि के दौरान 2876 दीर्घायु कलाकारों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।	**2.00**	**10.73**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	**राष्ट्रीय कलाकार कल्याण निधि की स्थापना (अलग शीर्ष नहीं खोला गया है)#**	तथा जो 58 वर्ष से अधिक आयु और दीनहीन परिस्थितियों में हों।	--	**5.00**	प्रख्यात कलाकारों को उनकी चिकित्सा/स्वास्थ्य और अन्य उद्देश्यों के लिए वित्तीय सहातया दी जाएगी।	यह स्कीम अभी कार्यान्वित की जानी है।	0.00	0.00	
ञ.	**सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधिमंडल**	विश्व के अन्य देशों के साथ परस्पर आधार पर सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन।	**0.80**	--	इस निधि का मुख्य उद्देश्य विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के सांस्कृतिक दौरों की मेजबानी करना, सांस्कृतिक करार/सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों के अंतर्गत बैठकें/सम्मेलन आयोजित करना है। वर्ष 2010–11 के दौरान, विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक करारों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे/कार्यान्वित किए जाएंगे।	i) 16वीं संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक भारतीय वित्त के लिए विविध व्यय। ii) संस्कृति मंत्री का दक्षिण अफ्रीका दौरा। iii) पोलैंड शिष्ट मंडल का भारत दौरा। iv) भारत में रूसी शिष्टमंडल। v) रूसी शिष्टमंडल।	**0.05**	0.00	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ट.	**जनजातीय/ लोक कला के लिए वित्तीय सहायता**	जनजातीय सांस्कृतिक कला का संवर्धन और प्रचार करना। प्रलेखन और उत्सवों सहित सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करके जनजातीय/लोक कला की समृद्धता के बारे में जागरूकता पैदा करना।	--	**0.25**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों की निर्धारित लक्ष्य नहीं है और उन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	वर्ष 2008–09 में इस स्कीम को बंद कर दिया गया है। तथापि चालू मामलों में करीब 13 व्यक्तियों/संगठनों को सहायता दी गई।	0.00	**0.03**	
ठ.	**हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायता**	हिमालय की सांस्कृतिक विरासत का संवर्धन, प्रसार और परिरक्षण करना।	--	**0.75**	पात्र आवेदकों के आवेदन की प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संस्तुति के आधार पर दी जाती है।	इस स्कीम के अंतर्गत 25 गैर सरकारी संगठनों/व्यक्तियों को सहायता अनुदान दिया गया।	0.00	**0.40**	विशेषज्ञ समिति द्वारा अनुमोदित की जानेवाल प्रस्तावों की संख्या परियोजना के गंण और संबठनों की क्षमता की क्षमता पर निर्भर होती है।
ड.	**बौद्ध/तिब्बती संगठनों के परिरक्षण और विकास के लिए वित्तीय**	बौद्ध/तिब्बती संस्कृति व परंपरा के वैज्ञानिक विकास तथा संबंधित क्षेत्र में अनुसंधान का भी संवर्धन एवं प्रचार करना।	--	**3.50**	पात्र आवेदकों के आवेदन की प्राप्ति और विशेषज्ञ सलाहकार समिति की संस्तुति के आधार पर दी जाती है।	इस स्कीम के अंतर्गत 97 संगठनों/मठों को वित्तीय सहायता दी गई।	0.00	**3.59**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता								
ढ.	**शताब्दियाँ एवं समारोह की स्कीम**	भारत के प्रसिद्ध व्यक्तियों की शताब्दियाँ मनाने के लिए सांस्कृतिक संगठनों/गैरसरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	**1.80**	**––**	शबाब्दी/वर्षगांठ समारोह के लिए पात्र आवेदकों/एनजीओ को वित्तीय सहायता दी जानी है	वर्ष के दौरान 8 गैर–सरकारी संगठनों/संगठनों को 1.61 करोड़ रू. का सहायता अनुदान स्वीकृत किया गया।	**1.60**	**26.27**	
	(i) गुरू रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वी जयंती	उचित तरीके से गुरू रबीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती मनाना तथा लोगों तक इनके कार्यो को फैलाना।		**22.00**	चित्रावली एनएफडीसी, टीसीजीएस के लिए एनआईसी द्वारा यथा अनुमोदित कार्यक्रम, टैगोर कृतियों, मार्ग प्रशासन आदि का ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक टीका।	चित्रावली एनएफडीसी, टैगोर कृतियों मार्ग प्रकाशन परियोजना आदि के ऑनलाईन इलेक्ट्रॉनिक टीका के लिए निधियां जारी की गई।	**0.00**	**13.87**	परियोजनाएं अनुसूची के अनुसार समय से पूरी होने की उम्मीद है।
	(ii) स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती	150वीं जयंती समारोह के भाग के रूप में लोगों में स्वामी विवेकानंद द्वारा किए गए साहित्यिक एवं धार्मिक योगदान सहित कला और संस्कृति का प्रसार करना।		**8.00**	राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति (एनआई) द्वारा अनुमोदित सभी प्रस्ताव उनके कार्यान्वयन के लिए शुरू किए जाएंगे जिसमें शामिल हैं – युवाओं के चरित्र निर्माण के लिए अमूर्त संस्कृति तथा उन्हें जागरूक करना*	एनआईसी ने दो प्रस्तावों को 3.9.2010 को अनुमोदित किया। कॉलम 5 में उल्लिखित उद्देश्यों के लिए निधियों की पहली किस्त जारी की गई।	**0.00**	**12.40**	* राष्ट्र निर्माण की और तथा उनके उपदेशों और संदेशों का भी प्रचार करना।

परिणाम बजट 2012-13

अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2010-11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010-11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ण.	**राष्ट्रीय स्मारकों का अनुरक्षण**	उन प्रख्यात राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तियों की भूमिका का स्मरणोत्सव मनाना जिन्होंने देश के इतिहास में योगदान दिया और ऐतिहासिक भूमिका निभाई।	**1.70**	**0.00**	राष्ट्रीय स्मारकों के अनुरक्षण के लिए स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाती है।	राष्ट्रीय स्मारकों के विकास और अनुरक्षण के लिए 2 गैर-सरकारी संगठनों को गई।	**0.00**	**0.00**	
	सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारकों का विकास तथा डा. राजेंद्र प्रसाद स्मारक का विकास एवं रख-रखाव		**0.00**	**15.00**	सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारकों संबंधी विकासात्मक कार्य शुरू करने के लिए न्यास को अनुदान जारी किया जाना है। डा. राजेंद्र प्रसाद स्मारक के रख-रखाव के लिए न्यास को अनुदान जारी किया जाएगा।	उक्त कार्य शुरू करने के लिए न्यास को 10 करोड़ रू. का अनुदान जारी किया गया है। अभी शुरू किया जाना है।	**0.00**	**10.00**	
त.	**स्टूडियो थिएटरों सहित भवन अनुदान की स्कीम**	नृत्य, संगीत, ललित कला, इंडोलॉजी और साहित्य के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक सांस्कृतिक संगठनों को भवन निर्माण और सामग्री खरीदने के लिए अनुदान देना।	--	**5.00**	कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है। सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों को प्रस्ताव पाने तथा विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	44 संगठनों को अनुदान सहायता दी गई है। इस स्कीम को अशोधित किया गया है तथा यह 7.1.2011 से स्टूडियो, थिएटरों सहित भवन अनुदान के रूप में फिर से शुरू की गई है।	0.00	**1.28**	

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
थ.	**राष्ट्रीय महत्व वाले सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता**	राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थानों/संगठनों को सहायता प्रदान करना	**3.00**	**5.00**	प्रमुख संस्थानों जैसे आर के मिशन, ईन्टैक, और स्पिकमैके आदि को अनुदान दिया जाएगा।	इंटैक, स्पीकमैके और एनसीपीए, मुबंई सहित आरके मिशन संस्कृति संस्थान, कोलकाता और अन्य को अनुदान दिए गए।	**2.75**	**4.99**	आरके मिशन को उनके प्रशासनिक कार्यों के लिए योजनेत्तर निधियां प्रदान की गई।
द.	**सांस्कृतिक संगठनों का विकास (सांस्कृतिक कार्य अनुदान स्कीम)**	महत्वपूर्ण सांस्कृतिक विषयों पर सम्मेलन सेमिनार एवं परिसंवाद आयोजित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यकलापों में संलग्न राष्ट्रीय ख्याति के स्वैछिक संगठनों को अनुदान देना।	––	**3.00**	विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर संगठनों का अनुदान दिया जाता है।	पूर्व के वर्षो के विद्यमान संस्वीकृत मामलों और वर्ष 2010–11 के लिए नए में राशि जारी की गईं।।	0.00	**9.04**	प्रति परियोजना अनुदान राशि 3 लाख रू. से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है।
ध.	**तवांग मठ (बौद्ध एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र)**	पारंपरिक बौद्ध कला और संस्कृति के परिरक्षण के लिएमठवासियों को शिक्षित करना बौद्ध सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र के रूप में भी कार्य करना।	––	**0.01**	मठ अपने चल रहे कार्यकर्मो को जारी रखेगा जिसमें अपने संग्रहालय का रख–रखाव भी शामिल है। मठ छात्रों को प्रशिक्षण देकर सेंड मडाला और मक्खन मूर्तियों को पुनर्जीवित किया जाएगा।	मठ ने बौद्ध अध्ययन पर अनवरत कार्यकलापों/कार्यक्रमों को जारी रखा।	0.00	**1.01**	इस मठ के कार्यकलाप पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आबंटित निधियों से वित्त पोषित किए जाते है।

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
न.	**तिब्बत हाउस, नई दिल्ली**	तिब्बत हाउस का मुख्य उद्देश्य, तिब्बती संस्कृति का संवर्धन, परिरक्षण और संरक्षण करना, तिब्बत और गैर–तिब्बती कलाकारों व शिल्पकारों के बीच विचारों और तकनीक के आदान–प्रदान को प्रोत्साहित करना है।	––	**0.50**	तिब्बत हाउस, संग्रहालय का रख–रखाव सहित अपने चल रहे कार्यक्रमों का कार्यान्वयन जारी रखेगा।	इसने तिब्बती अध्ययन और संस्कृति संबंधी जागरूकता के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन से संबंधित अपने कार्यकलापों को कार्यान्वित किया तथा समीक्षाधीन अवधि के दौरान अपने संग्रहालय को व्यवस्थित भी रखा	0.00	**0.50**	
प	**केंद्रीय हिमालयी सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान, दाहुंग, अरूणाचल प्रदेश**	भारतीय बौद्ध सांस्कृतिक विरासत को परिरक्षण और संवर्धन करना।	––	0.01	बौद्ध एवं तिब्बतीय संस्कृति से संबंधित पूर्व स्नातक, परा स्नातक और डॉक्टरल कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। बुनियादी तथा भवन संबंधित सुविधाएं शुरू की जानी है।	रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान संस्थान के शैक्षिक कार्यक्रम जारी रहे तथा उनके भवन निर्माण के लिए 2 करोड़ रू. की निधियां जारी की गई।	0.00	**2.00**	
फ.	**जलियावाला बाग स्मारक का विकास**	इस स्मारक के समग्र विकास, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में इसके दर्जे और महत्व को स्थापित करने के लिए	**0.50**	**0.50**	स्मारक को उन्नत करने के लिए विकास कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।	गैर योजनागत शीर्ष के अंतर्गत स्मारक के विकास/ रखरखाव के लिए 0.25 करोड़ रू. का अनुदान दिया गया।	**0.25**	**0.00**	
ब.	**अमूर्त विरासत और सांस्कृतिक**	अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा पर यूनेस्को	––	**0.50**	सांस्कृतिक कार्यकलापों में शामिल व्यक्तियों/संगठनों की निर्धारित लक्ष्य नहीं है और	आईसीएच के क्षेत्र में बचाव तथा अन्य सुरक्षात्मक उपायों और सांस्कृतिक विविधता के	0.00	**0.50**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विविधता के क्षेत्र में सुरक्षात्मक एवं अन्य रक्षात्मक उपाय की स्कीम (यूनेस्को सम्मेलन से उद्भूत)	सम्मेलन से उद्भूत इकरार को पूरा करना।			उन्हें प्रस्तावों की प्राप्ति और विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर सहायता दी जाती है।	लिए 0.50 करोड़ रू. की राशि जारी की गई है।			
भ.	**भारतीय संस्कृति और विरासत के बारे में जागरूकता के संवर्धन और प्रसार के लिए योजना स्कीम**	मंच कलाओं और रंगमंच के माध्यम से संस्कृति और विरासत के संवर्धन से संबंधित कार्यकलाप शुरू करना।	––	**0.01**	इस स्कीम को संशोधन के उपरांत सी सी आर टी के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।	यह स्कीम वर्ष 2011–12 में मंत्रालय के पुस्तकालय अनुभाग द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी।	––	**0.00**	
म.	**सांस्कृतिक विरासत स्वयं सेवक (सी एच वी) स्कीम/ /सांस्कृतिक विरासत युवा नेतृत्व**	युवाओं को सामाजिक समावेशन तथा नागरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल कर के उन्हें हाशिए पर जाने और तिरस्कार से बचाना।	––	**0.01**	इस स्कीम को सी सी आर टी के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा। स्कीम को संशोधित किया जा रहा है।	यह स्कीम को अभी भी कार्यान्वित किया जाना है।	––	**0.00**	

अध्याय IV (क) - विगत निष्पादन -2010-11 की समीक्षा

क. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010-11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
			योजनेतर	योजनागत			योजनेतर	योजनागत	
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	कार्यक्रम								
(र)	**सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलट स्कीम**	रचनात्मक भाव की व्यापक विविधता पारंपरिक डिजाइन और असीमित शिल्प विविधता को सांस्कृतिक उद्योग निर्माण में बदलना।	--	0.50	अपने क्षेत्र में स्थित सांस्कृतिक उद्योगों के लिए पायलट सर्वोक्षण हेतु जेडसीसी को वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस स्कीम के कार्यान्वयन के लिए अन्य सुविधाएं भी दी जाएगी।	दो क्षेत्रीयं सांस्कृतिक केंद्रों से यूसी प्राप्त न होने के कारण और निधियां जारी करने को रोक दिया गया है।	--	0.00	
(कक)	**बहुद्देश्यीय सांस्कृतिक परिसरों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता**	राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में सांस्कृतिक परिसरों का सृजन।	--	3.00	पहले मामलों में निधि जारी की गई।	यह स्कीम 1.4.2007 से बंद कर दी गई है। तथापि, अनवरत मामलों में दो संगठनों को अनुदान सहायता दी गई।	0.00	2.52	एमटीए के अनुरूप कुछ आशोधनों के साथ इस स्कीम को फिर से शुरू किया जा रहा है।

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(खख)	**ज्ञान के संस्थानों में नमनीय संलग्नता (टैगोर राष्ट्रीय सांस्कृतिक अनुसंधान अध्येतावृत्ति स्कीम)**	इसमें अध्येताओं/ अकादमिशियनों द्वारा संस्थानों में सह–सहभागिता के माध्यम से संस्थान के मूल उद्देश्य से संबंधित परियोजनाओं व अनुसंधान कार्य को सम्पन्न कर उन्हें समृद्ध बनाए जाने तथा नवीन सृजनात्मक अग्रता प्रदान किए जाने को संकल्पित किया गया है।	––	**1.50**	15 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्रदान की जानी हैं।	13 टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां प्रदान की गई!	––	**0.39**	
(गग)	**साहित्यिक कार्यकलापों में कार्यरत संस्थान एवं व्यक्ति**	साहित्यिक कार्यकलापों के विकास में कार्यरत सभी भारतीय श्रेणी के संगठनों को सहायता देना।	0.10	––	संस्था/व्यक्तियों को सहायता प्रदान की जाएंगी।	वर्ष के दौरान दो संस्थानों को अनुदान दिया गया। अर्थात् ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान एवं भारतीय मुद्राशास्त्र सोसायटी	0.15	**0.00**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(घघ)	**अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कियाकलाप तथा भारत विदेश–मैत्री सोसाइटी को अनुदान**	भारत तथा संबंधित बाहरी देशों के बीच घनिष्ट मित्रता और सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करना और मैत्री सोसाइटी के जरिए भारतीय संस्कृति की अच्छाई को मजबूत करना।	**0.70**		संबंधित भारतीय मिशन की विशिष्ट सिफारिश पर अनुदान जारी किये जाते हैं। अनुदान में सांस्कृतिक कियाकलापों संबंधी अनुदानियों के लिए व्यय शामिल है।	वर्ष 2010–11 के दौरान इस स्कीम के तहत 56 मिशनों को अनुदान स्वीकृत किया गया है।	**2.07**	**0.00**	
(ड.ड.)	**विदेश में भारतीय साहित्य**	6 यूएनओ भ्राषाओं में भारतीय भाषाओं का संवर्धन करना।		**1.00**	6 यूएनओ भ्राषाओं में भारतीय भाषाओं का संवर्धन करना।	यह स्कीम अभी कार्यान्वित की जानी है।			
(चच)	**राष्ट्रीय मंचकला केंद्र की स्थापना**	मंचकला के लिए सांस्कृतिक शो आयोजित करना।		**1.00**	नई स्कीम शुरू करने के लिए प्रारंभिक प्रावधान रखा गया है।	यह स्कीम 2010–11 में कार्यान्वित नहीं की जा सकी।			
(छछ)	**राष्ट्रीय गांधी विरासत स्थल मिशन**	गांधी विरासत स्थल का विकास तथा गांधी जी के लेखों/प्रकाशनों आदि के जीर्णोद्धार, रखरखाव, संरक्षण और विकास के लिए साबरमती आश्रम, अहमदाबाद में गांधी विरासत स्थल पोर्टल की		**5.00**	गांधी विरासत सामग्रियों संबंधी सूचना की पहचान मिलान और निर्धारण तथा इसो प्रबंधन और विकास। संरक्षण पद्धति आदि का निर्धारण। दांडी में राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण।	गांधी विरासत स्थल पोर्टल की स्थापना के लिए 4 करोड़ रू. की कार्पस निधि जारी की गई। गांधी जी से संबंधित विरासत स्थल विकसित किए जा रहे है। गांधी जी पर अद्यतन सूचना पोर्टल में परिरक्षित की जाएंगी जो		**4.00**	*दांडी नमक सत्याग्रह की 75वीं वर्षगांठ पर माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया। राष्ट्रीय दांडी स्मारक

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		स्थापना ।				पब्लिक के लिए उपलब्ध रहेगी। घोषणा के कार्यान्वयन के लिए*			का निर्माण किया जाएगा।
(जज)	**अंतर्राष्ट्रीय कला परिषद संघ एवं संस्कृति एजेंसियां (आईएफएसीसीए)**	संस्कृति मंत्रालय और 60 देशों की कला परिषदें आईएफएसीसीए के सदस्य है।	**0.05**		आईएफएसीसीए में सम्मिलित होने के लिए वार्षिक अंशदान दिया जाना है।	संघ को 4.13 करोड़ रू. का अंशदान दिया गया है।	**0.04**	**0.00**	
17	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	यह संगठन प्राचीन स्मारकों और स्थलों के संरक्षण, परिरक्षण और रख–रखाव, पर्यावरण विकास में कार्यरत है।	**260.00**	**121.00**			**267.71**	**154.24**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	प्राचीन स्मारकों का संरक्षण और परिरक्षण : पर्यावरणीय विकास सहित	केंद्रीय स्तर पर संरक्षित प्राचीन स्मारकों और स्थलों का संरक्षण, परिरक्षण और अनुरक्षण ।			एएसआई ने प्राथमिकताओं, प्रतिबद्धताओं और वित्तीय संसाधनों के आधार पर ढांचागत संरक्षण, रासायनिक परिरक्षण और बागवानी के लिए 1600 स्कीमें (कार्य)	स्मारकों की बेहतर परिरक्षण और संरक्षण से सांस्कृतिक पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई हैं। वैज्ञानिक संरक्षण से स्मारकों को और खराब होने से रोका गया है।			राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चिन्हित इन 46 स्मारकों का सुधार और

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	उनका रखरखाव और अनुरक्षण ।				शुरू किए हैं। ढांचागत संरक्षण, पर्यावरण से संबंधित कार्य*				वैज्ञानिक परिरक्षण शुरू किया गया है।
(ii)	पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएँ प्रदान करना।	प्राचीन स्मारकों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, जिसमें प्रसाधनों, पेयजल सुविधाओं आदि का प्रावधान शामिल है।			विश्व विरासत स्मारकों व स्थलों तथा टिकट वाले स्मारकों में बेहतर आगन्तुक सुविधाएँ और अन्य सुख सुविधाएँ।	बेहतर पर्यटक सुविधाओं से सांस्कृतिक पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है।			
(iii)	उत्खनन एवं अन्वेषण	गाँव दर गाँव सर्वेक्षण तथा समस्या उन्मूलक सर्वेक्षण के तहत पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन तथा पुरावशेषों की खोज।			1. पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन तथा पुरावशेषों की खोज; 2. समस्या उन्मुख अन्वेषण 3. मशीनरी व उपकरणों, तंत्रों और प्लांटों की खरीद 4. मंदिर सर्वेक्षण परियोजना 5. विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों के लिए उत्खनन हेतु वित्तीय सहायता 6. प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता 7. पुरालेख शास्त्रीय सर्वेक्षण	अनवरत प्रक्रिया। स्वतः स्पष्ट।	यह एक सतत प्रक्रिया है।		
(iv)	पुरातत्वीय स्थल	पुरातत्वीय संग्रहालयों का अनुरक्षण/विकास।			1. 44 स्थल संग्रहालयों का रख–रखाव।	अनवरत प्रक्रिया। स्वतः स्पष्ट।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	संग्रहालयों का विकास।				2. कला संग्रहालय सुधार। 3. पिपराहवा (यू.पी), ललितगिरि (उड़ीसा), शिवपुरी (म.प्र.) और सन्नाती (कर्नाटक) में स्थित संग्रहालयों का उद्घाटन। 4. 14 सूत्रीय संग्रहालय सुधार के अनुसार दीर्घाओं की पुनः व्यवस्थापन। 5. सार्वजनिक सुविधाओं का उन्नयन। 6. ब्रोशर/लोकप्रिय व्याख्यानों का प्रकाशन। 7. क्षमता निर्माण और पहुँच कार्यक्रम।				
(v)	प्रकाशन	1. अकादमिक और सूचनापरक श्रृंखला के अंतर्गत प्रकाशन। 2. विरासत के संबंध में ज्ञान का प्रसार और जागरूकता पैदा करना।			शैक्षणिक 1. भारतीय पुरातत्व – एक समीक्षा–2003–04 और 2004–05 व 2005–06 खंड प्रेस में हैं। संस्मरण – उत्खनन और आंतिचक प्रकाशित कालीबंगम और उदयगिरि प्रेस में है। सूचनापरक 1. ताजमहल, सारनाथ (हिंदी) पर गाइड पुस्तक	भारतीय पुरातत्व संबंधी आधार और भारतीय विरासत के बारे में जागरूकता में वृद्धि हुई।			चित्रों के साथ पूर्ण पांडुलिपि का प्राप्त न होना।

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ii) सांस्कृतिक जागरूकता	हमारी समृद्ध विरासत के बारे में लोगों में ज्ञान के प्रसार और जागरूकता पैदा करने के लिए (एएसआई के सर्कलों और शाखा कार्यालयों द्वारा विश्व विरासत और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों का समारोह मनाना।)			2. अजंता के संरक्षण के लिए जैव–विज्ञान अध्ययन संबंधी विशेष प्रकाशन–प्रकाशित किया गया। 3. काफी टेबर प्रकाशनः– दिल्ली के स्मारक, अंग्रेजी में प्रकाशित तथा हिंदी पाइ प्रेस में है। 4. सर्कलों और शाखाओं ने टिकट वाले स्मारकों में निःशुल्क वितरण के लिए केंद्रीय संरक्षित स्मारकों की पुरातत्वीय खोजों, अन्वेषणों, उत्खननों, संरक्षण और परिरक्षण संबंधी ब्रोशर/फोल्डर प्रकाशित किए हैं। स्कूल/कालेज छात्रों के लिए फोटो प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी/निबंध, पेंटिंग प्रतियोगिता, कार्यशाला और अन्य सांस्कृतिक समारोहों के आयोजन के माध्यम से (एएसआई के सर्कलों और शाखा कार्यालयों द्वारा विश्व विरासत और अन्य महत्वपूर्ण	विरासत की जागरूकता और अधिक रूचि			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					दिवसों का समारोह मनाना।)				
(vi)	राष्ट्रीय प्राचीन स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन	क) मिशन का उद्देश्य एएसआई के स्थल संग्रहालयों, राज्य सरकारों और विश्वविद्यालय में फैले पुरावशेषों का प्रलेखन करना है। ख) अरक्षित स्मारकों और स्थलों पर डाटा का संकलन (ग) विभिन्न वास्तुकला संस्थानों/संगठनों के अभिलेखीय ड्राईंग का डिजटीकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।			1. एएसआई के 42 स्थल संग्रहालयों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 1 लाख पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 1 लाख पुरावस्तुएं शामिल हैं। 2. एएसआई के 24 सर्कलों के मूर्ति शेडों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें लगभग 50,000 पुरावस्तुएं शामिल हैं। 3. एएसआई के केंद्रीय पुरावस्तु संग्रह में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन जिसमें 1 लाख पुरावस्तुएं शामिल हैं। 4. 29 राज्यों और 6 यू.टी के नियंत्रणाधीन 251 पुरातत्वीय संग्रहालयों में रखे पुरावस्तुओं का प्रलेखन। 5. सहायक माध्यमों जैसे– प्रकाशित और अप्रकाशित दोनों ही से 35, राज्यों और यू.टी	राष्ट्रीय मिशन ने 3,50,000 पुरावशेषों तथा 80,000 निर्मित विरासत और स्थलों को राष्ट्रीय डाटाबेस के सृजन के लिए एनएमएमए द्वारा विकसित निर्धारित टम्पलेट में प्रलेखित किया। केंद्रीय पुरावशेष संकलन, पुराना किला मे शुरू की गई पुरावशेषों के प्रलखन का काम चल रहा है।			* 9. देश के 10 विभिन्न शहरों में राज्यों और यू.टी के नियंत्रणाधीन संग्रहालय कार्मिकों की कार्यशालाएं। 10. 29 राज्यों और 6 यू.टी की सभी राजधानियों में स्कूली छात्रों के लिए विरासत जागरूकता संबंधी आउटरीच कार्यक्रम

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					में असंरक्षित विरासत और स्थलों के संबंध में डाटा का संकलन। 6. एएसआई के डाटा बैंक में रखे 4 लाख से अधिक पंजीकृत पुरावस्तुओं का कंप्यूटीकरण और डाटाबेस। 7. एएसआई के 24 सर्कलों, 6 शाखाओं, 2 मंदिर सर्वेक्षण परियोजनाओं और 1 भवन सर्वेक्षण परियोजना में उपलब्ध अभिलेखीय रेखाचित्रों का डिजिटीकरण 8. 3675 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों और स्थलों का डाटाबेस तैयार करना।*				आयोजित किया जाएगा। 11. क्षमता निर्माण कार्यक्रम के भाग के रूप में सभी 29 राज्यों में एनजीओ और संबंधित राज्य अधिकारियों के लिए विरासत संरक्षण और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
18	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**	यह केन्द्र सरकार के मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों और उनके पूर्ववर्ती निकायों के स्थायी महत्व	**14.50**	**5.00**			**14.18**	**4.88**	सामान्यतः योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		के वर्तमान–भिन्न अभिलेखों का संरक्षक है। अभिलेख प्रबंधन कार्यकलापों तथा उनके स्थायी परिरक्षण और भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग हेतु नोडल एजेंसी।							प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चो के लिए किया जाता है।
(i)	अभिलेख प्रबंधन कार्यक्रम का विस्तार	i. सार्वजनिक अभिलेखों का प्रापण। ii. फाइलों का मूल्यांकन। iii. अभिलेख प्रतिधारण अनुसूची का पुनरीक्षण। iv. अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित करना। v. सार्वजनिक रिकार्ड अधिनियम, 1993 पर डी. जी. ए. की 9वीं तथा 10वीं रिपोर्ट का संकलन। vi. डी. आर. ओ. के लिए आर. एम. में			15,000 फाइलों/रिकार्डो का प्रापण। रिकार्डो की 15000 फाइलों का मूल्यांकन स्थानांतरित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के 80,000 रिकार्डो का मूल्यांकन 10 रिकार्ड प्रतिधारण अनुसूचीं की जांच (वेटिंग) एक वार्षिक बैठक आयोजि की जानी है और अनुवर्ती कार्रवाई की जानी है। 11वीं व 12वीं डीजीए रिपोर्ट का संकलन	6865 फाइलें अधिग्रहीत की गईं, 6861 रिकार्ड का मूल्याकंन, रिकार्ड मूल्याकंन के लिए विभिन्न मंत्रालयों में 28 अभिलेखीय सहायकों को नियुक्त किया गया। 31.03. 2011 तक स्थानांतरित 2,68,519 रिकार्डो, 1,37,738 फाईलों का मूल्यांकन। एआईएमएस पैकेज ऑनलाईन मे सूचीबद्ध विषय 56,138 फाईलें। एनएआई में प्राप्त रिकार्डो का संसाधन और व्यवस्थापन (अप्रैल, 2010 से) 84,026 फाइलों की वास्तविक जांच, 25,131 फाइलों का व्यवस्थापन, एनएआई में			अभिलेखीय सलाहकार बोर्ड की 10वीं, 11वीं और 12वीं बैठक आयोजित की गई और विभिन्न सिफारिशें सभी संबंधितों को परिचालित की गई। भारत सरकार के 85 मंत्रालयों को सार्वजनिक

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		प्रबोधन पाठ्यक्रम आयोजित करना। vii. मंत्रालय/विभाग/ कार्यालयों के डी. आर. आर. के निरीक्षण।			कार्य पूरा किया जाना है। 7 ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम आयोजित किया जाना है। 16 डीआरआर का निरीक्षण किया जाना है।* दो रिकार्ड प्रतिधारण सूची का पुनरीक्षण किया गया।*	प्राप्त 1,33099 फाइलों का रिकार्ड प्रक्रिया में है।			अभिलेख अधिनियम पर कार्यान्वयन के संबंध में 80 घंटे मेंप्रस्तुत करने के लिए कहा है। 7 ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम चलाए गए।
(ii)	मरम्मत एवं रेप्रोग्राफी का विस्तार	अभिलेखों की मरम्मत, पुस्तकों/खण्डों की जिल्दसाज़ी/सुरक्षा माइक्रोफिल्मिंग की तैयारी, सुरक्षा माइक्रोफिश फिल्मों की तैयारी, माइक्रोफिल्मों की पाज़ीटिव प्रिंटिंग, मांग के अनुसार विद्वानों को प्रतियों (ज़ेरॉक्स/फोटो/रीडर/माइक्रोफिल्म) की आपूर्ति ।			1,10,000 शीटों की मरम्मत की जानी है। 80 पुस्तकों/ 200 खण्डों और 1000 विविध खण्डों की जिल्दसाज़ी की जानी है, 720 रोलों की माइक्रोफिल्म तैयार करनी है। ताड़, टेराट और तुलार प्रत्येक के पत्तों के 100 बंडलों का परिरक्षण। 60,000 एक्सपोज़र पूरे किए जाने हैं, 28,000 मीटर प्रिंटिंग पूरी की जानी है। अध्येताओं को 50,000	105,700 शीटों की मरम्मत, समेटे गए खंड–240, पुस्तकें–291 और विविध मदों 2854 की जिल्दसाजी की गई। 215 खंडों, 250 पुस्तकें और विविध मदों 2763 की सिलाई की गई। एन ए आई के दुर्लभ रिकार्ड और पुस्तकों की मरम्मत और परिरक्षण के लिए कार्य की आउटसोर्सिंग की प्रक्रिया चल रही है।			*दुर्लभ और महत्वपूर्ण पुस्तकों और प्रकाशनों के पुस्तकालय सामग्री की जिल्दसाजी और बाईंडिंग के अंतर्गत 2414 खंडों की सिलाई और

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		माइक्रोफिल्म का कार्य बाहर से कराना/एनएआई में उपलब्ध नेगेटिव माइक्रोफिल्म रोल की पोजिटिव माइक्रोफिल्मिंग का कार्य बाहर से कराना।			प्रतियों की आपूर्ति की जानी है। माइक्रोफिल्म स्केनर से 396000 इमेजों , हाइब्रिड कैमरा से 6000 इमेजों की स्कैनिंग, माइक्रोफिल्म स्कैनर से की स्कैनिंग। पांडुलिपियों का डिजिटीकरण – 300 चित्र।	सार्वजनिक अभिलेखों का संरक्षण/परिरक्षण के अंतर्गत 1,99,241 शीटों की मरम्मत और लैमिनेशन, 2480 कार्यवाही खंडों की सिलाई और जिल्दसाजी की गई। 1,73,863 शीटों की मरम्मत और लेमिनेशन*			जिल्दसाजी की गई। ताड़पत्र एमएसएस–6 778 बंडल और 21,627 शीटों का संग्रहालय संरक्षण, 671 रोल माइक्रोफिल्म।
(iii)	पुस्तकालय का विस्तार और प्रशासन	पुस्तकों की खरीद कम्प्यूटर में डाटा एंट्री डाटा इनपुट शीटों को तैयार करना।			पुस्तकों/पत्र–पत्रिकाओं की प्राप्ति क्रमांक – 700; डाटा इनपुट शीट तैयार करना–700; पुस्तकों/पत्रिकाओं का वर्गीकरण – 700 तैयार किए गए पुस्तक कार्ड – 1500	1258 पुस्तकें प्राप्त की गई, 1482 पुस्तकों पर प्राप्ति क्रमांक चढ़ाया गया, 1369 को वर्गीकृत किया गया, 4633 कार्डस तैयार किए गए, 1546 कम्प्यूटर प्रविष्टि की गई। 1036 पुस्तकों को लेमीनेट किया गया।			
(iv)	राष्ट्रीय पंजीकरण या निजी रिकार्डस (एनआरपीआर) का विस्तार	एन आर पी आर खण्डों का प्रकाशन			खण्ड 24 और 25 को संकलित और पूरा करना है।	अभी तक प्राप्त प्रदर्शनकर्ताओं की सूची बनाई गई। एन आर पी आर के खण्ड–24 की संकलन और सम्पादन का कार्य प्रगति पर है।			राज्यों/संघ राज्य अभिलेखों/ आरएससी से पर्याप्त संख्या

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
									में यथोचित फाइल किए हुए प्रोफार्मा प्राप्त होने के अध्यधीन
(v)	अभिलेखीय अध्ययनों के स्कूल के कार्यकलापों का विस्तार	क) अभिलेखागार एवं अभिलेख प्रबंधन में एक वर्ष का डिप्लोमा ख) अभिलेखीय प्रबंधन एवं संबद्ध शाखाओं में अल्पावधि पाठ्यक्रम ग) मासिक बातचीत, स्कूल पुस्तकालय के परिरक्षण रिकार्ड प्रबंध और विस्तार पर कार्यशाला और सेमिनार			अभिलेख और रिकार्ड प्रबंध 2009–10 में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा किया गया और डिप्लोमा पाठ्यक्रम 2010–11 आरम्भ किया जा रहा है। (क) रिकार्ड प्रबंध में अल्पावधि के 2 पाठ्यक्रम आयोजित किए जाने है। (ख) रेफरोग्राफी–2 पाठ्यक्रम (ग) रिकार्ड की सर्विस और रिपेयर–2 पाठ्यक्रम (घ) पुस्तकों/एमएमएस/अभिलेख के देख–भाल और अनुरक्षण के 2 पाठ्यक्रम (ड.) अभिलेख प्रबंध–1 पाठ्यक्रम*	अभिलेख प्रबंधन, रिप्रोग्राफी व रिकार्डों की सर्विसिंग और मरम्मत, पुस्तक/एसएसएस/ अभिलेखों की देखभाल और संरक्षण प्रत्येक में अल्पकालीन पाठ्यक्रम के अंतर्गत दो पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। अभिलेख प्रबंधन पर भी एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। अभिलेख प्रबंधन और आरटीआई पर पोर्ट ब्लेयर में 2दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। पोर्ट ब्लेयर और एलकेए, नई दिल्ली में अभिलेख प्रबंधन और संरक्षण व माइक्रोफिल्मिंग, डिजिटीकरण पर 3दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।			अभिलेखीय प्रबंधन, संरक्षण पर एक सप्ताह की कार्यशाला तथा कला एवं संस्कृति विभाग, मेघालय सरकार के सहयोग से अभिलेखीय प्रबंधन, संरक्षण पर एक सप्ताह की कार्यशाला तथा माइक्रोफिल्म/ डिजिटीकरण आयोजित किया गया।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(vi)	पूर्वोत्तर में रिकार्ड केंद्र की स्थापना	क. पुराने रिकार्डों का सर्वेक्षण और प्रविष्टि। ख. रिकार्डों का मूल्यांकन। ग. रिकार्ड प्रतिधारण सूची की वेटिंग। घ. इंटैक, भुवनेश्वर द्वारा रिकार्डों की मरम्मत और संरक्षण।			पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्र सरकार के कार्यालयों मे पुराने रिकार्डों का सर्वेक्षण और अर्जन। 2000 फाइलों का मूल्यांकन किया जाना है। 2 रिकार्ड प्रतिधारण सूची की वेटिंग। 30 शीट प्रति कार्य दिवस।	सार्वजनिक और ओरिएंटल रिकार्डों का अर्जन–एंड्रू यूले कं. कोलकाता से 384 रिकार्ड प्राप्त किए गए। मयूर भंज गजट के 9 खंड प्राप्त किए गए। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण कोलकाता से 4317 फाइलें प्राप्त की गई। आयरन स्टील कोलकाता से 306 मूल्यांकित फाइलें प्राप्त की गई, गोपीनाथ मोहंती स्मारक न्यास से 33 ताड़पत्र एमएसएस प्राप्त की गई।			निर्अम्लीकरण , दोनों तरफ लाइन बनाना, गार्डेनिंग सीधा करना और सिलाई करना। इंटैक द्वारा 25642 शीटों की सिलाई की गई, 1413 शीटों का डिजिटीकरण किया गया। 10,000 पुरानी फाइलों का मूल्यांकन किया गया।
(vii)	पाण्डुलिपियों/ दुर्लभ पुस्तकों के परिरक्षण हेतु एनजीओ को वित्तीय	मूल्यवान दस्तावेज प्राप्त करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र में व्यक्तियों/ एन जी ओ को वित्तीय सहायता देना			अनुदान समिति की बैठक आयोजित की जानी है। समिति द्वारा संस्तुत राशि को संस्तुत संस्थाओं को जारी किया जाना है।	18 एनजीओ को पहली और दूसरी किस्त के रूप में 5. 80 लाख रू. की राशि जारी की गई। इसके अतिरिक्त, 15 एनजीओ को 10.42			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता की स्कीम					लाख रू. भी जारी किए गए।			
19	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	यह भारत में कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है, जो प्रापण, प्रदर्शनी और शैक्षिक कार्यकलापों के महत्वपूर्ण कार्यों में संलग्न है।	**7.75**	**10.00**			**7.81**	**9.67**	सामान्तया योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।
(i)	कलावस्तुओं तथा घटनाओं का फोटो प्रलेखन।	संग्रहालय संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया गया। • लघु चित्र • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं • पाण्डुलिपियाँ			संग्रहालय संग्रह का रंगीन फोटो–प्रलेखन, प्रदर्शनियों तथा प्रकाशन प्रयोजनों के लिए प्रदर्श और प्रचार–प्रसार हेतु घटनाओं का कार्य मांग के अनुसार किया गया। • लघु चित्र • मध्य एशियाई पुरावस्तुएं पाण्डुलिपियाँ	• **एशिया ब्रसेल्स प्रदर्शनी के लिए विषयांतरण** – 1364 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए। • **चीन प्रदर्शन** – 13 सीडी तैयार की गई। • सभी अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरे, समारोहों में भाग लिए –445 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए। • सभी विभागों, वस्तु फोटोग्राफी –640 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए।			• *कलावस्तुओं की डिजिटल फोटोग्राफी (स्टिल) –1332 निगेटिव तैयार की गई। • डिजिटल/छायाप्रति (सीडी) की आपूर्ति – 60 सीडी तैयार की

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						• **श्याम श्वेत प्रिंट** – 18837 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए। • **कला निगेटिव** – 950 रंगीन प्रिंट तैयार किए गए।*			गई। पुराने श्याम–श्वेत निगेटिव (वास्तविक जांच) – 7000 निगेटिव तैयार की गई।
(ii)	संग्रहालय का प्रदर्शन एवं आधुनिकीकरण मौजूदा वीथियों का पुनर्गठन	अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार और आधुनिक प्रोद्योगिकी के अनुसार वहाँ वीथियों और वस्तुओं के प्रदर्शन की व्यवस्था करना।			• आभूषण दीर्घा • मध्य एशिया तैल चित्र दीर्घा • पांडुलिपि • कास्य • पूर्व–कोलंबियाई और पश्चिमी कला • समुद्री विरासत • मानव विज्ञान • पूर्व कोलंबियाई और पश्चिमी कला	• ''शारण रानी बाकलीवाल संगीत यंत्र दीर्घा''–पुनः व्यवस्थित की गई और आम जनता के लिए खोल दी गई। • सजावटी कला दीर्घा नं. 1 की पुनः व्यवस्थापन कार्य शुरू किया गया। • **मंदिर रथ** संग्रहालय के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित मंदिर रंथ के आवरण को पुनः निर्मित किया गया। अब मंदिर रथ के प्लास्टिक आवरण की जगह सख्त ग्लास आवरण लगाया गयाहै। विद्यमान			*सजावटी कला (i) काष्ठ दरवाजा संग्रह के लिए विशेष भंडारण (ii) वस्त्रों के लिए मोडुलर भंडारण प्रणाली

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						हिंदी और ग्लास लेबलों को संशोधित और संपादित किया गया। • ग्लास आवरण और हिंदी और अंग्रेजी लेबल संबंधी कार्य पूरा है। • पोशाक दीर्घा का कार्य चल रहा है। • बाहर, भूतल गोल–भवन व कॉरीडोर में प्रदर्शित मूर्तियों के लिए मेटल के नए संकेतक लगाए गए। • भूतल कॉरीडोर और गोल–भवन में प्रदर्शित मूर्तियों के लिए 32 पेडस्टलों में सुधार किया गया। • रफू करने के बाद पोशाकों शोकेसों में प्रदर्शित किया गया। अशोक शासनादेश के हिंदी और अंग्रेजी प्लास्टर कास्ट को राष्ट्रीय संग्रहालय के लॉन में प्रदर्शित किया गया।			
(iii)	वस्तुओं को	शिल्प तथ्यों को और			रबर सांचे तैयार करना, विक्रय	190 प्रतिकृतियों के कच्चे			*850 सांचों

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्लास्टर कास्ट में रि–मॉडेलिंग करना। संग्रहालय पुस्तकालय के लिए पुस्तकों की खरद और शैक्षिक कार्यकलाप और आउटरीच कार्यक्रम	आकर्षक तथा रंगीन बनाना।			और उपहार के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रंगीन और कच्चा तैयार तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस से तैयार प्रतिकृति के कच्ची लागत तैयार करना।	ढ़ांचें प्लास्टर आफ पेरिस में तैयार किए गए। 1362 प्रतिकृतियों के कच्चे ढ़ांचे तैयार किए गए और 1224 प्रतिकृतियों को रंगीन किया गया। रबर सांचे तैयार करना, विक्रय और उपहार के लिए अनुमोदित सूची के अनुसार रंगीन और कच्चा तैयार तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस से तैयार प्रतिकृति के कच्ची लागत तैयार करना*			और इसकी रंगाई आदि की ढलाई।
(iv)	कलावस्तुओं का पुनरूद्धार और संरक्षण। तैल चित्रों का पुनरूद्धार/ पुरावस्तुओं/ कलावस्तुओं का पाठ्यक्रम पाण्डुलिपियों के संरक्षण/ जिल्दसाज़ी	• पुरावस्तुओं और कलावस्तुओं को क्षरण से बचाना। • राष्ट्रीय संग्रहालय और अन्य संग्रहालयों/संस्थानों के संग्रहालय स्टाफ को संरक्षण की नवीनतम प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित करना। • प्रयोगशाला को			**संरक्षण :** • संग्रहालय संग्रह से 1000 वस्तुओं का रासायनिक उपचार/सरंक्षण • 50 पांडुलिपियों का जीर्णोद्धार/सरंक्षण और जिल्दसाजी • 200 हड़प्पाकालीन/मानव विज्ञान धातु वस्तुओं का रासायनिक विश्लेषण	राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रयोगशाला, दीर्घाओं, भंडार, संग्रहालय वाटिका और गोलभवन में लगभग 560 वस्तुओं की सफाई और परिरक्षण। आरक्षित भंडार में 237 वस्तुओं का सर्वेक्षण और निरोधात्मक सर्वेक्षण, संसद भवन में 59 पैनल पेंटिग का संरक्षण, गोवा संग्रहालय की 3 वस्तुओं			***कार्यशालाएं एवं सम्मेलन** • लाहोल स्पीति में कलावस्तु संरक्षण पर कार्यशाला • लेह में कलावस्तु संरक्षण पर कार्यशाला

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	हेतु उपकरणों का प्रापण।	नवीनतम उपकरणों से सज्जित रखना।			• बाहरी संस्थानों जैसे–संसद भवन, राष्ट्रपति भवन आदि की वस्तुओं का मांग के अनुसार संरक्षण कार्य। **शिक्षण एवं प्रशिक्षण** • पांडुलिपियों/धातु वस्तुओं के संरक्षक में 3 महीने का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम। • धातु और काष्ठ वस्तुओं पर विभिन्न संग्रहालयों/कला दीर्घाओं के संग्रहाध्यक्षों के लिए 4 दिवसीय निरोधक संरक्षण संबंधी कार्यक्रम। • **राष्ट्रीय संग्रहालय वस्तुओं का सर्वेक्षण** • एक वर्ष में लगभग 1000 वस्तुओं की संरक्षण की प्राथमिकता निर्धारित करने के लिए विभिन्न अनुभागों की कलावस्तुओं की जांच*	का संरक्षण, दरबार हाल, राष्ट्रपति भवन में बुद्ध की शिला मूर्ति का संरक्षण, 286 वस्तुओं की जांच/तैयार की गई, महाराजा, ईश्वरीय और ब्रहमांड और मैसेज टू एशिया प्रदर्शनी से संबंधित स्थिति रिपोर्ट, आईजीएनसीए और पांडुलिपि मिशन के सहयोग से सचित्र पांडुलिपि के संरक्षण पर कार्यशाला; संरक्षण पूर्व और संरक्षण के बाद के उपचार के लिए संग्रहालय कलावस्तुओं का फोटो प्रलेखन किया गया।, 680 निगेटिव तैयार की गई।			• पूर्वोत्तर में कार्यशाला प्रयोगशाला की पुनः व्यवस्था • आवश्यकतानुसार प्रयोगशाला के लिए उपकरणों की खरीद, स्थिति रिपोर्ट– भारत और विदेश में विभिन्न प्रदर्शनियों के लिए चयनित कलावस्तुओं की स्थिति रिपोर्ट की जाचं और तैयारी
(v)	प्रदर्शनी	• प्राचीन भारतीय कला और संस्कृति को			संग्रहालयों वस्तुओं की विशेष फोटो प्रदर्शनी। प्रदर्शनियों का	• ''सानौगावुट : इन्यूट आर्ट फ्राम कनाडियन आर्कटिक''			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लोकप्रिय बनाना • विषयक प्रदर्शनियाँ आयोजित करना • सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम के तहत् प्रदर्शनियाँ आयोजित करना			आयोजन संस्कृति मंत्रालय के द्विपक्षीय समझौते को अंतिम रूप देने पर निर्भर करता है।	नामक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। • सीडब्ल्यू–2010 में अक्सर पर ''भारत में क्रीड़ा एवं खेल'' लागू प्रदर्शनी आयोजित की गई।			
	प्रकाशन	सूचीपत्र बुलेटिन, गाइड पुस्तकें, कला प्रकाशन आदि प्रकाशित करना।			आमंत्रण प्रत्र, ब्रोशर का मुद्रण, सीमित प्रकाशन और दीर्घा सूची पत्रों आदि का पुनः मुद्रण,	आधुनिकीकृत–पुनर्व्यवस्थित दीर्घाओं दीर्घाओं और आगामी प्रदर्शनियों के लिए आमंत्रण पत्र, फोल्डर्स, प्रचार सामग्री आदि का मुद्रण।			
	संग्रहालय की सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण	संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करना।			सीसीटीवी सिस्टम सुरक्षा उपकरणों का इलेक्ट्रॉनिक निरीक्षण और अनुरक्षण, मेसर्स ईसीआईएल को एएमसी दी गई।	राष्ट्रीय संगह का ब्रोशर हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित किया गया है, सभी साधीय अवधि के दौरान संग्रहालय का न्यूज़ लेटर प्रकाशित किया गया।			
20	**राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्**	विज्ञान शिक्षकों, छात्रों, युवा उद्यमियों, तकनीशियनों आदि के	**24.25**	**21.00**			**34.46**	**30.96**	सामान्तया योजनेत्तर अनुदान का

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लिए प्रदर्शनी, संगोष्ठियाँ, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना।							प्रयोग प्रशासनिक और स्थापना संबंधी कार्यों के लिए खर्च किया जाता है।
(i)	.नवीन वीथियाँ स्थापित करना, .प्रदर्शों का उन्नयन और अद्यतन, .नयी परिचालन योग्य प्रदर्शनियाँ, .नयी सचल विज्ञान प्रदर्शनी इकाइयाँ, नयी प्रशिक्षण सुविधाएँ, .प्रमुख सिविल कार्यों	देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण, प्रोन्नयन करना और उसे लोकप्रिय बनाना।			एनबीएससी, सिलीगुड़ी, डीएससी, पुरूलिया, आरएससी, भुवनेश्वर, आरएससी, जयपुर, वीआईटीएम, बेंगलुरू, आरएससी, कोयंबटूर नई दीर्घाएं स्थापित की जाएंगी एसएससी, पटना में 'इमेज', डीएससी धेनकनाल में 'फन साइंस', बीआईटीएम, कोलकाता में 'संचार', एनएससी, दिल्ली में 'हाल आफ मिरर्स', विज्ञान केंद्र, बर्दन्वान फन साइंस' में अतिरिक्त दीर्घाए। वर्ष के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय विज्ञान केंद्रों में दीर्घाओं का प्रमुख रूप से नवीकरण किया जाएगा। दो नई चल प्रदर्शनियां	नई दीर्घाएं एवं दीर्घाओं का नवीकरण; वीआईटीएम, बेंगलुरू में 'इलेक्ट्रॉनिक तकनीक' तथा वीआईटीएम कोलकाता में 'मैथमैटिक्स' पूरा किया गया और उद्घाटन किया गया। डीएससी, दीर्घा में 'रिफ्लेक्शन' स्थापित की जाएंगी। डीएससी दीर्घा में 'फन साइंस' दीर्घा का नवीकरण; एनएससी, दिल्ली में 'एस्ट्रोनामी' पर डिजाइनिंग और प्रदर्शनी के विकास सहित नेहरू तारामंडल परियोजना तथा आरएससी, लखनऊ में 'बाल विज्ञान' दीर्घा का कार्य वर्ष के दौरान पूरा किया गया।			वीआईटीएम, बेंगलुरू में मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी (2 यूनिट); एनएसई (22 यूनिट) ने देश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी प्रदर्शनी जारी रखा। सीआरटीएल, एनआईटीएम, आरएससी, नागपुर में विभिन्न

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहित देश के विभिन्न भागों में स्थित 25 विज्ञान केन्द्रों की आधारिक अवसंरचना तथा मौजूदा सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। . विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यवसायिक योग्यता प्राप्त करने के लिए विज्ञान सम्पैषण में एमएस पाठ्यक्रम				विकसित की जाएंगी, मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी के लिए लोकप्रिय विज्ञान प्रदर्श भी लगाए गए। अन्य यात्रा प्रदर्शनियां परिचालित होना जारी रहेंगी। विज्ञान मेला, सेमिनार, उत्सव, मल्टी–मीडिया शो, व्याख्यान, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, रचनात्मक योग्यता प्रोग्राम आदि सहित विभिन्न प्रमुख शैक्षिक कार्यकलाप भी आयोजित/विकसित किए जाएंगे। लिफ्ट का नवीकरण संस्थापन, शौचालय, बोरवेल, ए.सी. कलावस्तु, भंडारण सुविधा आदि सहित अनेक सिविल कार्य शुरू किए जाएंगे। विज्ञान सम्प्रेषण एमएस पाठ्यक्रम जारी रहेगा।	'अभिलेखागार से' विषय पर अस्थाई प्रदर्शनी का विकास, एनएससी, दिल्ली में 'प्राचीन दिनों में दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय खेल' पूरा किया गया तथा राष्ट्र मंडल खेल के दौरान प्रदर्शित किया गया। एनएससी दिल्ली में दिल्ली जल बोर्ड के लिए 'जल एवं जल प्रबंधन' पर 34 प्रदर्शों की साज–सज्जा का कार्य पूरा किया गया। एनएससी, मुबंई में 'न्यूक्लियर पावर' पर नई दीर्घा; डीएससी, धेनकनाल में 'लोकप्रिय विज्ञान'; एसएससी पटना में 'इमेजेज'; बीआईटीएम, कोलकाता में 'चिल्ड्रन'; डीएससी, पुरूलिया में '3डी थिएटर' तथा आरएससी, भुवनेश्वर में अन्य नई दीर्घाएं; विज्ञान केंद्र, बर्दवान; एनएएसआई, इलाहाबाद; आरएससी, तिरूपति; आरएससी, कोयंबटूर; आरएससी पिलिकुला;			विषयों पर चल प्रदर्शनियां पूरी की गई। परिषद में लेजर शो विज्ञान मेले, इंजीनियर मेले, सेमिनार, विज्ञान नाटक, व्याख्यान आदि सहित पूरे देश में अपने सभी विज्ञान केंद्रों में अनेक प्रमुख शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करना जारी रखा। विज्ञान केंद्र भवन की बाह्य सज्जा, उपकेंद्र का

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						एनएससी, मुबंई वर्ष के दौरान स्थापित किए गए। वर्ष के दौरान वीआईटीएम, बेंगलुरु में 'नैनोटैक्नोलोजी' पर अन्य नई दीर्घा भी जोड़ी गई है।			उन्नयन, भंडारण सुविधाओं का निर्माण आदि सहित प्रमुख सिविल कार्य पूरे देश में विभिन्न विज्ञान केंद्रों पर शुरू किए गए।
(ii)	मुख्य उपकरणों का प्रापण	विभिन्न आरएससी में नवीनतम उपकरणों को उपलब्ध करवाना और आधुनिकीकरण			3 डी प्रस्तुतीकरण प्रणाली के लिए नई फिल्म तथा विभिन्न केन्द्रों के लिए बडे फार्मेट प्रस्तुतीकरण प्रणाली (एलएफपीएस) स्पार्क थिएटर, डिजिटल तारामंडल और प्रवाही कल्पना प्रणाली का प्रापण	वेन–डी–ग्राफ जनरेटर (स्पार्क थिएटर) (2 सेट) और बड़े आकार में वीडियों वाल एलसीडी स्क्रीन, एमएसई बस तैयार करने के लिए चेसिस (5), 3डी थिएटर के लिए उपकरण (5 सेट), 8 इंच का सीपीई, टेलीस्कोप (8 सेट) पहले ही प्राप्त कर लिए गए हैं।			कालम 3 में उल्लिखित अन्य मदें मार्च, 2012 तक खरीद ली जाएंगी।
(iii)	पूर्वोत्तर राज्यों में नए विज्ञान केंद्र – (क) आर एस सी, गुवाहाटी	आम जनता तथा विशेषतः संबंधित क्षेत्र के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक रूझान पैदा करना।			नए प्रदर्शों आदि की साज–सज्जा द्वारा बुनियादी और विद्यमान सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण। असम राज्य में डिजिटल गुंबद	बायोमशीन दीर्घा के प्रदर्श विकास के लिए कार्य जारी रहा। एसआरएससी, जोरहाट संबंधी कार्य पहले ही शुरू किया जा			एसआरएससी, मिजोरम, त्रिपुरा, जोरहाट, मेघालय और

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(विद्यमान केंद्र) (ख) एसआरएससी, जोरहाट (अनवरत परियोजना) (ग) एसआरएस, गंगटोक (उन्नयन और सुकांत अकादमी, त्रिपुरा) (घ) एससी आइजोल, (उत्प्रेरक समर्थन) मिजोरम के लिए 3डी थियेटर का विकास				तारामंडल के साथ नए विज्ञान केंद्र स्थापित करना। तारामंडल के साथ एसआरएससी, गंगटोक का विस्तार कार्य। सुकांत अकादमी, त्रिपुरा के लिए ''वेल्थ आफ त्रिपुरा'' पर दीर्घा के लिए प्रदर्शों (30) का विकास।	चुका है और जनवरी, 2012 तक पूरा होने की आशा है। एसआरएससी के उन्नयन के निर्माण के लिए नक्शा दिया गया है और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। प्रदर्शों के लिए कैबिनेट का सुधार कार्य पूरा हो गया है।			गंगटोक 2011–12 में शुरू करेंगे।
21	**विज्ञान शहर**	देश के चुनिंदा केन्द्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को	–	12.00	सामान्तया योजनेत्तर अनुदान का प्रयोग प्रशासनिक और		0.00	12.80	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		लोकप्रिय बनाना।			स्थापना संबंधी खर्चों के लिए होता है।				
(i)	अनवरत परियोजनाएं आर एस सी रायपुर, आर एस सी, धारवाड़ और आर एस सी रांची, और एसआरएससी, सोलापुर कोयंबटूर, आरएससी, जयपुर, आर एस सी पिलिकूला (बैंगलोर), । पीसीएमसी, पुणे; आरएससी, गुवाहाटी और आरजीएससी, मॉरिशस	कर्नाटक, छत्तीसगढ़, झारखंड, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, राजस्थान, पुदुचेरी (यू.टी) और पश्चिमी बंगाल में नए विज्ञान केंद्र/विज्ञान शहर स्थापित करना।			क्षेत्र के लोगों में विज्ञान को लोकप्रिय बनाना, विज्ञान संदेश फैलाना तथा वैज्ञानिक टेंपर और जागरूकता पैदा करना।	आरएससी रांची का दिनांक 29.11.2010 को उद्घाटन किया गया। आरएससी रायपुर का उद्घाटन शीघ्र ही किया जाएगा। धारवाड़, कोयंबटुर, जयपुर, पिलिकुला (बेंगलुरू), पीसीएमसी, पुणे का कार्य चल रहा है। देहरादून, जोधपुर, पुदुचेरी के लिए सिविल कार्य शुरू किए गए है।*			* नए केंद्रो का निर्माण कार्य शुरू होने की तारीख से 33 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। आरएससी रांची और रायपुर का कार्य पूरा हो गया है।
(ii)	पुणे, असम	लोगों में बड़े स्तर पर			वर्ष के दौरान ये नई	वर्ष 2011–12 और			आरएससी,

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(उन्नयन) और मारीशस (भारत के बाहर) में नए आरएससी	विशेषकर छात्रों में वैज्ञानिक टेम्पर पैदा करना।			परियोजनाएं शुरू की जाएंगी जो विज्ञान शहर मानदंड/दिशा निर्देशों के अध्यधीन होंगी।	2012–13 के दौरान विज्ञान अध्ययन केंद्र, नेपाल और आरजीएससी, मारीशस का कार्य शुरू किया जाएगा।			कोयंबटूर, पिलिकुला और जयपुर में कार्य चल रहा है।
22.	**भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण**	जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में मानव जनसंख्या पर अनुसंधान कार्यकलाप के लिए वचनबद्ध। इसके कार्यकलापों में नृजातीय सामग्रियों तथा प्राचीन मानव कंकाल संबंधी अवशेषों का संग्रहण, परिरक्षण, अनुरक्षण, प्रलेखन और अध्ययन शामिल हैं।	**16.25**	**10.50**			**17.26**	**9.54**	सामान्यतया योजनेत्तर अनुदान का उपयोग प्रशासनिक और स्थापना व्यय के लिए होता है।
(i)	प्रलेखन और प्रसार कार्यकलाप–I– हिंदी भाषा के प्रकाशनों के प्रापण के लिए विशेष अभियान	7 क्षेत्रीय केंद्रों तथा कोलकाता स्थित केंद्रीय राष्ट्रीय पुस्तकालय में मानव विज्ञान पुस्तकालयों का अनुरक्षण करना तथा संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण और क्षेत्रीय सौंदर्यीकरण के साथ इसका रख–रखाव			क्षेत्रीय केंद्रों और प्रधान कार्यालय में स्थित इस सर्वेक्षण के विद्वान पुस्तकालय सामग्री के रूप में संसाधन को बनाए रखते हैं। सर्वेक्षण के वेबसाईट का उन्नयन। सर्वेक्षण 1 लाख रु. मूल्य की पुस्तक बेचेगा। प्रदर्शनी को	सर्वेक्षण में पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण चालू है। सर्वेक्षण में सभी पुस्तकालयों के रेट्रो–कन्वर्सन और डिजटीकरण का काम जारी रहा। नई पुस्तकें, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों और दस्तावेजों की खरीद की गई।			*सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्रों ने राष्ट्रीय सेमिनार सहित 50वीं स्वर्ण जयंती समारोह मनाया।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	पहल I सभी क्षेत्रीय केंद्रों के पुस्तकालय में समन्वय स्थापित करना। कार्यकलाप–II – पुस्तकालय सेवाओं का योजनबद्ध तरीके से आउटसोर्स करना। कार्यकलाप–III–विद्यमान दीर्घाओं, संग्रहालयों का अनुरक्षण	भी करना।			3–4 लाख दर्शकों द्वारा देखे जाने की आशा है। 25 16एमएम विजुएल वृत्तचित्र को बीटा–कैम फॉर्मेट में बदलने का 1000 से अधिक ऑडियो कैसेटों का काम जारी रहेगा। नृजातीय कला वस्तुओं के साथ ही संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण जारी रहेगा।	संग्रहालय नमूलों के सरंक्षण एवं प्रलेखन का काम जारी रहा। जोनल संग्रहालयों के अनुरक्षण का काम जारी रहा। संग्रहालय नमूनों का संकलन, संरक्षण और प्रलेखन जारी। सर्वेक्षण के सभी संग्रहालयों के विकास का काम चल रहा है। पोर्ट ब्लेयर के क्षेत्रीय मानवविज्ञान संग्रहालय में टच स्क्रीन सूचना प्रणाली लगाई गई। सर्वेक्षण ने शिरा पुंखी, चकडाह में कलावस्तुओं और फोटो की विषयगत–प्रदर्शन आयोजित किया। संग्रहालय द्वारा पूर्वोत्तर और किसी राज्य में अनेक प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।			मानव मूल जेनोम और भारत के लोग पर प्रदर्शनी, भारत में जैव सांस्कृतिक विविधता, दामोदर मेला अनेक क्षेत्रीय केंद्रों पर आयोजित किए गए।
(ii)	अध्येतावृत्ति कार्यक्रम	वर्तमान में सर्वेक्षण में 47 फेलो हैं, जिसे बढ़ाकर 67 करने का प्रस्ताव है। ये देश में मानव शक्ति विकास के महत्वपूर्ण घटक हैं।			वर्तमान में सर्वेक्षण में 47 फेलो हैं, जिसे बढ़ाकर 67 करने और वजीफा को भी बढ़ाने का प्रस्ताव है।	सर्वेक्षण ने जेआरडी और एसआरएफ के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदकों में लिखित परीक्षा आयोजित किया। विभिन्न राष्ट्रीय योजना परियोजना/स्कीम के लिए फील्ड कार्य में कार्यरत			*संबंधित सिद्धांत जांचकर्ता के पर्यवेक्षण के अधीन।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						शोध अध्येता अपना नियोजन जारी रखेंगे।			
(iii)	मानवशक्ति प्रशिक्षण/सलाहकार/ कार्यपालक समिति/ विशेषज्ञों की बैटक सहयोगात्मक स्कीमें सूचना और प्रौद्योगिकी	कार्यपालक परिषद की आंतरिक बैठकों के अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैटकें और प्रशिक्षण कार्यक्रमें अपेक्षित होती हैं, जिसमें वाहरी विशेषज्ञ शामिल होते हैं।			विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैटकें और प्रशिक्षण कार्यक्रमें अपेक्षित होती हैं, जिसमें वाहरी विशेषज्ञ शामिल होते हैं। चालू वित्तर वर्ष के दौरान कम से कम दो वार सर्वेक्षण की राष्ट्रीय सलाहकार समिति की बैठक अपेक्षित होती है। प्रशासनिक और सहयोगी स्टाफ का प्रशिक्षण। इस सर्वेक्षण के विद्वानों/फेलो को विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना होता है।	क्षेत्रीय और भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के मुख्यालय से अनेक अधिकारियों ने मानवविज्ञान सामाजिक सांस्कृतिक पॉजिटिव साइटोलॉजी और स्वास्थ्य, लिंग और कार्य व स्वास्थ्य के बदलते परिदृश्य से संबंधित विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/सम्मेलनों/समिति/ कार्यशालाओं में भाग लिया। पलापों मानव विज्ञान को वर्ष के दौरान प्रतिनियुक्त किया/भाग लिया। सर्वेक्षण ने भाग लिया अथवा सहयोगात्मक शैक्षिक सहायता प्रदान किया गया।*			*रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन आयोजित करने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों /संस्थानों को। सर्वेक्षण की वेबसाइट का लगातार उन्नयन किया जा रहा है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रकाशन								
(iv)	डीएनए प्रौद्योगिकी का उपयोग	कोलकाता, मैसूर, नागपुर, शिलांग और पोर्ट ब्लेयर में पहले से ही विकसित अवसरंचना का रख–रखाव। पीसीआर स्तर तक डीएनए प्रौद्योगिकी के साथ प्रयोगशाला सुविधाओं का विकास और देहरादून उदयपुर में डीएनए बैंकिंग।			भौतिक मानवविज्ञान प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण के भाग के रूप में सर्वेक्षण में डीएनए प्रौद्योगिकी का विकास एक सतत स्कीम है। सर्वेक्षण ने उन्नत अधुनातन सुविधाओं के सृजन के लिए कार्यक्रम शुरू किया है। सर्वेक्षण समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं के जुड़े आनुवंशिक और स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रम को कार्यान्वित करना शुरू किया है।	डीएनए प्रयोगशालाओं के वार्षिक रख–रखाव का काम शुरू किया गया। एएनआरसी, पोर्ट ब्लेयर द्वारा स्थानीय और आश्रम बार्डर के बीच हीमोग्लोबीन–पैथिक पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। देहरादून में डीएनए लैब स्थापित किया गया है। डीएनए और आरएनए के लिए अल्ट्रा फ्लो फ्रीजर–86 डिग्री सेल्सियस जल शुद्धीकरण प्रणाली तथा पायरोक्सीन मुक्त जल, आटो क्लेव, इलेक्ट्रोफोरेसिस प्रणाली*			*डीएनए बैंकिग कार्यक्रम जारी रहा। सर्वेक्षण ने समुदायों की सांस्कृतिक व्यवहार्यता से एकीकृत जेनेटिक और स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए संतुलन बनाया है।
(v)	समकालीन भारतीय आबादी और प्राचीन कंकाल सामग्री	समकालीन डीएनए नमूनों का अध्ययन तथा डीएनए विश्लेषण			मानव जीनोम विविधता के हिसाब से भारतीय आबादी पर सुजित की जा रही बेसलाईन सूचना चिकित्सा अनुप्रयोग में उपयोगी होगी।	टाईप–II डायबिटीज में में 'माइटोकोंड्रियल जीनोम परिवर्तनः लैब काम पूरा हो गया है। लगाए गए शोधकर्ताओं द्वारा अंतिम रिपोर्ट लेखन का कार्य चल			लैब विश्लेषण अध्ययनों के लिए उपभोज्यों का प्रापण जारी रहा। इस

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						रहा है। कर्नाटक, दक्षिण भारत में हांडीगोडू सिंड्रोम के जेनोम के व्यापक अनुबंध विश्लेषण; हांडीगोडू सिंड्रोम प्रभावित रोगियों के डीएनए नमूनों का पीसीआर और अनुक्रम किया जा रहा है।			तरह के वैज्ञानिक अनुसंधान में जोखिम कारकों का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।
(vi)	उत्तर–पूर्व भारत में बच्चों की वास्तविक वृद्धि और विकास – लोक स्वास्थ्य मामले	विशेषकर उत्तर–पूर्व भारत के बच्चों के स्वास्थ्य स्थिति के बारे में सूचना का सृजन करना।			लोक स्वास्थ्य मुद्दे के रूप में बच्चों की वृद्धि उत्तर–पूर्व क्षेत्र में एक मिशन मॉड परियोजना है। शोध टीम को सघन फील्ड जांच शुरू करना है।	फील्ड जांच से संग्रहित डाटा का कंप्यूटीकरण और विश्लेषण जारी रहा। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न भागों में सूचीबद्ध समुदायों के बीच फील्डवर्क के अगले चरण के लिए नियुक्त शोध विद्वानों ने कार्य शुरू किया।			संविदा पर जनशक्ति का नियोजन चल रहा है।
(vii)	नर्मदा घाटी उत्खनन	डूबने से पहले पुरा–मानवविज्ञानीय सामग्रियों की खोज में नर्मदा घाटी में सघन उत्खनन।			नर्मदा घाटी और इसके समीप के क्षेत्रों में फील्ड अन्वेषण और खुदाई का काम जारी है। अतिरिक्त मुराल निधियन के लिए यूरोपीय और अफ्रीकी समूहों से सहयोग का अनुसरण। संग्रहित नमूनों का विश्लेषण जारी रहेगा।	मुख्यालय, कोलकाता में नर्मदा नदी तलहटी से एकत्रित जीवाश्मों का विश्लेषण संबंधी शोध जारी है। शिवालिक क्षेत्र में फील्ड अन्वेषण के लिए फील्ड कैंप शुरू किया गया है।			इस सर्वेक्षण के विद्वानों द्वारा शिवालिक क्षेत्र में फील्डकार्य का प्रथम चरण शुरू किया गया है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(viii)	**नई स्कीमें** 1. भारत के लोग सांस्कृतिक विविधता (पाँच घटक) क) अमूर्त एवं मूर्त सांस्कृतिक विरासत : मौखिक, पारंपरिक, लोक वर्गीकरण, सामाजिक ढाँचा एवं लिंग परिदृश्य सहित जैव–सांस्कृतिक अभिग्रहण। ख) उदयपुर स्थित नए भवन में राष्ट्रीय समुदाय ज्ञान केंद्र स्थापित	समुदायों के बीच अधिक सद्भाव के लिए भारत के लोगों की वैज्ञानिक रूप से प्रलेखित और प्रायोजित सांस्कृतिक विविधता पश्चिमी भारत की अमूर्त विरासत को उजागर करने का लक्ष्य			खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में संपादन, पत्र का प्रकाशन और विचारों के आदान–प्रदान के लिए अकादमिक सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुति। समुदाय ज्ञान के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के जरिए पश्चिमी भारत की अमूर्त विरासत का प्रसार करना। दृश्य मानवविज्ञानीय प्रलेखन और फिल्म बनाने के लिए राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना करना। उपकरण का प्रापण, 10 पारंपरिक ज्ञान स्थिति का निर्माण और 4 वृत्तचित्रों का निर्माण।	क. नियुक्त विद्वानों द्वारा विभिन्न सूचीबद्ध स्थलों/समुदायों में फील्ड जांच किया गया; भारत के पुराने केंद्रों में वंशविषयक रिकार्डों और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, इस परियोजना के अंतर्गत, कामाख्या मंदिर, हरिद्वार, पुरी पर पहले चरण की फील्ड वर्क पूरा किया गया है और रिपोर्ट लेखन चल रहा है। ख. इस परियोजना के अंतर्गत लगाए गए वरिष्ठ अधिकारी मध्य और दक्षिण अंडमान में अपने अंग निवासी दौरे की संक्षिप्त रिपोर्ट को अंतिम रूप दे रहे है। ग. दो वरिष्ठ अधिकारी–कोण्यक नागाओं के पारंपरिक रूप के प्रलेखन की संभानाओं पर विचार–विमर्श के लिए मोन, नागालैंड में बैठक में भाग लिया। घ. कोर क्षेत्र के 24 गांवों से			संविदा आधार पर जनशक्ति का नियोजन असम, बस्तर, नारायणनूर, अंडमान में सर्वेक्षण का फील्ड कार्य पूरा हो गया है। उदयपुर, विद्यासागर, विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल में कार्यशाला आयोजित की गई है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	करना। ग) राष्ट्रीय दृश्य मानव–विज्ञान केन्द्र, कोलकाता, घ) मानव एवं पर्यावरण ङ) सीमावर्ती देशों के साथ जैव–सांस्कृतिक संबंध।	मानवविज्ञानीय अनुसंधान में रीतिविधानिक उपस्कर प्रदान करने का लक्ष्य यह परियोजना अजा/अजजा के लिए चिह्नित की गई है, जिसके लिए अपेक्षित फील्ड कार्य के विस्तार के लिए अखिल भारत अनुसूची तैयार करने के लिए अधिक निधियन की आवश्यकता है। परियोजना के निष्पादन के लिए प्राथमिक सूचना एकत्र करने के लिए खोजी दौरा आयोजित किया जाएगा।			अनुसूचित जैव रिजर्व में सघन अनुसंधान के जरिए खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, डाटा संग्रहण रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में संपादन, पत्र का प्रकाशन और विचारों के आदान–प्रदान के लिए अकादमिक सेमिनारों/सम्मेलनों में प्रस्तुति। खोजी दौरे, फील्ड अन्वेषण, डाटा संग्रहण, रिपोर्ट लेखन, प्रकाश्य रूप में संपादन, पत्र का प्रकाशन । फोटो, प्रलेखन और नक्शा बनाने सहित पूर्वोत्तर में ग्रामीण अध्ययन।	संग्रहित डाटा का विश्लेषण चल रहा है। नियुक्त शोध कार्मिकों ने तमिलनाडु में मन्नार गल्फ बायोस्फेयर रिजर्व के लिए फील्ड जांच का दूसरा चरण पूरा किया। ड. पूर्वोत्तर क्षेत्र केंद्र से वरिष्ठ शोध विद्वानों ने सघन फील्ड जांच के पहले पायलट सर्वेक्षण आयोजित किया।			
ix.	**भारत के लोग जैव सांस्कृतिक अभिग्रहण (दो**				जी6पीडी कमी और	शोध परियोजना के अंतर्गत फील्ड जांच किया गया। 'पूर्वोत्तर भारत में समुदाय वंशावली और स्वास्थ्य; दारंग			2007–08 से XIIवीं योजना, वार्षिक

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	घटक)								
	क. पूर्वोत्तर भारत में समुदाय जेनेटिक एवं स्वास्थ्य	क. पूर्वोत्तर के समुदायों में महत्वपूर्ण लोक स्वास्थ्य मामले को दूर करना और एक सांस्थानिक मशीनरी तैयार करना लक्ष्य है।				हिमोग्लोबीन उपचार के मामले पर उत्तर–पूर्व में सहयोगात्मक कार्यक्रम शुरू करना।			
	ख. जेनेटिक एवं स्वास्थ्य : परिवार अध्ययन।	ख. जीवन शैली रोगों के लिए जैव–सांस्कृतिक जोखिम घटक का अध्ययन का लक्ष्य है।							

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		है। उन लोगों में जागरूकता बढ़ाना जो संग्रहालय जाने की स्थिति में नहीं हैं।			विभिन्न प्रदर्शनियां लगाई जाने का प्रस्ताव है।				
25	**सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद**	यह राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय है जिसमें सालारजंग प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय द्वारा समग्र विश्व से संग्रहित दुर्लभ और विविधतापूर्ण कलावस्तुओं का संग्रह किया गया है।	**8.45**	**10.00**			**10.89**	**10.00**	
(i)	परियोजना भवन	संग्रहालय विशेष रूप से दीर्घाओं के विस्तार के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करने का लक्ष्य है।			दीर्घाओं के विस्तार के लिए पश्चिमी और पूर्वी खंड के ऊपर अतिरिक्त फ्लोर का निर्माण।	कार्य चल रहा है। आधुनिक और उन्नत तरीके में प्रदर्श वस्तुओं के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करना।			
(ii)	विकासात्मक कार्य (वर्तमान भवन)	विभिन्न विकास कार्यों के अन्तर्गत वर्तमान भवन में – दीर्घाओं का पुनर्गठन, भंडारों का आधुनिकीकरण पांडुलिपियों एवं पुस्तकालयों आदि का संरक्षण।			वर्तमान भवन का विकासात्मक कार्य और दीर्घाओं का पुनर्गठन।	1. सीआईएसएफ बैरक के ऊपर एक और मंजिल का निर्माण। 2. विविध कार्य। 3. दीर्घाओं के अग्रेनीत। 4. जाड़े रूम। 5. बाल अनुभाग।			
(iii)	सुरक्षा का उन्नयन	क्लोज सर्किट टी वी कैमरों, अग्नि अलार्म और			क्लोज सर्किट टी वी कैमरों, अग्नि अलार्म और फायर	संग्रहालयों की सुरक्षा व्यवस्था के भाग के रूप में 12 माह			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		फायर हायड्रेन्ट सिस्टम द्वारा संग्रहालय की सुरक्षा को उन्नयन किया जा रहा है।			हायड्रेन्ट सिस्टम द्वारा संग्रहालय की सुरक्षा को उन्नयन किया जा रहा है।	के लिए सीआईएसएफ सुरक्षा खर्च की प्रतिपूर्ति की गई।			
(iv)	पुस्तकालय के पुस्तकों, शिल्पतथ्योंए पांडुलिपियों आदि का संरक्षण अन्य सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधि	कला वस्तुओ/संग्रहालय के पुस्तकालय में उपलब्ध पाडुलिपियों का संरक्षण			प्रदर्शित किए जाने वाले तथा भंडार में रखे कलावस्तु के संरक्षण और परिरक्षण के लिए सामान्य कार्य शुरू किए जाने है। शैक्षिक कार्यकलाप जैसे ग्रीष्मकालीन शिविर, संग्रहालय सप्ताह, विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशालाएं आदि आयोजित किए जाने है।	विभिन्न विविध कार्यकलाप/ प्रोग्रामों के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य पूरे किए गए। विशेष प्रदर्शनियां और डिजिटीकरण कार्य भी किए गए। शैक्षिक कार्यकलाप जैसे ग्रीष्मकालीन शिविर, संग्रहालय सप्ताह, 15 विशेष प्रदर्शनी, सेमिनार, कार्यशालाएं, विशेष व्याख्यान, मोबाइल फोटो प्रदर्शनी आदि आयोजित किए गए।*			सभी वस्तुओं का डिजिटीकरण और आरक्षित संग्रह की नेटवर्किंग
26	**इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल**	यह संग्रहालय मानव के जैविक और सांस्कृतिक विकास को पकाश में लाते हुए, समय और स्थान में मानव जाति की कथा को दर्शाने वाले एक विकासशील आंदोलन के रूप में परिकल्पित है।	**2.90**	**9.50**			**2.90**	**7.47**	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	अवसंरचना	शिक्षा तथा संपर्क			**<u>संग्रहालय स्थल विकास</u>**	दूसरे चरण में 500 मीटर			इंडोर

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास, संग्रहालय शिक्षा और संपर्क	गतिविधियाँ एवं आपरेशन साल्वेज के माध्यम से भारत के समृद्ध एवं विविधतापूर्ण सांस्कृतिक पैटर्न के प्रलेखीकरण, प्रदर्शन एवं प्रसार के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अवसंरचना का विकास।			**(कार्य):** (i) जनजातीय कलाकारों एवं विद्यार्थी समूहों के लिए डारमीटरी का निर्माण, प्रलेखन केंद्र भवन का निर्माण, इंडोर संग्रहालय भवन का निर्माण; बिलों का निपटान, चारदीवारी का निर्माण, दर्शक अनुकूल सुविधाओं का विकास और प्रस्तुतिकरण स्थल/ ऑडिटोरियम का विकास/उन्नयन। **ओपन एयर प्रदर्शनी:** संग्रहालय प्रदर्शों के रूप में नए हाउस टाईपों को शामिल करेगा। महानदी, नदीघाटी से प्रदर्शों को विकसित करना, प्रस्तुतिकरण के लिए मुक्ताकाश प्रदर्श स्थल सृजित करना, इंडोर प्रस्तुति/मंच स्थल ऑडिटोरियम का निर्माण, सभी विद्यमान मुक्ताकाश प्रदर्शनियों आदि में दर्शक सुविधाओं का उन्नयन। **संगठन ढांचा**	की चारदीवारी का निर्माण, पार्किंग के समीप फव्वारे का निर्माण कार्य और कार्यालय के समीप कार पार्किंग का निर्माण चल रहा है। संग्रहालय के मुक्ताकाश प्रदर्शनियों का अनुरक्षण एवं रखरखाव किया गया। मणिपुर, की कौम और असम की देवरी, राभा, हाजोंग और मोरांग जनजाति के 5 पारंपरिक फिफेसीज, सीजघरों के निर्माण, मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रदर्श के रूप में जोड़े गए। पारंपरिक प्रौद्योगिकी मुक्ताकाश प्रदर्शनी में नई प्रदर्शनी निर्बदाजी भी जोड़ी गई। 14 विशेष आवधिक प्रदर्शनियां लगाई गई। करो और सीखों संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रम, 3 विरासत कार्नर भी लगाए गए। मंच			प्रदर्शनी का अनुरक्षण एवं रखरखाव, रोड नेटवर्क भवन अथीलेखीय यूनीट जैसे पुस्तकालय फोटोग्राफी संरक्षण चित्रकला अदि गैर योजनागत बजट से शुरू किए गए ।

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					वर्तमान यूनिट को पर्याप्त जनशक्ति के साथ सुदृढ़ किया जाएगा। इंडोर संग्रहालय में प्रदर्शनी दीर्घाओं का विकास; क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में सुविधाओं का विकास, बाल उत्सव करो और सीखों शिक्षा कार्यक्रम, अस्थायी एवं चल प्रदर्शनियां, संग्रहालय एवं विरासत प्रबंधन पर परस्परमूलक प्रशिक्षण , सेमिनार/संगोष्ठी, संग्रहालय वार्ता आदि संग्रहालय के विषय क्षेत्र से संबंधित विषयों पर शुरू किए जाएंगे।	कला प्रदर्शन के 22 कार्यक्रम मानव विज्ञान एवं संग्रहालय पर कार्यशाला सहित 10 सेमिनार, वार्षिक आईजीआरएमएस व्याख्यानों के लिए 6 संग्रहालय लोकप्रिय व्याख्यान और 4 कलाकार कार्यशालाएं भोपाल और भारत के अन्य जगहों में आयोजित की गई। स्वदेशी लोग अंतर्राष्ट्रीय विश्व दिवस आयोजित किया गया। 5 दिवसीय कला और शिल्प कार्यशाला सांस्कृतिक कार्यक्रम और कलाकार कार्यशाला अनंत यात्रा और एक राष्ट्रीय सेमिनार एसआरसी, मैसूर में आयोजित किए गए। काष्ठ वस्त्र और अन्य नृजातीय विज्ञान वस्तुओं के संरक्षण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों के प्रशिक्षुओं के लिए आयेाजित किए गए तथा भुवनेश्वर में नृजातीय विज्ञान संग्रहालय के कार्मिकों के लिए राष्ट्रीय स्तर का क्षमता			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संग्रहालय ने भोपाल में लगभग 13 अस्थाई एवं चल प्रदर्शनियां लगाई। संग्रहालय ने 10 करोड़ सीखों संग्रहालय शिक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय बालरंग–2010 लगभग 5 कार्यशाला और 31 मंच कला प्रदर्शन कार्यक्रम तथा अनेक अन्य कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किए। 6 संग्रहालय लोकप्रिय व्याख्यान और एक वार्षिक आईजीआरएमएस, 9 सेमिनार /संगोष्ठी आयोजित किए गए। इसने 3 पुस्तकें, 1 जर्नल 1 वार्षिक रिपोर्ट 2008–09, 3 तिमाही न्यूज लैटर और अनेक ब्रोशर, फोल्डर, पुस्तिकाएं, पोस्टर आदि प्रकाशित किए।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	आपरेशन सैलवेज	परंपरागत वस्तुगत संस्कृति के बचाव के लिए प्रणालीबद्ध तरीके से कार्य करना तथा विलुप्त हो रहे पक्षों पर कार्य करना आज एक आवश्यकता है क्योंकि बदलाव की तेज गति तथा तीव्र शहरीकरण की वजह से भारत के कई हिस्सों में परंपरागत वस्तुगत संस्कृति लोक एवं जनजातीय कला वस्तुएं तथा सदियों पुराने रीति–रिवाज व परंपराएं तेजी से विलुप्त हो रही हैं। इस प्रकार की चीजों के बचाव के प्रणालीबद्ध कार्यक्रम को संग्रह व प्रलेखीकरण द्वारा चलाया जा रहा है।			i) भीमबेटका विश्व विरासत स्थल के चारों ओर गांवों में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का प्रलेखन। ii) नृजाति एवं मंच कलाओं में मौखिक परंपरा के विभिन्न पहलुओं का प्रलेखन। iii) दुर्लभ वस्तुओं की पहचान और साल्वेज। iv) संस्कृति वस्तुओं की सामग्री का संग्रह। v) नमूनों का संरक्षण। vi) रॉक कला अनुसंधान	संग्रहालयों कार्मिकों ने भारत की सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और प्रलेखन के लिए भारत के विभिन्न दूरस्थ स्थानों में फील्ड कार्य किया। त्रिपुरा के मंच कला के प्रलेखन कार्यक्रम त्रिपुरा में आयोजित किए गए। यद्यपि 1389 वस्तुएं प्राप्त हुई हैं तथा भारत के विभिन्न समुदायों से संबंधित संग्रहालय के नमूने भंडार में प्राप्त हुई है। भीमबेटका विश्वविरासत स्थल के आस–पास अमूर्त विरासत संस्कृति की प्रलेखन परियोजना जारी रही तथा असम में प्राचीन पांडुलिपियों की अनुवाद परियोजना भी पूरी की गई।			
27.	**अन्य कार्यक्रम (संग्रहालय)**								
क.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान**	सांस्कृतिक संपदा के संरक्षण में लगी हुई विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं की क्षमता का	**3.14**	**2.20**			**3.01**	**2.05**	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रयोगशाला, लखनऊ	विकास करना और संग्रहालय, अभिलेखागार, पुरातत्व विभागों, और अन्य समान संस्थाओं को संरक्षण सेवाएँ प्रदान करना।							लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	अनुसंधान एवं विकास फील्ड परियोजनाएं प्रशिक्षण सूचना संसाधन एवं संचार प्रयोगशाला सुविधाओं का उन्नयन	संपोषणीय संरक्षण समाधान विकसित करना। संग्रहों का संरक्षण करना। दिल, वास्तुविज्ञान आदि के कार्य और एनआरएलसी के प्रशिक्षुओं के लिए इंटर्टशिप, असिस्टैंटशिप सृजित करना। संरक्षण एवं जीर्णोद्धार का विकास संरक्षण सूचना का प्रसार अद्यतन उन्नति के साथ चलना			संरक्षण समाधान (10) 1040 वर्गफीट भित्ती चित्रों, 25 तैलचित्रों, 4 थंकाज, 2 कांस्य, 1500 राजस्व नक्शे, पांडुलिपियां, संरक्षित की गई। 15 इंटर्नशिप सृजित करना 15 संरक्षणकर्ताओं/जीर्णोद्धारकों को प्रशिक्षित करना। 5 विश्वविद्यालय/सांस्कृतिक संस्थानों को प्रशिक्षण सेवा। 5 राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार कार्यशालाएं आयोजित करना, सूचना संसाधन का प्रापण (100) तकनीकी नोट/रिपोर्ट/अनुच्छेदों का प्रकाशन (10) पोर्टेबल एक्सरे, डिफ्रैक्शन, स्पैक्ट्रों मीटर और 3डी लेजर, स्कैनर का अर्जन।	समाधान किया गया (7) 1040वर्गफीट भित्ती चित्र, 20 तैल चित्र, 4 थंकाज, 2 कांस्य, 1300 नक्शे और पांडुलिपियों का संरक्षण किया गया। 10 इंटर्नशिप सृजित की गई। 8 संरक्षणकर्ताओं/जीर्णोद्धारकों को प्रशिक्षित किया गया। 4 संस्थानों के छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। 3 सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित की गई। 70 संसाधन प्राप्त किए गए। 7 प्रकाशित किए गए। कॉलम 5 में यथाउल्लिखित दोनों उपकरण प्राप्त किए गए।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
ख.	**विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता***	स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, कला इतिहास का चित्रण करने वाली अवधि से संगत सामग्री और आँकड़ों को इकट्ठा करने में सम्मिलित समकालीन कला का संग्रहालय।	3.30	11.00			3.30	5.85	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
	सी. पी. डब्ल्यू. डी./ए एस आई द्वारा विशेष मरम्मत व पूनर्स्थापन कार्य किया जाना। बागवानी का विकास	मेमोरियल भवन की छत का मरम्मत कार्य करना तथा बाहरी तथा भीतरी दोनों हिस्सों की केमिकल सफाई करना। सही रख–रखाव, गार्डन तथा लॉन का सौंदयीकरण। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रदशनियों को लगाए जाने के लिए अतिरिक्त जगह मुहैया कराना तथा सेमिनार, पुस्तकालय की			सीपीडब्ल्यूडी तथा एएसआई आकलन के आधार पर मरम्मत कार्य जारी रखेंगे। डम के भीतरी सतह की मरम्मत दीर्घाओं के प्लास्टर निकालना तथा पुनः प्लास्टर लगाना। टिकट विक्रय पटल आदि का निर्माण। सीपीडब्ल्यूडी ने बगीचे के भूपरिदृश्य एवं सौंदर्यीकरण का 50 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। शेष कार्य वर्ष के दौरान शुरू किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनियां आयेजित करने के	सीपीडब्ल्यूडी द्वारा इलेक्ट्रिकल ट्रासफार्मर कक्ष का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। नियमित रखरखाव किया जा रहा है। निधि जारी की गई किंतु कार्य अभी शुरू नहीं किया गया है । 25 गार्डन बेंच लगाए गए है। सीपीडब्ल्यूडी से प्राक्कलन प्राप्त हुआ है। निधि जारी की गई। कार्य चल रहा है। उक्त कार्य को आउटसोर्स किया गया है तथा कार्य चल रहा है। केएमसी को निधि जारी की गई है। केएमसी द्वारा कार्य अभी शुरू किया जाना			मेमोरियल परिसर में एनेक्सी भवन के निर्माण की प्रकिया इसके प्रशासनिक अनुमोदन के लिए जारी है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सभागार–सह–प्रशासनिक खंड के लिए एनेक्सी भवन का निर्माण	सुविधा आदि।			लिए प्रदर्शनी हाल सहित स्मारक परिषद में एनेक्सी भवन का निर्माण।	है।			
	घरेलू प्रदर्शनी	जनता को हमारे संग्रहों की समृद्धता से बड़े पैमाने पर परिचित कराना और हमारे विगत इतिहास, संस्कृति तथा सौन्दर्यशास्त्र के विषय में बताना तथा भारत के किसी भी महानगर में न्यूनतम एक चल प्रदर्शनी लगाना।			आरक्षित संग्रह से 3 अस्थायी प्रदर्शनियां संग्रहित करना। 2 अन्य प्रदर्शनियां अन्य संगठनों और विदेश के सहयोग से आयोजित की जाएंगी।	सार्वजनिक विचार के लिए सामाजिक सद्भाव पर प्रदर्शनी लगाई गई। वीएमएच की उपलब्धि और कार्यकलापों पर प्रदर्शनी ''स्ट्रीइविंग टुवर्ड्स द ग्लोरीज इंडिया''। एमएफ हुसैन और सुनीता कुमार द्वारा नामावली पेंटिंग की प्रदर्शनी।			वीएमएच का सृजन और चितपुर रोड के पड़ोस में विरासत आवास पर अन्य प्रदर्शनी।
	प्रकाशन	यूरोपीय कलाकारों के हमारे अद्वितीय संग्रह पर कुछ उच्च गुणवत्ता का प्रकाशन और प्रामाणिक कैटेलॉग प्रकाशित करना			विक्टोरिया मेमोरियल हाल की अर्ध–प्रतियां और मूर्ति पर सूचीपत्र।	भारत का सूचीपत्र : भूति और भू–परिदृश्य प्रकाशित किए गए।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सुरक्षा को मजबूत किया जाना।	तोड़फोड़ तथा चोरी से कला वस्तुओं एवं स्मारक को बचाना तथा सांस्कृतिक संपदा की रक्षा करना।			सीआईएसएफ की सिफारिश पर धूम्रसूचक, निगरानी प्रणाली का संस्थापन (सीसीटीवी) सहित फायर अलाम और अग्निशमन प्रणाली का संस्थापन। 12 फुट ऊँची कंटीली तार की चारदीवारी पर फेंसिंग लगाना। 131 सीआईएसएफ/कार्मिकों को लगाना।	सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन किया गया, 1 मल्टी जोन डीएफएमडी, 2 बैटरी चालित प्रदूषण रहित चार्ट की खरीद और संस्थापन। आपातकालीन प्रयोग के लिए अग्निशमन यंत्र, सीआईएसएफ कार्मिकों की नियुक्ति विचारधीन हे। कोलकाता पुलिस का नियोजन जारी है । विद्यमान*			सीसीटीवी कैमरा और सिस्टम की मरम्मत की गई और ठीक से काम कर रहे है। 13 वाकी टाकी किराए पर लेना जारी है।
	दीर्घाओं और कला वस्तुओं के भंडार की स्थापना/ आधुनिकीकरण	डपयुक्त प्रदर्शन, प्रकाश प्रणाली और वातावरण नियंत्रण के सिाथ मेमेरियल की सभी दीर्घाओं की पुनर्संरचना, पुनः मोडेल			बुनियादी सहायता प्रणाली के विकास तथा एनआईडी, अहमदाबाद द्वारा मास्टर प्लान के अनुसार दीर्घाओं और भंडारों का आधुनिकीकरण। एनसीएसएम, विज्ञान शहर द्वारा संग्रहालय समय के बाद संग्रहालय के परोक्ष यात्रा के लिए उत्तर और दक्षिण द्वार के समीप एलईडी स्क्रीन का संस्थापन। मेसर्स वोल्टाज लिमिटेड द्वारा पोट्रेट र्गलरी के प्रदर्शनी हाल में केंद्रीकृत वातानुकूल का संस्थापन।	कार्य इस महीने शुरू किया जाना है। उच्च लागत के कारण न्यासी बोर्ड द्वारा प्रस्ताव रद्द कर दिया गया। चार एसी लगाए गए है।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ग)	**इलाहाबाद संग्रहालय, इलाहाबाद**	संग्रहालय के मुख्य कार्यकलापों में कला वस्तुओं का अधिग्रहण, वीथियों और पुस्तकालय और फोटोग्राफी इकाई और प्रकाशन को समृद्ध बनाने वाले आरक्षित संग्रहों का पुनःसंगठन।	**1.98**	**2.50**			**1.74**	**1.41**	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	भवन का पुनरूद्धार	स्टाफ और दर्शकों को उचित तरीके में अतिरिक्त स्थान प्रदान करने का लक्ष्य है।			मुख्यरूप से दीवार और छतों की पेंटिंग सहित सहायक कीपर के बैठने के कक्ष का नवीकरण। संग्रहालय भवन में विभिन्न जगहों पर प्लास्टर लगाना। प्रथम तक पर प्रसाधन का निर्माण। अन्य मरम्मत व सफाई कार्य।	मौजूदा भवन के कुछ स्थानों को नया रूप दिया गया है और स्टाफ और दर्शकों के लिए अपेक्षित स्थान और सुविधाएं बढ़ी है।			प्रगति निधियों की समय पर उपलब्धता पर निर्भर है।
(ii)	पुस्तकालय फोटो प्रलेखन और सुदृढ़ीकरण	पुस्तकालय संग्रह को सुदृढ़ करना और संग्रहालय द्वारा धारित अनेक जरनलों और सेटों के खंड को प्राप्त करना, कुछ पुस्तकों और जरनलों की माइक्रोफिल्म बनाना, जो उपलब्ध नहीं है। इसके लिए संग्रहालय			क्लासिफिकेशन, कैटालॉगिंग तथा कंप्यूटरीकृत पुस्तक इंन्वेंटरी के रूटीन कार्य; पुस्तकों की बंधाई, एक विशेषज्ञ को संलग्न कर फारसी पांडुलिपियों का कैटालॉगिंग, लाइब्रेरी साफ्ट्वेयर की खरीद; लाइब्रेरी पुस्तकों की खरीद।	विभिन्न विषयों पर 50 पुस्तकें प्राप्त की गई, 600 पुस्तकें वर्गीकृत और सूचीपत्र की गईं, जर्नलों के 15 अंकों का अंशदान किया गया। 2301 रीडर पुस्तकायल आए और विद्वानों द्वारा 190 पुस्तकें पढ़ी गई, 3991 जेराक्स			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		कार्मिक के दल को भेजना और संग्रहालय पुस्तकालय को समृद्ध बनाने के लिए पुस्तकों और जरनलों की प्राप्ति।				प्रतियां ली गई। सभी कार्यकलापों जैसे सेमिनार, व्याख्यान, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी आदि का फोटो लिया गया।			
(iii)	वीथियों का आधुनिकीकरण	उद्देश्यों में वुड पैनलिंग, नए शोकेसेज/वुडन ब्लॉकों को लगाया जाना, संग्रहालय के विभिन्न विद्यमान दीर्घाओं के आधुनिकीकरण/पुनरसंगठन का कार्य शामिल है।			लघु पुरातात्विक तथा मूर्ति दीर्घाओं की वुड पैनलिंग, कुमार स्वामी हॉल में पार्टिशन के लिए वुडन ब्लॉकों का निर्माण तथा नए शो केसों एवं पुराने का विभागीय तौर पर पुनर्निर्माण। लघु और आधुनिक पेंटिंग गैलरी में 500 से अधिक पेंटिंग की फ्रेमिंग और उन्हें लगाना। नेहरू दीर्घा का आधुनिकीकरण की अन्य महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे।	दर्शकों को हमारी प्राचानी सांस्कृतिक विरासत का बेहतर ज्ञान प्रदानकरने के लिए आधुनिकीकरण कार्य किया गया। बिजली जाने के दौरान दीर्घाओं को प्रकाशित रखने के लिए जनरेटर हेतु डीजल प्राप्त किया गया, 3 दीर्घाओं i) लघु पेंटिंग, ii) आधुनिक पेंटिंग और iii) नेहरू गैलरी का आधुनिकीकरण चल रहा है। लघु शीर्षक, शोकेस और दीर्घा शीट्स*।			*शस्त्र दीर्घा, प्राकृतिक इतिहास दीर्घा, पुरातत्व दीर्घा का नवीकरण और परिवर्तन किया गया।
(iv)	कलावस्तुओं का अधिग्रहण	उपयुक्त अंतरालों पर होने वाली अपनी बैठक में कला खरीद समिति के माध्यम से संग्रहालय के लिए कला वस्तुओं को प्राप्त करना।			कला खरीद समिति की पहली और दूसरी बैठक क्रमशः अक्टूबर, 10 और फरवरी, 11 में हो सकती है।	कला खरीद समिति की सिफारिश के अनुसार 8.24 लाख रू. की कलावस्तुएं एवं पुरावस्तुएं खरीदी गईं।			
(v)	प्रदर्शनी तथा प्रदर्शन	आरक्षित संग्रह की व्यवस्था। मॉडलिंग			खोजी गई सामग्री के आरक्षित भंडार का पुनर्संगठन, कांस्य	जलरंग प्रदर्शनी पर आधारित बनारस मत सहित 3			कुल 522 वस्तुओं का

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अनुभाग। शैक्षिक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यकलाप अनुसंधान अध्येतावृत्ति तथा अन्वेषण एवं रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला।			तथा पुरातात्विक वस्तुओं के लिए शो केसेज तैयार करना प्रख्यात मूर्ति/कलाकार श्री ज्ञान सिंह तथा श्री ललन सिंह की प्रदर्शनी, विभिन्न संस्थानों और संग्रहालयों में संग्रहालय के उत्कृष्ट कलाकृतियों की प्रदश्रनी आयोजित करना।	प्रदर्शनियां आयोजित की गई। पुरस्कार जीतने वाली पेंटिंग/क्ले मॉडलिंग प्रदर्शनी और नए प्राप्त कलावस्तुओं पर प्रदर्शनी। अनेक स्मारक व्याख्यान, कार्यशाला, प्रदर्शनी, पेंटिंग कार्यशाला, क्ले मॉडलिंग कार्यशाला, सेमिनार, बाल सांस्कृतिक कार्यक्रम और कला व पुरातत्व, ज्योतिष विज्ञान आदि पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया।			संरक्षण, जिसमें शामिल–70 प्रस्तर मूर्ति, 10 पेंटिंग, 300 एमएसएस, 110 कांस्य धातु और 25 अभिलेखीय प्रलेखों का संरक्षण किया गया।
(घ)	**राष्ट्रीय कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली**	कला, इतिहास, कला–वस्तुओं के संरक्षण और पुनरूद्धार और संग्रहालय में उनके प्रदर्शन और रखरखाव में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना।	**0.25**	**4.00**			**0.17**	**3.00**	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	शैक्षिक कार्यक्रम	कला–इतिहास, संरक्षण और संग्रहालय विज्ञान और के क्षेत्रों में ज्ञान का			एम. ए. पाठ्यक्रम (55 सीट) और पी. एच. डी. पाठ्यक्रम (12 सीट) में प्रवेश द्वारा	एम.ए. पाठ्यक्रमों में 42 छात्रों में से 26 छात्र पास हुए जबकि 18 छात्रों में			पीएचडी की अवधि 5 वर्ष है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	नोएडा परियोजना	प्रसार और उन्नयन शिक्षण व प्रशिक्षण और एम. ए. तथा पी. एच. डी. की डिग्री प्रदान करना। सेक्टर 62, नोएडा में 3 एकड़ भूमि में अपने भवन का निर्माण			पाठ्यक्रमों का आयोजन और 3 लघु अवधि पाठ्यक्रमों – दो अंग्रेजी और एक हिंदी में का आयोजन। (लगभग 250 भागीदार) निर्माण कार्य 2010–11 के दौरानशुरू किया जाना है	पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया, 7 छात्र पास हुए। अल्पकालीन पाठ्यक्रमों में 199 छात्रों ने प्रवेश लिया और 124 छात्र पास हुए। अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 5 राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए गए।* अनुदान/अनुमोदन के लिए एसएफसी की कोई बैठक आयोजित नहीं की जा सकी।			अल्पकालीन पाठ्यक्रम 5 महीने की अवधि के है। *6 विशेष व्याख्यान भी आयोजित किए गए
(ङ)	**क्षेत्रीय और स्थानीय संग्रहालयों के 'संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय सहायता की स्कीम'***	क्षेत्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर मौजूदा संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण का संवर्धन।	---	**14.50**	इस स्कीम के अंतर्गत अनुदान के लिए लगभग 50 संग्रहालयों को लाभ होगा। इस स्कीम की वित्तीय सीमा संशोधित की गई है।	संवर्धन और सुदृढ़ीकरण के लिए 60 संग्रहालयों/संगठनों को अनुदान दिया गया।	**0.00**	**14.82**	निधियों का जारी करना विभिन्न संग्रहालयों से प्राप्त पूर्ण प्रस्तावों की संख्या पर निर्भर करता है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(च)	**महानगरों में संग्रहालयों के आधुनिकीकरण की स्कीम**	देश में कुछ संग्रहालयों को विश्व में सर्वोत्कृष्ट संग्रहालयों के बराबर लाने के लिए।	--	6.00	राष्ट्रीय संग्रहालय और भारतीय संग्रहालय के अलावा एगमोर संग्रहालय, चेन्नई तथा छत्रपति शिवाजी वास्तु संग्रहालय, मुबंई के आधुनिकीकरण प्रस्तावित है।	छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (मुबंई) और राजकीय संग्रहालय एगमोर (चेन्नई) के लिए उनके आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए अनुदान जारी किया गया।	0.00	7.20	प्रस्ताव अनुमोदन के लिए आईएफडी/ सचिव को भेजा गया है।
(छ)	**वृंदावन अनुसंधान संस्थान, वृंदावन**	भारत की सांस्कृतिक विरासत को परिरक्षित करना।	0.17	0.43	ब्रज संस्कृति पर विभिन्न अनुसंधान, प्रलेखन कार्यकलाप और पांडुलिपि का संरक्षण शुरू किया जाएगा।	ब्रज संस्कृति विश्वकोश के टीकाकार की शब्द अनुक्रमणिका के खंड का प्रकाशन, कंप्यूटर, फर्नीशर की खरीद।	0.17	0.43	*और प्रलेखन के लिए कैमरा सहित अन्य कार्यालय उपकरण।
28.	**राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता**	भारत से संबंधित भारत तथा विदेश में तैयार की गई सभी पठन और सूचना सामग्री के आधान के रूप में सेवा प्रदान करना।	21.50	15.00			22.54	12.40	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है।
(i)	संग्रह निर्माण और पुस्तक प्रकाशन	भारत में प्रकाशित पुस्तकों और अन्य मुद्रित सामग्रियों का संग्रह			डीबी अधिनियम/खदीर द्वारा विदेशी पुस्तकें – 3500 शीर्षकें – 680	37,400 भारतीय प्रकाशन प्राप्त हुए हैं। 3202 विदेशी पुस्तकें खरीदी			पुस्तक एवं समाचार पत्र वितरण

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आंकड़े।	करना, विदेशी पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को प्राप्त करना।			30,000 भारतीय प्रकाशन प्राप्त होने का लक्ष्य है।	गई है और विदेशी जर्नलों के 720 पुस्तकें खरीदी गई।			अधिनियम, 1954 के अंतर्गत संग्रहण प्रकाशकों के सहयोग पर निर्भर करता है।
(ii)	रेट्रो कन्वर्जन परियोजना तथा पुराने, दुर्लभ प्रकाशनों का डिजटीकरण (पाठक सेवाएं)	प्रयोगशाला का रेट्रो–संरक्षण, डिजिटीकरण तथा आधुनिकीकरण, कम्प्यूटर इकाईयों का परिरक्षण।			रेट्रो–कन्वर्जन और डिजिटीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत, प्राचीन और दुर्लभ भ्रंगुर पठनीय सामग्री के 4 लाख रिकार्ड सृजित करने का लक्ष्य है वर्ष के दौरान 14 लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण किया जाना है।	यह प्राचीन भंगुर पठनीय पुस्तकों को परिरक्षित करेगा तथा पाठक सेवाओं के लिए पुस्तकालय कंप्यूटर इकाई का उन्नयन, परिरक्षण और संरक्षण करेगा।			समय से प्रशासनिक अनुमोदन के अध्यधीन मुक्त निविदा के आधार पर फर्मों, एजेंसियों का चयन किया जाएगा।
(iii)	प्रशासन का सुदृढ़ीकरण	भाषा भवन आदि का फर्नीचर और आंतरिक सज्जा।			भाषा भवन में, सभी पुस्तकालय प्रभाग के लिए फर्नीचर प्रदान किया जाएगा।	स्टाफ और दर्शकों के लिए कार्यानुकूल वातावरण में सुधार करना।			यह समय से प्रशासनिक अनुमोदन पर निर्भर करता है।
29.	**दिल्ली पब्लिक**	दिल्ली के राष्ट्रीय	**10.70**	**5.00**		सामान्यता प्रशासनिक तथा	**12.41**	**4.08**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	लाइब्रेरी	राजधानी क्षेत्र के व्यक्तियों को निःशुल्क पुस्तकालय और सूचना सेवाएँ प्रदान करना और दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में सचल पुस्तकालय सेवाएँ प्रदान करना।				स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।			
(i)	संग्रह विकास				लगभग 4000 शीर्षक (डी पी एल प्रणाली के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में 60,000 बहुल प्रतियाँ खरीदी जानी हैं। इसके साथ ही श्रव्य दृश्य कैसेट और संदर्भ पुस्तकें आदि भी खरीदे जाएंगे।	लगभग 33,900 पुस्तकें और 468 डीवीडी खरीदे गए।			
(ii)	संरक्षण और परिरक्षण	जिल्दसाजी संबंधी देखभाल और पुस्तकों और अन्य पठन सामग्रियों की मरम्मत डी पी एल की एक सतत् प्रकिया है। भावी पीढ़ी के प्रयोजन के लिए पुस्तकालय में दस्तावेजों का परिरक्षण आवश्यक है।			लगभग 20–25 हजार खंडों की पुस्तकें वाणिज्यिक जिल्दसाजों के माध्यम से जिल्द चढ़वानी है।	5475 पुस्तकों की जिल्दसाजी द्वारा बँधाई की गई।			
(iii)	आधुनिकीकरण और सूचना	पुस्तकालय कार्यकलापों का आधुनिकीकरण डी पी			पटेल नगर, सरोजिनी नगर तथा सेंट्रल लाइब्रेरी में दस	अन्य 6 इकाईयों अर्थात् करोलबाग, विनोवा पुरी,			राष्ट्रमंडल खेल समारोह

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	प्रौद्योगिकी का विकास	एल की सतत् प्रकिया है। पुस्तकालय की कम्प्यूटर प्रणाली का संवर्धन करने का प्रस्ताव है, जिसके लिए अन्य भारतीय भाषाओं में डाटाबेस का सृजन करने के लिए अपेक्षाकृत अधिक कम्प्यूटर, सर्वर, स्कैनर, प्रचालन प्रणाली, आई एस एम इत्यादि की आवश्यकता है।			टर्मिनलों की स्थापना द्वारा डीपीएल ने निःशुल्क इंटरनेट पहुँच सेवाएं शुरू की हैं।तीन पुस्तकालयों में डी वी डी कॉर्नर भी स्थापित किए गए है। इस वर्ष इस सुविधा को 5 शाखाओं में बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।	जनकपुरी, नरेला, आर.के.पुरम और शाहदरा पुस्तकालयों में निःशुल्क इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार किया गया है। प्रयासों के कारण सदस्यता बढ़कर 64,883 हो गई है।			के भाग के रूप में प्रदर्शनी खेल प्रश्नोत्तरी आयोजि की गई।
(iv)	सेमिनार/ व्याख्यान/ प्रशिक्षण				वर्ष के दौरान करीब 25 स्टाफों को प्रशिक्षित किया जाएगा।	विभिन्न प्रशिक्षकों और सेमिनारों के लिए अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया। 6वें सीपीसी की सिफारिशों के अनुसार, 64 IV समूह कर्मचारियों को आंतरिक प्रशिक्षण दिया गया।			केंद्रीय पुस्तकालय में मुख्य द्वारा पर जीर्णोद्धार पूरा किया गया।
	नई स्कीम क. नए पुस्तकालय खोलना				सोसायटी के कमजोर वर्गों के आवासीय क्षेत्रों में नए पुस्तकालय खोलने का प्रस्ताव है।	समीक्षाधीन अवधि के दौरान कोई नया पुस्तकालय नहीं खोला जा सका।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
30.	**राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान**	देश में सार्वजनिक पुस्तकालय आंदोलन को प्रोत्साहित करना और सहायता देना।	2.90	30.00			3.70	38.50	सामान्यतया प्रशासनिक स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान प्रयोग किया जाता है
	मैचिग स्कीमः क) पुस्तकों के पर्याप्त स्टॉक के निर्माण के लिए सहायता ख) चल पुस्तकालयों तथा ग्रामीण पुस्तक भंडार केंद्रों के निर्माण के लिए सहायता ग) पुस्तकों के भंडारण के लिए सहायता	पुस्तकालयों के पुस्तक स्टॉक की पुनर्पुर्ति। दूरस्थ कोनों के लिए पुस्तकालय सुविधा। भंडारण सामग्री उपलब्ध कराना। पुस्तकालय व्यवसायिकों में जागरूकता,			9000 पुस्तकालयों को 3 करोड़ पुस्तकों से सहायता दी जानी है। पुस्तकालय – 10 पुस्तकालय – 3500 संगठन – 50	पुस्तकालय – 8011 पुस्तकालय – 5 पुस्तकालय – 12516 पुस्तकालय – 9			राज्य सरकार कभी–कभी समय से अंशदान जारी करने में असमर्थ होती है। जिसके फलस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में देरी हो सकती है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	घ) सेमिनारों, कार्यशालाओं तथा पुस्तक प्रदर्शनियों के लिए सहायता	अभिविन्यास लाना।							
	ड़) सार्वजनिक पुस्तकालयों को जगह बढ़ाने के लिए सहायता	पुस्तकालय भवन का निर्माण।			पुस्तकालय – 140	पुस्तकालय – 4472			
	च) शैक्षिक उद्देश्यों के लिए टी वी सह वी सी पी सेटों/लाइब्रेरी के अनुप्रयोग के लिए कंम्प्यूटर के लिए सहायता।	ऑटोमेशन के लिए ऑडियो विजुअल सहायता तथा कंप्यूटरों की आपूर्ति			पुस्तकालय – 70	पुस्तकालय – 40			
					पुस्तकालय – 260	पुस्तकालय – 183			
		पुस्तकालय सेवा प्रदान करने के लिए स्वैच्छिक उत्साह को बढ़ावा देना			पुस्तकालय – 175	पुस्तकालय – 301			
	नॉन मैचिंग स्कीमें: (क) सार्वजनिक पुस्तकालय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले स्वैच्छिक संगठनों को				पुस्तकालय – 479	पुस्तकालय – 144			राज्य सरकार कभी–कभी समय से आवेदन भेजने में असमर्थ होती
		बच्चों में पठन–आदत को बढ़ावा देना			पुस्तकें – 1.5 करोड़	पुस्तकालय – 139			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	सहायता (ख) बाल पुस्तकालयों और सामान्य सार्वजनिक पुस्तकालयों के बाल खंड को सहायता (ग) पुस्तकों के केंद्रीय चयन के माध्यम से राज्य केंद्रीय पुस्तकालयों एवं जिला पुस्तकालयों की सहायता (घ) विश्वभारती के तहत एफिलियेटेड पुस्तकालयों केंद्रीय प्रायोजित पुस्तकालयों को सहायता। (ड़) अखिल भारतीय स्तर	सद्यः प्रकाशित मूल्यवान पुस्तकों से पुस्तक स्टाक को बेहतर बनाया जाना। सद्यः प्रकाशित मूल्यवान पुस्तकों से पुस्तक स्टाक को बेहतर बनाया जाना। राष्ट्रीय व्यावसायिक संगठन को प्रोत्साहित करना।			पुस्तकालय – 37 संगठन – 5 पुस्तकालय – 35 पुस्तकालय – 100	पुस्तकालय – 387 संगठन – 37 पुस्तकालय – 18 पुस्तकालय – 18			है। जिसके फलस्वरूप प्रस्तावों को अंतिम रूप देने में देरी हो सकती है। यह पुस्तक चयन समिति की बैठक पर निर्भर करता है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	के निकाय यथा – आई एल ए इत्यादि को सेमिनारों, सम्मेलनों इत्यादि के लिए सहायता। (च) शताब्दी समारोहों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों को सहायता (छ) बाल–कोने की स्थापना के लिए सहायता।	पुराने पुस्तकालयों को प्रोत्साहित करना बाल पाठकों को आकर्षित करना				पुस्तकालय – 25			
31.	**अन्य पुस्तकालय**								
(क)	**केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, कोलकाता**	(क) भारतीय राष्ट्रीय बिब्लियोग्राफी का संकलन और प्रकाशन (रोमन लिपि तथा संबंधित भाषा लिपियों में)	**2.02**	**0.60**	जो भारतीय संविधान द्वारा मान्यताप्राप्त भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी में हाल के भारतीय प्रकाशनों की बिब्लियोग्राफी है, को		**1.98**	**0.57**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
					कार्यान्वित करना तथा (ख) इन्डेक्स इंडियाना का संकलन तथा प्रकाशन।				लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
	भारतीय राष्ट्रीय बिबलियोंग्राफी और इंडैक्स इंडियाना अन्य कार्यकलाप	1. आईएनबी के वार्षिक खंड 2007 का प्रकाशन 2. आईएनबी के वार्षिक खंड 2008 का संकलन 3.आईएनबी 2009 के मासिक अंक जनवरी से दिसम्बर 4. इंडेक्स इंडियाना का संकलन और प्रकाशन 5. प्रशिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम 5. पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास कार्यक्रम 6. 5 राज्य की राजधानियों अर्थात् चेन्नै, बंगलोर, हैदराबाद, पांडिचेरी और तिरूवनंतपुरम में क्षेत्रीय डाटा संकलन केंद्र			क)2007 आईएनबी के वार्षिक खंड की 250 प्रतियां ख)2008 आईएनबी खंड प्रकाशित किया जाना है। ग)2009 आईएनबी का 12 मासिक अंक घ) 2009 आईएनबी खंड की पांडुलिपि तैयार है पुस्तकालय में 30 छात्रों के 6 बैचों को प्रशिक्षित किया जाना है। 2 प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/ कार्यक्रम आईएनबी डाटाबेस नेट पर डालना 3 पुस्तकें मेले।	क) प्रकाशित प्रकाशनों की 250 प्रतियां प्राप्त की ख) प्राप्त ग) प्राप्त प्राप्त 40 छात्रों के 8 बैचों को प्रशिक्षित किया गया। एनई में 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंफाल, मणिपुर में 1 सेमिनार आयोजित किया गया। उन्नत लिबसिस साफ्टवेयर लगाया गया। सीआरएल प्रकाशन की विक्रय और प्रदर्शनी		मलयालम ग्रंथसूची प्रकाशित की गई। मणिपुर और सिलचर में सेमिनार और कार्यशाला सफलता–पूर्वक	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
						आयोजित की गई।		आयोजित किया। प्राप्त नहीं।	
(ख)	**खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी पटना**	यह पुस्तकालय मौलवी मोहम्मद बख्श के व्यक्तिगत संग्रह से बना है जो साहित्य प्रेमी तथा पुस्तकों के प्रेमी थे। इसमें 20000 से अधिक पांडुलिपियां और कुछ दुर्लभ छपी हुई पुस्तके हैं।	**2.02**	**1.50**			**2.29**	**0.00**	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।
(i)	अधिग्रहण : पुस्तकों, पांडुलिपियों, माइक्रोफिल्मों तथा वीडियो और ऑडियो कैसेटों की खरीद	पुस्तकें, पांडुलिपियां, माइक्रोफिल्म तथा ऑडियों वीडियो सीडी पाठकों के उपयोग के लिए प्राप्त करना।			5000 मुद्रित पुस्तकां, 50 पांडुलिपियपों और 120 शीर्षकों को खरीदना।	5536 छपी पुस्तकें और 77 पत्रिकाएं, 28 समाचार–पत्र, 10 एमएसएस और 112 आडियो और विडियो कैसेट की खरीद।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ii)	शोध और प्रकाशन : दुर्लभ सामग्री का प्रकाशन कैटलॉग का मुद्रण, शोध संगोष्ठियां व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम, खुदाबख्श शोध अध्येता वृत्तियां और मासिक पत्रिका का प्रकाशन	पांडुलिपियों के महत्वपूर्ण अंकों का प्रकाशन करना, दुर्लभ मूल्य की पुस्तकों का, प्रतिष्ठित विद्धानों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का प्रकाशन करना। बाहर रहनेवालों को विवरणात्मक कैटेलॉग के छुपे हुए खजाने से परिचित कराना। संगोष्ठियां, सुप्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान आयोजित करना। विख्यात विद्धानों को अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्तियां।			3 का अंग्रेजी प्रकाशन 1 का हिंदी प्रकाश, 2 दुर्लभ पांडुलिपियों की अनुकृतियों का अनुवाद, 24 पुस्तकों का प्रकाशन सूचीपत्र के 2 खंडों का मुद्रण 2 राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन वार्षिक व्याख्यान – 1 विस्तार व्याख्यान – 4 लोकप्रिय व्याख्यान – 12 सांस्कृतिक कार्यक्रम वरिष्ठ अध्येतावृत्ति – 3 कनिष्ठ अध्येतावृत्ति – 7 शोध निर्धारित करना तिमाही जर्नलों के 4 अंकों का प्रकाशन	9 पुस्तक प्रकाशित, 5 नेशनल सेमिनार, 1 राष्ट्रीय व्याख्यान, 8 विस्तार व्याख्यान, 3 लोकप्रिय व्याख्यान, 1 मुशायरा और कुछ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 7 वरिष्ठ अध्येतावृत्ति और 5 कनिष्ठ अध्येतावृत्ति तथा टैगोर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति कार्य कर रही है। जर्नल के चार अंक प्रकाशित किए गए।			
(iii)	संरक्षण और परिरक्षण : परिरक्षण प्रयोगशाला और पुस्तक परिरक्षण और रैप्रोग्राफिक सुविधाओं का	नेमी अनुरक्षण, उपचारात्मक तथा निवारक और परिरक्षण के लिए परिरक्षण प्रयोगशाला। पुस्तकों को ठीक स्थिति में रखना।			पुस्तकों और पांडुलिपियों के निवारक और उपचारात्मक परिरक्षण के लिए नेमी कार्यकलाप। संविदा आधार पर मुद्रित पुस्तकों और पांडुलिपियों की जिल्दसाजी।	निरोधक के लिए दैनिक कार्यकलाप तथा पुस्तकों और पांडुलिपियों का निरोधक संरक्षण शुरू किया गया। इसके साथ ही 323 पुस्तकें और पांडुलिपियों की संविदा आधार पर जिल्दसाजी की गई। एमएसएस के 10			एनसीएसआई के माध्यम से पूरा किया गया। ऐसे एमएसएस की पुनः बारीक जांच करना

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	विकास					लाख पृष्ठों का डिजिटीकरण*			जिनकी छायाप्रतियों को अस्वीकार कर दिया गया था।
(ग)	**तंजावुर महाराजा सरफोजी सरस्वती महल पुस्तकालय, तंजावुर**	यह संस्कृति और ज्ञान का एक अमूल्य भंडार है इसकी परिकल्पना 16वीं शताब्दी में रॉयल पैलेस पुस्तकालय के रूप में की गई थी	–	**1.10**			0.00	**0.44**	
(i)	संस्कृत, तमिल, मराठी इत्यादि में पांडुलिपि से पुस्तकों का प्रकाशन	पांडुलिपियों का अनुवाद, लिप्यांतरण और पुस्तकों को प्रकाशित करना।			इस वर्ष 14 नई पुस्तकों और 10 पुनर्मुद्रण का काम किया जाएगा।	कार्य चल रहा है।			
(ii)	संरक्षण	ताड़ के पत्तों पर सिट्रोनेला तेल लगाना तथा कागज पर लिखी गई पांडुलिपियों/बहुमूल्य पुरानी पुस्तकों इत्यादि को परिरक्षित करना।			पांडुलिपियों के 110000 पत्तों साफ करना तथा 2000 पुस्तकों को साफ करना और परिरक्षित करना।	अनेक एमएसएस का रासायनिक उपचार किया गया और संरक्षित किया गया।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iii)	रिप्रोग्राफी	पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों की माइक्रो फिल्म बनाना।			1000 नए तमिल पांडुलिपियों को माईक्रोफिल्म बनाना और साफ करना।	काम चल रहा है।			
(घ)	**तिब्बती कार्य और अभिलेखागार पुस्तकालय, धर्मशाला, हि.प्र.**	इसका उद्देश्य तिब्बती पुस्तकों और पांडुलिपियों को प्राप्त करना और संरक्षित करना तथा गहन संदर्भ सेवा प्रदान करना है तथा तिब्बती पांडुलिपियों, चित्रों तथा कला वस्तुओं के केन्द्र के रूप में कार्य करना है।	1.20	––	यह संस्थान तिब्बती सभ्यता और भारतलतिब्बती–ज्ञान के संपन्न विरात के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।	प्राचीन बौद्ध पांडुलिपियों का परिरक्षण, कलावस्तुओं का अनुसंधान प्रकाशन शिक्षा संवर्धन, विकास आदि।	1.20	0.00	
(ङ)	**रामपुर रजा पुस्तकालय रामपुर**	पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य भारत–इस्लामी पांडुलिपियों, लघु चित्रों, पुस्तकों तथा पुस्तकालय में कला और विज्ञान की अन्य वस्तुओं को प्राप्त करना और संरक्षित करना है तथा संदर्भ और शोध के एक केन्द्र के रूप में कार्य करना तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व के कला केन्द्र के रूप में	1.18	4.05			1.17	1.24	सामान्यता प्रशासनिक तथा स्थापनात्मक व्ययों के लिए योजनेतर अनुदान का प्रयोग किया जाता है।

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		भी कार्य करना है।							
(i)	प्रकाशन और मुद्रण	अरबी, फारसी और संस्कृत पांडुलिपियों के पाठ की पुस्तकों का प्रकाशन।			पुस्तकों, जरनलों, तकनीकी रिपोर्टों और पेंटिंग का प्रकाशन, जिसमें शामिल हैं – इतिहास एवं संस्कृति पर पुस्तकों, कैटेलॉग, जरनल, पांडुलिपियों का पाठ, पेंटिंग की मोनाग्राफ, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, रंगीन दिच पोस्टकार्ड का प्रकाशन, रंगीन स्लाईडों की तैयारी, विभिन्न प्रपत्रों और प्रमाणपत्रों की छपाई, पुस्तकों और पांडुलिपियों के लिए माँग स्लिप, आमंत्रण कार्ड। विभिन्न प्रारूपों और प्रमाण–पत्रों, पुस्तकों के लिए मांग पर्ची और एसएसएस आमंत्रण पत्रों का मुद्रण	5 पुस्तकें प्रकाशित की गईं।			
(ii)	दो विरासत भवनों का परिरक्षण और पुनरूद्धार।	रज़ा पुस्तकालय की दो ऐतिहासिक महल नामतः हामिद मंज़िल और रंग महल पुरातत्वीय महत्व के स्मारक हैं, जिसे मरम्मत किए जाने की जरूरत है, जिसका			पिछले 8 वर्षों के भीतर हामिद मंजिल के कक्षों की आलंकारिक छतों के अधिकांश भाग को पुनःस्थापित किया गया है और बाँकी को वित वर्ष 2010–11 में पुनर्स्थापित कर लिया जाएगा।	यह अनवरत परियोजना है। वर्ष के दौरान लघु मरम्मत कार्य किए गए है।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		अनुमोदन रामपुर रजा पुस्तकालय बोर्ड ने 37वीं बैठक में दिया था।							
(iii)	पुस्तकों, पांडुलिपियों का प्रापण, छात्रवृति और पुरस्कार सेमिनार/कार्यशाला/प्रदर्शनी संकलनों का परिरक्षण एवं संरक्षण, आईटी का कंप्यूटरीकरण और अनुप्रयोजन, सीआईएसएफ का नियोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रम और दरबार हाल संग्रहालय का आधुनिकीकरण	अनुसंधान विद्वानों की मांग को पूरा करने के लिए दुर्लभ पांडुलिपियों, पुस्तकों और कला वस्तुओं का प्रापण विद्वानों, अकादमीविदों के तालमेल के लिए अकादमिक और सांस्कृतिक कार्यकलाप आयोजित करना। पुस्तकालय के मूल्यवावन संकलन की रक्षा करना।			12 दुर्लभ एमएसएस, 6 मुद्रित पुस्तकें, 117 पुस्तकें और कलावस्तुएं। 5 छात्रवृत्तियां और 3 पुरस्कार 3सेमिनार, 2 कार्यशालाएं 2 प्रदर्शनियां और व्याख्यान मुशायरा और कवि सम्मेलन दुर्लभ एमएसएस, कलावस्तुओं, पुस्तकों, चित्रकलाओं आदि के लगभग 6000 पृष्ठ।	460 पुस्तकें मुद्रित और 20 पांडुलिपियां और 3 कलावस्तुएं खरीदी गई है। 11 छात्रवृत्तियां और 2 पुरस्कार दिए गए। प्रदर्शनियां, 2 मुशायरा, कवि सम्मेलन, दो सेमिनार, और व्याख्यान आयोजित किए गए। एमएसएस के 2640 पृष्ठ, मुद्रित पुस्तकों के 1230 पृष्ठ 09 लघु पेंटिंग, 08 नक्शे, 9 सुलेखन।*			* पुस्तकालय संग्रह के 92 (पुस्तकें और एमएसएस) का धूम्रीकरण करके वैज्ञानिक रूप से जीर्णोद्धार किया गया। 31 मार्च, 2011 तक लगभग 200000 पृष्ठों का डिजिटीकरण किया गया।
(च)	**राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन**	मिशन का उद्देश्य पूरे देश की बहुमूल्य पांडुलिपियों के कैटेलॉग	--	**7.50**			**0.00**	**8.50**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		बनाना, उनका संरक्षण करना और संग्रह करना तथा पांडुलिपि संसाधन केन्द्रों, पांडुलिपि संरक्षण केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना और गौरवपूर्ण पांडुलिपियों के कैटेलॉगों का डिजिटीकरण करना है।							
(i)	राष्ट्रीय पांडुलिपि पुस्तकालय	राष्ट्रीय पांडुलिपि पुस्तकालय का सृजन			पूर्ण डिजिटीकृत पांडुलिपियां और अन्य महत्वपूर्ण और दुर्लभ दस्तावेजों को पुस्तकालय में व्यवस्थित किया गया।	93 लाख छायाप्रतियां डिजिटीकृत की गई ओर अभी कार्य चल रहा है।			
(ii)	एमआरसी के माध्यम से नेटवर्किंग	एमआरसी में उपलब्ध पांडुलिपियों का प्रलेखन			प्रलेखन कार्य और अन्य चिन्हित कार्यों के कार्यकरण के लिए 48 एमआरसी को अनुदान दिया जाना है।	67 किस्ते जारी की गई है ओर 1.54 लाख प्रलेखों को प्रलेखित किया गया।			
(iii)	पांडुलिपियों के माध्यम से नेटवर्किंग (एमसीसी)	संरक्षण और संबद्ध क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य है।			मौजूदा 33 एमसीसी को चलाना और प्रत्येक केंद्र के लिए 5.00 लाख रू. का अनुदान जारी करना।	59 किस्तें जारी की गई। 10.5 लाख फोलियों के लिए निरोधक उपचार किया गया। 2.5 लाख फोलियो का निरोधक संरक्षण किया गया।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(iv)	संरक्षण कार्यशालाएं और प्रशिक्षण	मांग के अनुसार, निवारक, दुर्लभ समर्थन, उपचारात्मक कार्यशाला आदि आयोजित करना।			क्षेत्रवार कार्यशालाएं आयोजित करना	क्षेत्रवार कार्यशालाएं आयोजित की गई और 390 अभ्यार्थियों को पांडुलिपि संरक्षण पर प्रशिक्षित किया गया।			
(v)	अनुसंधान और प्रकाशन	मुद्रित पुस्तकों का संपादन और प्रकाशन किया गया।			समीक्षा, सम्राक्षिका और तत्वबोध के साथ लगभग 50 पुस्तकें/एमएसएस का संपादन और प्रकाशन किया गया।	3 पुस्तकें जारी की गई और 2 न्यूजलेटर्स, कीर्तिरक्षण प्रकाशित किए गएं			
(vi)	डिजिटीकरण	महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का डिजिटीकरण किया गया।			यह अनवरत स्कीम है। चयनित पक्षों द्वारा एमएसएस को डिजिटीकृत करना।	20 लाख छायाप्रतियों का डिजिटीकरण किया गया।			
(vii)	राष्ट्रीय सर्वेक्षण एवं उत्तर सर्वेक्षण	पांडुलिपियों की पहचान करने के लिए राष्ट्रीय सर्वेक्षण करना।			पहचान के लिए 5 राज्यों को शामिल करना।	एक राज्यशामिल किया गया। 5.4 लाख पांडुलिपियों की पहचान की गई। दो राज्यों में उत्तर सर्वेक्षण किया गया। 60,000 पांडुलिपियों को प्रलेखित किया गया।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(viii)	पांडुलिपिविज्ञान ओर पेलियोग्राफी कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	विश्वविद्यालयों के जरिए पांडुलिपिविज्ञान को बढ़ावा देना।			स्तर I/II/II के लिए क्षेत्रवार कार्यशालाएं और प्रशिक्षण आयोजित करना।	480 विद्वानों को प्रशिक्षित किया गया और 16 कार्यशालाएं आयोजित की गई।			
(छ)	**पुस्तकालयों संबंधी एक राष्ट्रीय मिशन की स्थापना जिससे आगे चलके एक आयोग का गठन किया जा सके।**	सार्वजनिक पुस्तकालयों की समस्याओं पर ध्यान देना और एक समय–सीमा के भीतर अवसंरचना तथा प्रौद्योगिकीय पर्यावरण का उन्नयन करना।	––	10.10	प्रारंभिक कार्य की शुरूआत के लिए टोकन प्रावधान के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय आयोग।	आरआरआरएलएफ के समतुल्य उद्देश्यों के कारण कार्यान्वित नहीं किया जा सका।			

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ज)	**एशियाटिक सोसाईटी, मुम्बई**	सामान्यतया एशिया और खासकर भारत के संबंध में दर्शन, भाषा, कला और समाज विज्ञान के क्षेत्र में एक शीर्ष अनुसंधान संस्थान। अपनी भूमिका को बनाए रखने और वृद्धि करने के लिए सोसाईटी दुर्लभ पांडुलिपियों और शिल्प तथ्यों का पुस्तकालय और विरासत संग्रहालय का रखरखाव करती हे।	–	1.00	600 मुद्रित पुस्तकों की खरीद, प्रतिदिन 650 पृष्ठों की माइक्रोफिल्म तैयार करना, प्रतिदिन दुर्लभ पुस्तकों के 600 पृष्ठों का डिजिटीकरण, संरक्षण/रासायनिक उपचार 1200 पुस्तकों को धूम्रीकृत किया जाना 5800 पृष्ठों का निःअम्लीकरण, 57900 पृष्ठों का टिशु तैयार किया गया तथा 1800 नक्शों को धुम्रीकृत किया जाना है।	64 मुद्रित पत्रिकाओं और आधुनिक पूर्व आधुनिक की 753 पुस्तकें तथा आधुनिक विषयों की 387 पुस्तकें खरीदी गई। 15456 पृष्ठों वाली 54 पुस्तकों तथा 27170 पृष्ठों के बोम्बे गजट की 47 फाइलों की माइक्रोफिल्म तैयार की गई। 784 नक्शों की सफाई की गई धुम्रीकृत किया गया और सीधा किया गया तथा 559 नक्शों को कपड़े पर चिपकाया गया।	--	1.62	धुम्रीकरण द्वारा 1229 पृष्ठों का संरक्षण 49321 पृष्ठों का निः अम्लीकरण 48790 पृष्ठों का टिशू तैयार किया गया और 100 नक्शों का निः अम्लीकरण किया गया।
(झ)	**राष्ट्रीय दृश्य–श्रव्य सामग्रियों के लिए अभिलेखागार**	यह अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संबंधी केंद्रीय डाटा बैक तथा एकीकृत ज्ञान और वास्तविक प्रलेखित सामग्री के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।	--	1.00	यह नई स्कीम है तथा नई स्कीम के प्रतिपादन और अन्य संबंधित मामलों के लिए प्रारंभिक कार्य वर्ष के दौरान शुरू किए जाएंगे।	स्कीम के ब्यौरे अभी तैयार किए जाने है तथा 2011–12 में इसे कार्यान्वित किए जाने की आशा है।			

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
(ञ)	**राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय, मुम्बई**	प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 और पुस्तक वितरण अधिनियम, 1954 के उपबंधों के अंतर्गत पुस्तकें और पत्रिकाएं प्राप्त करना तथा उन्हें भावी पीढ़ी के लिए परिरक्षित करना।	**0.30**	**0.20**			**0.00**	**0.00**	
	राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय का आधुनिकीकरण/ कम्प्यूटरीकरण/ डिजिटीकरण/ उन्नयन	दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों का डिजिटीकरण करना। डीबीए पुस्तकों का कम्प्यूटरीकरण/रेट्रोकन्वर्शन			डीबीए अनुभाग में प्राप्त 18000 पुस्तकों, 500 पत्रिकाओं, 250 समाचार पत्रों को तकनीकी रूप से संसाधित किया जाएगा और 2 लाख पाठकों को प्रदान किया जाएगा।	पाठकों, अनुसंधानकर्ताओं और विद्वानों के लिए पुस्तकालय ने डी.बी. अधिनियम के तहत पुस्तकों/पठन सामग्री को एकत्र किया।			
ट.	**कोन्नेमारा सार्वजनिक पुस्तकालय, चेन्नई**	यह 1954 के पुस्तक और समाचार–पत्र वितरण (सार्वजनिक पुस्तकालय) अधिनियम के उपबंधों के अंतर्गत सार्वजनिक पुस्तकालयों के 4 प्राप्तकर्त्ताओं में से एक है जो भारत में प्रकाशित सभी सामग्रियों को निःशुल्क प्राप्त कर	**0.35**	**0.60**	पुस्तकालय का उन्नयन और सही प्रयोक्ता के लिए सही समय पर सही सूचना प्रदान करना	डीबी अधिनियम के अंतर्गत 18676 पुस्तकें प्राप्त की गई। 16378 मानक कृतियों को संसाधित किया गया।	**0.35**	**0.42**	भावी पीढ़ी के लिए दुर्लभ और पुराने और मूल्यवान प्रलेखों को परिरक्षित किया।

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
		सकता है। यह एक यूनेस्को सूचना केन्द्र के रूप में कार्य करता है और यूनेस्को के सभी प्रकाशनों को प्राप्त करता है। यह एशियाई विकास बैंक के प्रकाशनों की भी एक डिपॉजिटरी है। यह एशियन विकास बैंक प्रकाशन के लिए संग्रहक भी है।							
32.	**पूर्वोत्तर क्षेत्रों और सिक्किम की परियोजनाओं, स्कीमों के लिए प्रावधान।**								
32.1	**कला और संस्कृति के संवर्धन हेतु परियोजना/ स्कीम।**	पूर्वोत्तर राज्यों में कला और संस्कृति का संवर्धन, प्रसार और संरक्षण।	––	53.24	पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न शहरों में कला और संस्कृति के क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करना और विभागीय स्कीमों के जरिए एनजीओ/व्यक्तिओं को लाभ देना।	भावी पीढ़ी के लिए दुर्लभ और पुराने प्रलेखों को परिरक्षित किया	0.00	0.00	**पूर्वोत्तर के कार्यकलापों के लिए 2010–10 के व्यय संबंधित योजनाशीर्ष/
32.2	**पुरातत्व,**	पुरातत्व, अभिलेखागारों	––	15.66	पूर्वोत्तर क्षेत्र में संग्रहालयों का	पूर्वोत्तर में भारत की प्राचीन	0.00	0.00	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	अभिलेखागार और संग्रहालय	और संग्रहालयों के क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यकलापों का संवर्धन।			विकास करना और अभिलेखीय कार्यकलापों के क्षेत्र में एन ई आर में एन. जी. ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करना। पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित विभिन्न प्राचीन स्मारकों/स्थलों का संरक्षण और सुरक्षा।	संस्कृति के प्रति जागरूकता पैदा करना।			स्कीमों के अंतर्गत शामिल किए गए है।
32.3	**पुस्तकालय**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों को बढ़ावा देना।	––	**4.60**	पूर्वोत्तर क्षेत्र में पुस्तकालय कार्यकलापों का विकास।	पुस्तकालय आंदोलन के जरिए पढ़ने की आदत को विकसित करना।	**0.00**	**0.00**	
		योग (एन ई आर हेतु प्रावधान)	––	**73.50**			**0.00**	**	
	कुल (राजस्व)		**503.00**	**692.00**			**594.34**	**694.14**	
33 संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों की भवन परियोजनाएँ									
1.	**राष्ट्रीय संग्रहालय**	राष्ट्रीय संग्रहालय में सिविल और वैद्युत कार्य	––	**2.00**	राष्ट्रीय संग्रहालय में सिविल और वैद्युत कार्य	राष्ट्रीय संग्रहालय की दीर्घाओं और अधिकारी विंग बेहतर सुविधाएं प्रदान करना।	––	**7.81**	एनजीएमए और एनआरएलसी परियोजनाओं के लिए व्यय शामिल है।
2.	**भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार**		––	**6.45**			––	**4.18**	
	(i)	एन ए आई भवन के वातानुकूलित संयंत्र को बदलना			एन ए आई भवन के वातानुकूलित संयंत्र को बदलना				

परिणाम बजट 2012–13

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(ii)	4 इम्प्रेगनेटर लेमीनेटर का आयात			4 इम्प्रेगनेटर लेमीनेटर का आयात				
	(iii)	अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।			अभिलेख केन्द्र, भुवनेश्वर के कार्यात्मक भवन का निर्माण।				
	(iv)	एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन; रिकार्ड केंद्र जयपुर और पांडिचेरी और क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में जोड़ने और बदलने का काम			एनएआई मुख्य/एनेक्सी भवन; रिकार्ड केंद्र जयपुर और पांडिचेरी और क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल में जोड़ने और बदलने का काम				
3.	**भारतीय मानव–विज्ञान सर्वेक्षण**		--	**4.00**			--	**0.74**	
	(i)	साल्टलेक, कोलकाता में कार्यालय भवन का निर्माण			इन प्ररियोजनाओं को शुरू करने के लिए भवन के निर्माण के लिए प्रारंभिक प्राक्कलन सीपीडब्ल्यूडी द्वारा सूचित कर दिए गए है।	काम चल रहा है।			
	(ii)	भूमि का प्रापण और केंद्रीय क्षेत्रीय के केद्र नागपुर में संग्रहालय का निर्माण							
	(iii)	उदयपुर में आवासीय क्वार्टरों, अतिथि गृह तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संग्रहालय का निर्माण।							

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	(iv)	अतिरिक्त भूमि का प्रापण और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग के अतिथि गृह, संग्रहालय और सम्मेलन कक्ष का निर्माण							
	(v)	उत्तर–पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, देहरादून के आवासी क्वार्टरों और अतिथि गृह का निर्माण							
	(vi)	अतिरिक्त भूमि की खरीद और एस आर सी, मैसूर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अतिथि गृह का निर्माण							
	(vii)	एस आर सी, जगदलपुर में कार्यालय भवन और संग्रहालय का निर्माण							
4.	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ**	एनआरएलसी अतिथि गृह के परिसर में प्रशिक्षण संस्थान और प्रेक्षा गृह का निर्माण	––	**2.50**	काम चल रहा है।	प्रयोगशाला की महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए एनआरएलसीपी, लखनउ में प्रशिक्षण संस्थान–सह–छात्रावास/अतिथ गृह।	––	@	राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने उल्लिखित व्यय में शामिल है।
5.	**राष्ट्रीय**	दिल्ली और बेंगलुरु में	––	**4.00**	कार्य चल रहा है।		––	@	@राष्ट्रीय

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9
	आधुनिक कला संग्रहालय	एनजीएमए की नई एनेक्सी भवन की साज–सज्जा							संग्रहालय में दर्शाए गए व्यय में शामिल है।
6.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण**	नागपुर में ए एस आई के लिए कार्यालय भवन के निर्माण के लिए भूमि की खरीद, ग्रेटर नोएडा में पुरातत्व संस्थान का निर्माण, समांतरपुर, भुवनेश्वर में एएसआई की अपनी भूमि पर संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में भवन निर्माण, लोथल, हालेबीदु, सांची और सूर्य पहल (पूर्वोत्तर) में नए संग्रहालय भवन का निर्माण।	––	**24.00**	काम चल रहा है।	एएसआई के स्टाफ की आवास समस्या का समाधान होगा।	––	**22.44**	
7.	**सार्वजनिक पुस्तकालयें**	**केंद्रीय संदर्भ पुस्तकालय** उनके कार्यालय में एसी सुविधा के संस्थापन से संबधित कार्य	**––**	**0.05**	यह काम 2010–11 में पूरा किया जाएगा।	कार्यालयी कार्य में क्षमता बढ़ाने के लिए कार्यालय में कार्य सुविधाएं प्रदान करना।	**––**	**0.00**	
		योग (भवन परियोजनाएँ)	**––**	**43.00**			**––**	**35.17**	
		कुल योग (कला और संस्कृति)	**503.00**	**735.00**			**594.34**	**729.31**	

अध्याय IV (क) – विगत निष्पादन –2010–11 की समीक्षा

क्र. सं.	स्कीम/ कार्यक्रम का नाम	उद्देश्य / परिणाम	वर्ष 2010–11 के लिए परिव्यय (रु. करोड़ में)		परिमाणीय सुपुर्दगी योग्य साधन/वास्तविक परिणाम	मार्च 2011 तक वास्तविक उपलब्धि	मार्च, 2011 तक वित्तीय उपलब्धियाँ (करोड़ रू. में)		टिप्पणियां / जोखिम संबंधी कारक
							योजनेतर	योजनागत	
			योजनेतर	योजनागत					
1	2	3	4 (i)	4 (ii)	5	6	7	8	9

नोट : कॉलम 8 में दर्शाए गए योजनागत व्यय में पूर्वोत्तर कार्यकलापों पर व्यय शामिल है।